CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :24^{0}C
न्यूनतम: 12^{0}C

हल्द्वानी, शनिवार 22 नवम्बर 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 87 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 2 विक्रमी सम्वत् 2082 | 30 जमादिउल उला 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

न्याय नागरिक की सुरक्षा, स्वावलंबन का आधार बने: योगी पेज 2

पीटी उषा फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित खेल टाइम्स

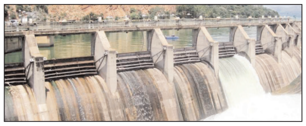

बांधों को हटाने में वृद्धि के परिणाम सम्पादकीय

बांग्लादेश में 5.7 तीव्रता का भूकंप, छह की मौत, 200 घायल पेज 12

दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर, एक्यूआई 506 पर पहुंचा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली- एनसीआर में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। गुरुवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 506 रहा, जो खतरनाक श्रेणी में आता है। दुनियाभर में वायु प्रदूषण को मापने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्था 'एक्यूआई एयर' की लाइव रैंकिंग में दिल्ली दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर दर्ज किया गया।

दिल्ली सरकार ने बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते नवम्बर-दिसम्बर में सभी स्कूलों में स्पोर्ट्स इवेंट्स पर रोक लगा दी है। इससे पहले 18 अक्टूबर को दिल्ली- एनसीआर में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली के स्कूलों में स्पोर्ट्स फंक्शन न हों। इधर मध्य प्रदेश में बीते 15 दिन से कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। पिछले 24 घंटे में भोपाल, इंदौर समेत 12 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। राजगढ़ में तापमान सबसे कम 7.5 डिग्री दर्ज किया गया। जबलपुर में घना कोहरा छाया रहा। इंदौर, भोपाल, राजगढ़, शाजापुर और सीहोर में शुक्रवार को शीतलहर का अलर्ट है। उत्तराखंड के बद्रीनाथ में तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस से नीचे है। मैदानी इलाकों में सुबह के समय कोहरा छा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार राज्य में अगले कुछ दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा। फिर बर्फबारी का अनुमान है। पहाड़ी राज्यों में हो रही बर्फबारी ने मध्य प्रदेश में सर्दी बढ़ा दी है। जबलपुर के भेड़ाघाट में घना

- **दिल्ली सरकार ने सभी स्कूलों में स्पोर्ट्स इवेंट्स पर रोक लगाई,**
- **एमपी के 12 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे**

कोहरा छाया रहा। उत्तर भारत से चल रही सर्द हवाओं का प्रभाव राजस्थान में अब थोड़ा कम हो रहा है। इसके चलते सीकर, चूरू, झुंझुनूं, माउंट आबू समेत कई शहरों में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई। हिल स्टेशन माउंट आबू में गुरुवार को तापमान जमाव बिंदु से ऊपर दर्ज हुआ। हिमाचल प्रदेश में नवम्बर माह में अब तक सामान्य से 89 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

नई दिल्ली। दुबई में प्रतिष्ठित एयर शो के दौरान शुक्रवार को भारतीय वायु सेना का स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस दुर्घटनाग्रस्त हो गया और दुर्भाग्य से इसमें पायलट की मौत हो गई। भारतीय वायुसेना के प्रवक्ता ने यहां बताया कि दुबई एयर शो के दौरान वायुसेना का एक तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में विमान के पायलट की मौत हो गई। वायुसेना को पायलट की मृत्यु पर खेद है और वह दुख की इस घड़ी में पूरी तरह शोक संतप्त परिवार के साथ है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सरकार ने चार श्रम संहिताओं को प्रभावी बनाया

नई दिल्ली। सरकार ने श्रम कानूनों को सरल और कारगर बनाने के उद्देश्य से चार श्रम संहिताओं को प्रभावी बनाने का फैसला किया, ताकि श्रमिकों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो सके। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने चार श्रम संहिताएं - वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता, 2020, 21 नवम्बर-2025 से प्रभावी हो गई। इसके प्रभावी होने से 29 मौजूदा श्रम कानूनों में बदलाव होगा, जिससे श्रमिकों के कल्याण को बढ़ावा मिलेगा। मंत्रालय ने कहा कि भारत के कई श्रम कानून स्वतंत्रता-पूर्व और स्वतंत्रता के तुरंत बाद के हैं जबकि उस समय अर्थव्यवस्था और कार्य की दुनिया मौलिक रूप से अलग थी।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर याचिका पर हुई सुनवाई

वाराणसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ भगवान श्रीराम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में दायर पुनरीक्षण याचिका पर शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत में सुनवाई हुई। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 18 दिसम्बर की तिथि निर्धारित की है। याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता हरिशंकर पांडेय ने बताया कि यह याचिका पहले जिला जज ने विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) की अदालत में स्थानांतरित कर दी थी। सोमवार को अदालत द्वारा राहुल गांधी के दिल्ली स्थित पते पर सम्मन जारी किया जा सकता है।

राष्ट्रीय हज सम्मेलन मुंबई में आज

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने शनिवार को मुंबई में राष्ट्रीय हज सम्मेलन का आयोजन किया है, जिसमें हज-2026 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की जाएगी मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय हज सम्मेलन की अध्यक्षता मंत्रालय के सचिव डा. चंद्रशेखर कुमार करेंगे और इसमें सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की हज समितियों के कार्यकारी अधिकारी शामिल होंगे। भारत हर साल एक लाख 75 हजार से जयादा हज यात्रियों को भेजता है और सरकार सभी भारतीय हज यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुचारू और सम्मानजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बिहार महिला कांग्रेस अध्यक्ष शरवत जहां फातिमा ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद बिहार महिला कांग्रेस अध्यक्ष शरवत जहां फातिमा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। टिकट वितरण में महिलाओं को कांग्रेस पार्टी में केवल आठ प्रतिशत भागीदारी मिलने से नाराज सुश्री फातिमा ने अपना इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजा है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि राजनीति करने के कई पैमाने हैं लेकिन अपने 25 वर्ष के राजनीतिक सफर में, मैंने केवल नैतिकता और निडरता को अपना पैमाना बनाया है।

दिल्ली ब्लास्ट की जांच में सुरक्षा एजेंसियों का बड़ा खुलासा

हमास जैसे हमलों की साजिश रच रहा था जैश

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली ब्लास्ट की जांच में सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ा खुलासा किया है। सूत्रों के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी मॉड्यूल कश्मीर के अस्पतालों को हथियारों का ठिकाना बनाने की कोशिश कर रहा था। यह तरीका हमास की रणनीति से मिलता-जुलता है, जो नागरिक इलाकों और अस्पतालों को हथियारों के ठिकाने के रूप में इस्तेमाल करता है।

ऐसा माना जा रहा है कि इस नेटवर्क को तोड़ने के लिए शुक्रवार को भी गांदरबल और कुपवाड़ा जिलों के कई सरकारी अस्पतालों में डाक्टरों और मेडिकल स्टाफ के लॉकर्स की तलाशी ली गई। यह तलाशी अभियान बुधवार से ही जारी है। आतंकी 1990 में अस्पतालों का हथियारों के ठिकाने के रूप में इस्तेमाल करते थे। जिसके बाद आर्मी और पुलिस ने इसे पूरा क्लीन किया था। अब फिर अस्पतालों को ठिकाना बनाया जा रहा था। जांच एजेंसियां अब यह पता लगा रही हैं कि इस मॉड्यूल ने कितने अस्पतालों को ठिकाना बनाने की कोशिश की और हथियारों की सप्लाई चेन कहां तक फैली हुई थी। दिल्ली ब्लास्ट के बाद से ही एनआईए और स्थानीय पुलिस इस पूरे नेटवर्क को तोड़ने में लगी है। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि डा. मुजम्मिल, डा. शाहीन सईद और ब्लास्ट में मारा जा चुका आतंकी डा. उमर नबी टेरर मॉड्यूल की अहम कड़ी थे। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान से जैश के हैंडलर हंजुल्ला ने दिल्ली धमाके के आरोपी डा. मुजम्मिल शकील गनई को बम बनाने के 40 वीडियो भेजे थे। दोनों को जम्मू के शोपियां का रहने वाले मौलवी इरफान अहमद ने मिलवाया था। इसके बाद व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल तैयार किया था और कई डाक्टर्स को इससे जोड़ा गया। दिल्ली धमाका भी इसी मॉड्यूल का हिस्सा था। जांच में यह भी सामने आया है कि हंजुल्ला जैश हैंडलर का कोर्ड नेम हो सकता है। 18 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के नौगाम में लगे जैश पोस्टरों में भी कमांडर हंजुल्ला भैया का नाम था। इसी से जांच एजेंसियों को शक हुआ। एनआई ने फरीदाबाद के धौज गांव में रह रहे एक टैक्सी ड्राइवर के घर से आटा चक्की और कुछ इलेक्ट्रॉनिक मशीनें बरामद कीं। इसमें मेटल पिघलाने की मशीन भी है। जांच एजेंसी को जुड़े सूत्रों ने बताया कि इसी आटा चक्की में डा. मुजम्मिल यूरिया पीसता था, फिर मशीन से उसे रिफाइन करता था।

गांदरबल और कुपवाड़ा जिलों के सरकारी अस्पतालों में डाक्टरों और मेडिकल स्टाफ के लॉकर्स की तलाशी ली गई

कश्मीरी अस्पतालों में हथियारों का ठिकाना बनाने की तैयारी थी, पाकिस्तान से भेजे गए बम बनाने के 40 वीडियो

आतंकी डाक्टर के ठिकाने से बरामद हुए चौंकाने वाले सबूत

नई दिल्ली। दिल्ली के लालकिले के पास हुए कार धमाके की जांच कर रही एजेंसियों को अब बड़ा ब्रेकथ्रू हासिल हुआ है। हरियाणा के फरीदाबाद में मुजम्मिल शकील गनी के ठिकाने से ऐसे सुराग मिले हैं, जो बताते हैं कि यहां एक संगठित व्हाइट-कॉलर टेरर मॉड्यूल लंबे समय से सक्रिय था।

इस मॉड्यूल में सामान्य घरों में इस्तेमाल होने वाली मशीनों को विस्फोटक तैयार करने के लिए बदला जा रहा था। सूत्रों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के पुलवामा का रहने वाला मुजम्मिल शकील गनी फरीदाबाद में रहने के दौरान एक आटा चक्की को केमिकल वर्कशॉप की तरह चला रहा था। वह दिल्ली ब्लास्ट केस में सह-आरोपी भी है। पुलिस ने यह चक्की और उससे जुड़ा इलेक्ट्रिकल सेटअप एक टैक्सी ड्राइवर के घर से बरामद किया, जहां मुजम्मिल किराये पर रहता था। आमतौर पर चक्की का इस्तेमाल अनाज पीसने के लिए होता है, लेकिन इसमें लगे स्टील रोलर और ब्लेड किसी भी सॉलिड मटेरियल को महीन पाउडर में बदल सकते हैं। जांच में सामने आया कि मुजम्मिल इसी मशीन से यूरिया -शेष पृष्ठ दो पर

2020 के दिल्ली दंगों में टेरर फंडिंग हुई थी: दिल्ली पुलिस

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 2020 के दिल्ली दंगे अचानक नहीं भड़के थे, बल्कि इन्हें पहले से पूरी योजना बनाकर कराया गया था। पुलिस की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने दावा किया कि दंगों के लिए टेरर फंडिंग की गई और प्रदर्शन को जानबूझकर हिंसक मोड़ दिया गया।

एएसजी राजू के मुताबिक, ताहिर हुसैन, शिफा-उर-रहमान, मीरन हैदर, इशरत जहां और खालिद सैफी ने दंगों के लिए बड़ी रकम जुटाई। दंगे से पहले कई मीटिंग की गईं। इनमें हिंसा बढ़ाने, चक्का जाम करने और जरूरी सेवाएं रोकने की योजना बनाई गई थी। पुलिस ने यह भी दावा किया कि बैठकों में पूर्वोत्तर राज्यों को भारत से अलग करने की भी साजिश रची गई थी। सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच कर रही थी। कोर्ट में एक वीडियो भी दिखाया गया जिसमें भीड़ हाथों में डंडे लेकर चलते दिखाई दे रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अब अगली सुनवाई सोमवार दोपहर बाद के लिए तय की है। दिल्ली पुलिस ने कहा किचक्का जाम का मकसद सिर्फ सड़क रोकना नहीं था, बल्कि जरूरी सेवाएं रोककर दिल्ली को ठप करना था। 13 और 15 दिसम्बर 2019 की घटनाओं में 45 पुलिसकर्मी, 100 से ज्यादा नागरिक घायल हुए और कई बसें और सरकारी संपत्तियां जलाई गईं। ताहिर हुसैन, शिफा-उर-रहमान, इशरत जहां, खालिद सैफी और मीरन हैदर ने दंगों के लिए कुल करोड़ों की फंडिंग की। ताहिर हुसैन ने 1.30 करोड़ रुपये, शिफा-उर-- शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट में कहा: दंगे से पहले कई मीटिंग हुईं, पूर्वोत्तर राज्यों को भारत से अलग करने की थी साजिश

कोर्ट बोला- दिल्ली पुलिस दस्तावेज और रिकॉर्ड पेश करे, अब मामले की सुनवाई सोमवार को होगी

एक-एक घुसपैठिए को चुन- चुन कर बाहर निकालेंगे: शाह

भुज। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को गुजरात के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 61वें स्थापना दिवस (रेजिंग डे) समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे। यहां बीएसएफ के जवानों को संबोधित करते हुए शाह ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उनके योगदान की तारीफ की। साथ ही नागरिकों को 12 राज्यों में मतदाता सूची में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी संदेश दिया।

एसआईआर के खिलाफ याचिका, ईसी जवाब तलब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर के खिलाफ दायर केरल सरकार की याचिका पर चुनाव आयोग (ईसी) से जवाब मांगा है। केरल और अन्य की याचिकाओं में केरल में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई 26 नवम्बर तय की है।

केरल में दिसम्बर के दूसरे सप्ताह में स्थानीय निकाय चुनाव होने वाले हैं। इसलिए राज्य सरकार ने वोटर लिस्ट के एसआईआर को स्थगित करने की मांग वाली याचिका दायर की थी। याचिका में केरल सरकार ने कहा था कि कर्मचारियों की कमी के कारण चुनाव के साथ एसआईआर करवाने से दिक्कतें बढ़ रही हैं। जब संवैधानिक चुनाव चल रहे हों, तो बेकार में जल्दबाजी करके सत्यापन की गुणवत्ता को कम करना, मताधिकार के लोकतांत्रिक अधिकार के खिलाफ है। दरअसल केरल में लोकल बॉडी इलेक्शन 21 दिसम्बर तक पूरे किए जाने हैं। राज्य सरकार का कहना है कि इस लेवल पर एसआईआर को पूरा करने की कोई जरूरत नहीं, खासकर तब जब विधानसभा चुनाव मई 2026 तक होने हैं।

- **सुप्रीम कोर्ट में केरल सरकार ने प्रक्रिया रोकने की मांग की, तमिलनाडु और बंगाल भी अर्जी लगा चुके**

गुजरात में बीएलओ ने किया सुसाइड, एक की हार्ट अटैक से मौत

अहमदाबाद। गिर सोमनाथ जिले के कोडिनार तालुका के छारा गांव में कार्यरत शिक्षक और बीएलओ अरविंद मूलजी वढेर ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने अपने पैतृक गांव देवली में तनाव और काम के दबाव के कारण यह कदम उठाया। अरविंद ने मरने से पहले अपनी पत्नी के नाम सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उसने बताया है कि काम के दबाव से थक गया है। वहीं, खेड़ा जिले में बीएलओ के तौर पर काम कर रहे एक स्कूल टीचर की हार्टअटैक से मौत हो गई। परिवार ने मौत का कारण वोटर रोल के चल रहे एसआईआर से जुड़े बहुत ज्यादा काम का दबाव बताया है। बीएलओ रमेशभाई परमार के भाई नरेंद्र परमार ने बताया कि सोते समय उनकी हार्ट अटैक से मौत हो गई।

मेक्सिको की फातिमा बोश बनीं मिस यूनिवर्स

नई दिल्ली। मेक्सिको की फातिमा बोश फर्नांडीज ने मिस यूनिवर्स 2025 का खिताब हासिल कर लिया है। फातिमा बोश 25 साल की हैं। भारत की तरफ से गईं मणिका विश्वकर्मा टॉप-30 में पहुंचीं, लेकिन टॉप-12 में जगह नहीं बना सकीं।

4 राउंड के बाद टॉप-5 में थाइलैंड की प्रवीनार सिंह, फिलीपींस की आतिसा मनालो, वेनेजुएला की स्टेफनी अबसाली, मेक्सिको की फातिमा बोश फर्नांडीज और आइवरी कोस्ट की ओलिविया यासे ने जगह बनाई थी। इसके बाद मेक्सिको की फातिमा बोश को विनर घोषित किया गया। फातिमा बोश को मिस यूनिवर्स 2024 विक्टोरिया थेलविंग ने क्राउन पहनाया। मिस यूनिवर्स 2025 में थाइलैंड की कंटेस्टेंट प्रवीनार सिंह ने दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि वेनेजुएला की स्टेफनी अबसाली तीसरे नंबर पर रहीं। फिलीपींस की आतिसा मनालो चौथे और आइवरी कोस्ट की ओलिविया यासे पांचवें स्थान पर रहीं। मिस यूनिवर्स की फर्स्ट रनर-अप थाइलैंड की प्रवीनार सिंह बनीं। वे भारतीय मूल की हैं। सेकेंड रनर-अप वेनेजुएला की स्टेफनी अबसाली रहीं। बचपन में डिस्लेक्सिया की वजह से स्कूल में बुली होती थीं। एक इंटरव्यू में फातिमा बोश फर्नांडीज ने बताया कि उनका बचपन बहुत मुश्किल में गुजरा। वह बचपन में डिस्लेक्सिया और एडीएचडी से जूझ रही थीं, जिसकी वजह से उन्हें पढ़ने-लिखने में परेशानी होती थी। उन्हें पढ़ाई के लिए स्पेशल अटेंशन की जरूरत थी, लेकिन उन्हें स्कूल में बुलिंग का सामना करना पड़ा। टॉप-5 कंटेस्टेंट्स के बीच क्वेश्चन-आंसर राउंड हुआ। इसमें मेक्सिको की फातिमा बोश से पूछा गया कि आपके नजरिए से साल 2025 में एक महिला होने की क्या चुनौतियां हैं और दुनियाभर की महिलाओं के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाने के लिए आप मिस यूनिवर्स के खिताब का उपयोग कैसे करेंगी? जवाब में फातिमा बोश ने कहा एक महिला और मिस यूनिवर्स के रूप में, मैं अपनी आवाज और अपनी शक्ति को दूसरों की सेवा में लगाऊंगी।

बेवकूफ कहे जाने पर सेरेमनी छोड़ी थी, भारत की मणिका विश्वकर्मा टॉप-30 तक ही पहुंच सकीं

दुकान दे दोगे, पर ग्राहक कैसे दोगे: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वाराणसी के दालमंडी इलाके में चौड़ीकरण के नाम पर चल रही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को भाजपा का 'पोलिटिकल डिमोलेशन' करार दिया है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि जब लोग तैयार ही नहीं हैं, तो उनकी दुकानें कैसे छीन सकते हैं, दुकान दे दोगे, मगर ग्राहक कैसे दोगे, दालमंडी एक दिन में नहीं बनी। एक दुकान जमाने में जमाना लग जाता है। अखिलेश ने शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि भाजपा की नीतियों ने प्रदेश में ऐसा माहौल बना दिया है कि लोग खुलकर कारोबार तक नहीं कर पा रहे।

इनकी नीति है कि लोगों को इतना डरा दो कि वो अपनी बात न कह सकें। क्या कोई सरकार ऐसा करती है- हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है। उन्होंने वाराणसी के ऐतिहासिक बाजार दालमंडी में प्रस्तावित चौड़ीकरण को 'संकीर्ण सोच' और 'राजनी. तिक साजिश' करार दिया। उन्होंने कहा कि दालमंडी सिर्फ मार्केट नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और विरासत मूल्य वाली जगह है, जहां पीढ़ियों से व्यापार चल रहा है। सपा नेता ने कहा कि भाजपा जिस योजना पर काम कर रही है वह हेरिटेज संरक्षण नहीं बल्कि राजनीतिक बदले की भावना का नतीजा है। भाजपा वहां से लगातार हारती आई है, इसलिए यह कार्रवाई हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अधिकारियों के जरिए कारोबारियों पर दबाव बना रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि महराजगंज में जिस तरह से डिमॉलिशन हुआ, समय आने पर उसकी वसूली अधिकारियों से कराई जाएगी।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

आतंकी डाक्टर...

और अन्य केमिकल को पीसकर धमाका तैयार करने वाली सामग्री बना रहा था। बताया जा रहा है कि धमाके से ठीक एक दिन पहले, 9 नवम्बर को, जांच एजेंसियों ने फरीदाबाद के कमरे से 360 किलो अमोनियम नाइट्रेट और अन्य विस्फोटक सामग्री कब्जे में ली थी। इसके अलावा फरीदाबाद के धौज गांव और आसपास के ठिकानों से लगभग 3,000 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया गया है।

यह साफ संकेत देता है कि मॉड्यूल किसी बहुत बड़े ऑपरेशन की तैयारी में था। खुलासा यह भी हुआ कि विस्फोटक सामग्री का बड़ा हिस्सा एक मौलवी के गुप्त घर में छुपाया गया था, जहां मुजम्मिल ने सिर्फ 1,500 रुपये प्रति माह पर कमरा ले रखा था। एजेंसियों का मानना है कि यही ठिकाना पूरे नेटवर्क का केंद्रीय बिंदु था। मुजम्मिल शकील पेशे से डाक्टर था और फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से संबद्ध था। जांच एजेंसियों को यहां से उसके कटर नेटवर्क और भर्तियों की कहानी जुड़ती नजर आई। जानकारी के अनुसार, उसने कोविड-19 महामारी के बाद यहां जाइन किया था। इसी दौरान डा. उमर उन नबी नाम का एक और इंटर्न भी उसके साथ जुड़ा और वही बाद में प20 कार में विस्फोट करने वाला सुसाइड बॉम्बर बना। एजेंसियां मान रही हैं कि लालकिला कार ब्लास्ट कोई फौरी घटना नहीं, बल्कि कम से कम दो साल की तैयारी का नतीजा था। आटा चक्की से बम तैयार करना, सस्ते किराये के कमरे में हजारों किलो केमिकल स्टाक करना और यूनिवर्सिटी कैंपस से नेटवर्क तैयार करना, ये सभी एक सुविचारित प्लानिंग के संकेत हैं। सुरक्षा एजेंसियां इसे व्हाइट-कॉलर टेरर की एक खतरनाक नई शक्ल मान रही हैं, जहां डाक्टर जैसे उच्च-शिक्षित प्रोफेशनल अपने पेशेवर ज्ञान का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों में कर रहे हैं।

2020 के... रहमान ने 8.90 लाख रुपये और मीरन हैदर ने 2.86 लाख रुपये खर्च किए, साथ ही 4.82 लाख जुटाए। कई प्रदर्शनकारी शुरू से ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहते थे, लेकिन पुलिस के अनुसार मुख्य समूह के लोग हिंसा पर अड़े हुए थे। यह बात व्हाट्सएप चैट्स में भी साफ दिखाई देती है, जहां कुछ लोग शांति की बात कर रहे थे, लेकिन नेतृत्व करने वाले लोग लगातार हिंसक विरोध की मांग करते रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब मामले की सुनवाई सोमवार दोपहर बाद होगी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई में सबसे पहले प्रोटेक्टेड गवाहों की गवाही सुनी जाएगी। जजों ने कहा कि पुलिस जिन दस्तावेजों और चैट्स का हवाला दे रही है, उन्हें पहले रिकॉर्ड पर रखा जाए, ताकि कोर्ट उन्हें देखकर आगे सुनवाई आगे बढ़ा सके। बेंच ने कहा कि जमानत पर कोई फैसला लेने से पहले सभी आरोपियों की भूमिका, पुलिस की दलीलें और पेश किए गए दस्तावेजों को विस्तार से देखा जाएगा। कोर्ट ने 20,000 पेज की चार्जशीट और नए दाखिल दस्तावेजों पर भी स्पष्टता मांगी है।

कार्यालय परियोजना प्रबन्धक निर्माण एंव अनुरक्षण इकाई (गंगा) उत्तराखण्ड पेयजल निगम, बड़कोट- 249141

Gmail: pmgangabarkot@gmail.com

Office Of Project Manager, Construction & Maintenance Unit (Ganga) Uttarakhand Peyjal Nigam, Barkot-249141

पत्रांक : 486 /कार्य-08 दिनांक : 21/11/2025

// अल्पकालीन निविदा सूचना //

प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम की ओर से विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यो हेतु मुहर बन्द निविदायें दिनांक 16/12/2025 को अपरान्ह 3.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन अपरान्ह 4.00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख अधोहस्ताक्षरी/नामित प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी। निविदा शाखा कार्यालय से दिनांक 15/12/2025 को 5.00 बजे तक क्रय की जा सकती है। निविदा प्रपत्र डाक से मांगने पर निविदा प्रपत्र मूल्य एवं डाक व्यय अतिरिक्त रू0 200.00 (दो सौ) मात्र का डिमान्ड ड्राफ्ट भेजकर जो परियोजना प्रबन्धक, निर्माण एंव अनुरक्षण इकाई (गंगा),बड़कोट, के पदनाम से पेबिल एट उत्तरकाशी हो के साथ निर्धारित तिथि तक भेजकर प्राप्त कर सकते हैं। विलम्ब से डाक प्राप्त होने पर विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

क्र0 सं0.	योजना का नाम	निविदा का मूल्य बिक्रीकर सहित	निविदा की तिथि	कार्य की अवधि माह	धरोहर धनराशि	न्यूनत्तम पंजीकरण श्रेणी
1	मलपा दोणी पेयजल योजना	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
2	नौगांव के ग्राम गढ़ के छिलोरा नाम तोक अनु0सू0 बस्ती में पेयजल योजना का निर्माण कार्य	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
3	पुरोला के गुंदियाटगांव पेयजल योजना	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
4	वि0ख0 पुरोला उपला देवडुंग पेयजल लाईन निर्माण	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
5	मोरी ग्राम खन्यासणी बगन्ना तोक पेयजल योजना	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
6	मोरी के किरोली तप्पड़ पयेजल निर्माण	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
7	मोरी के कलाप पेयजल लाईन का मरम्मत कार्य	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
8	मोरी के पासा के साड़ा में पेयजल योजना का निर्माण	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
9	मोरी के फिताडी में पेयजल लाईन का मरम्मत कार्य	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
10	मोरी के ग्राम पंचायत दणगांव के प्रगति नगर में आवसीय बस्ती में पेयजल योजना	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
11	लुदराला के बांडी तोक में पेयजल योजना का मरम्मत कार्य	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
12	विकास खण्ड मोरी के लुदराला में पेयजल योजना का मरम्मत कार्य	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
13	वि0ख0 मोरी के सौड के हजरा बस्ती में पेयजल योजना निर्माण कार्य	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
14	वि0ख0 मोरी के चीवा के मालमत पेयजल का मरम्मत कार्य	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
15	वि0ख0 मोरी के हल्टाही में पिसाई चौरा से हल्टाडी गांव तक पेयजल लाईन मरम्मत कार्य	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
16	नौगांव के थली के साड़ा में पेयजल योजना का मरम्मत कार्य	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
17	वि0ख0 नौगांव के मजियाली से विन्डाई गाड तक पेयजल योजना	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
18	वि0ख0 नौगांव के हिमरोल में गोसला बस्ती पेयजल योजना	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
19	नौगांव में ग्राम काण्डा में क्षतिग्रस्त पेयजल योजना निर्माण	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
20	इंडेली तोक पेयजल योजना	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
21	ढाली गांव पेयजल योजना	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी
22	विकास खण्ड पुरोला के सर पेयजल योजना मरम्मत कार्य	500.00 +18%GST	16.12.2025	02 माह	5200.00	डी श्रेणी

नोटः- धरोहर धनराशि परियोजना प्रबन्धक, निर्माण एंव अनुरक्षण इकाई(गंगा),बड़कोट, के पदनाम से बन्धक करते हुये राष्ट्रीय बचत पत्र पो0ओ0 सेविंग बैंक, किसान विकास पत्र, एफ.डी. जनपद उत्तरकाशी से निर्गत/मान्य होगी।

शेष शर्तें कार्यालय में अथवा निविदा प्रपत्र के साथ देखी जा सकती है।

(मानविरेन्द्र सिंह कफोला)
परियोजना प्रबन्धक

कार्यालय परियोजना प्रबन्धक निर्माण एंव अनुरक्षण इकाई (गंगा) उत्तराखण्ड पेयजल निगम, बड़कोट- 249141

Gmail: pmgangabarkot@gmail.com

Office Of Project Manager, Construction & Maintenance Unit (Ganga) Uttarakhand Peyjal Nigam, Barkot-249141

पत्रांक : 484 /कार्य-08 दिनांक : 20/11/2025

// अल्पकालीन निविदा सूचना //

प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम की ओर से विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यो हेतु मुहर बन्द निविदायें दिनांक 13/12/2025 को अपरान्ह 3.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन अपरान्ह 4.00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख अधोहस्ताक्षरी/नामित प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी। निविदा शाखा कार्यालय से दिनांक 12/12/2025 को 5.00 बजे तक क्रय की जा सकती है। निविदा प्रपत्र डाक से मांगने पर निविदा प्रपत्र मूल्य एवं डाक व्यय अतिरिक्त रू0 200.00 (दो सौ) मात्र का डिमान्ड ड्राफ्ट भेजकर जो परियोजना प्रबन्धक, निर्माण एंव अनुरक्षण इकाई (गंगा),बड़कोट, के पदनाम से पेबिल एट उत्तरकाशी हो के साथ निर्धारित तिथि तक भेजकर प्राप्त कर सकते हैं। विलम्ब से डाक प्राप्त होने पर विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

क्र0 सं0.	योजना का नाम	निविदा का मूल्य बिक्रीकर सहित	निविदा की तिथि	कार्य की अवधि माह	धरोहर धनराशि	न्यूनत्तम पंजीकरण श्रेणी
1	विकास खण्ड मोरी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत नानई में हिसरा पेयजल योजना का निर्माण।	1500.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	20000.00	डी श्रेणी
2	केसारी मुराडी पेयजल योजना का कार्य	1000.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	14000.00	डी श्रेणी
3	स्यौरी पेयजल योजना का कार्य	1000.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	14000.00	डी श्रेणी
4	बिसनूचौरा से मात्रियों थातरा तक पेयजल का कार्य	1500.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	20000.00	डी श्रेणी
5	मईडांडा (गैर) पेयजल योजना	1000.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	14000.00	डी श्रेणी
6	पन्ना हैसियारी तोक ठोलिंका में पेयजल कार्य	1000.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	14000.00	डी श्रेणी
7	गिलानी पेयजल योजना का कार्य	1000.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	14000.00	डी श्रेणी
8	अंजेली पेयजल योजना	1000.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	14000.00	डी श्रेणी
9	सोगी पेयजल योजना	1000.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	14000.00	डी श्रेणी
10	लिग्यूणिया पेयजल मरम्मत कार्य	1000.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	14000.00	डी श्रेणी
11	मल्लपा पेयजल मरम्मत कार्य	1000.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	14000.00	डी श्रेणी
12	बेरबा पेयजल मरम्मत कार्य	1000.00 +18%GST	13.12.2025	03 माह	14000.00	डी श्रेणी

नोटः- धरोहर धनराशि परियोजना प्रबन्धक, निर्माण एंव अनुरक्षण इकाई(गंगा),बड़कोट, के पदनाम से बन्धक करते हुये राष्ट्रीय बचत पत्र पो0ओ0 सेविंग बैंक, किसान विकास पत्र, एफ.डी. जनपद उत्तरकाशी से निर्गत/मान्य होगी।

शेष शर्तें कार्यालय में अथवा निविदा प्रपत्र के साथ देखी जा सकती है।

(मानविरेन्द्र सिंह कफोला)
परियोजना प्रबन्धक

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग, बेरीनाग

निविदा सूचना

निविदा सूचना सं0 1820/3A दिनांक 21/11/2025

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से पजीकृत ठेकेदारों से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो की मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र व अन्य विवरण दिनांक 25.11.2025 से 09.12.2025 तक किसी भी कार्य दिवस (अवकाश दिवस को छोड़कर) में उसके सम्मुख इंगित किसी भी कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते है। निविदा दिनांक 10.12.2025 को 1:00 बजे तक स्तम्भ-8 में अंकित कार्यालय में डाली जायेगी।

निविदा के साथ वांछित धरोहर धनराशि एन0एस0सी0 अथवा डाकघर, बचत पासबुक राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ0डी0 के रूप में जो अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0,बेरीनाग के पद नाम से बन्धक हो लगाना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त निविदा प्रपत्र के साथ रू0 100.00 (रू0 एक सौ मात्र) का नान जूडिशियल स्टाम्प पेपर पर रू0 1.00 का रसीदी टिकट लगाकर वैधता की शर्त के साथ ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षर कर संलग्न करना अनिवार्य है।

क0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि रू0	निविदा फार्म का मूल्य रू0	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी	निविदा बेचने एवं प्राप्त करने वाले कार्यालय का नाम
1	2	3	4	5	6	7	8
1	दैवीय आपदा (एस0आर0एम0डी0) मद वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ के विधान सभा क्षेत्र गंगोलीहाट के अन्तर्गत अल्मोड़ा- बेरीनाग-अस्कोट (राज्य मार्ग सं0-03)(उडियारी बैण्ड से थल प्रभाग) के किमी0 115.00 में क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार का पुनःनिर्माण कार्य। (स्वीकृति की प्रत्याशा में)	25000.00	1000.00 + G.S.T 18%	30 दिन	01 माह	श्रेणी डी एवं उच्चतर (मार्ग निर्माण कार्य)	1-अधीक्षण अभियन्ता तृतीय वृत्त लो0नि0वि0 पिथौरागढ। 2-अधिशासी अभियन्ता प्रा0ख0 खण्ड लो0नि0वि0 पिथौरागढ। 3-अधिशासी अभियन्ता अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0 बेरीनाग।
2	दैवीय आपदा (एस0आर0एम0डी0) मद वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत पाखूँ- कोटगाड़ी -चौसाला मोटर मार्ग के किमी0 01 हे0मी0 02 से 4.00 के मध्य क्षतिग्रस्त स्कपर के पुनः निर्माण कार्य। (स्वीकृति की प्रत्याशा में)	24000.00	1000.00 + G.S.T 18%	30 दिन	01 माह	-तदैव-	---तदैव---
3	दैवीय आपदा (एस0आर0एम0डी0) मद वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत मोटर मार्ग सानीखेत -छलौड़ी मोटर मार्ग के किमी0 02,03 व 04 में क्षतिग्रस्त स्कपर एवं दीवार व क्षतिग्रस्त कॉजवे का पुनः निर्माण कार्य (आंशिक भाग) (स्वीकृति की प्रत्याशा में)	25000.00	1500.00 + G.S.T 18%	30 दिन	01 माह	-तदैव-	---तदैव---
4	दैवीय आपदा (एस0आर0एम0डी0) मद वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत डंगोली- सैलानी- दाडिमखेत- धरमघर- कोटमन्या -पाखूँ-थल- सातशिलिंग मोटर मार्ग (एस0एच0-60) के किमी0 119 में क्षतिग्रस्त स्कपर एवं दीवार व किमी0 120 में क्षतिग्रस्त कॉवजे का पुनः निर्माण कार्य। (आंशिक भाग) (स्वीकृति की प्रत्याशा में)	15000.00	500.00 + G.S.T 18%	30 दिन	01 माह	-तदैव-	---तदैव---
5	एस0आर0एम0डी0(बाढ़ एवं भू-स्खलन मद) वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत गणाई-बनकोट- सप्तेश्वर मोटर मार्ग के किमी0 04, 13 एवं 16 में क्षतिग्रस्त दीवारों का पुनः निर्माण कार्य। (आंशिक भाग) (स्वीकृति की प्रत्याशा में)	35000.00	1500.00 + G.S.T 18%	30 दिन	01 माह	-तदैव-	---तदैव-

निविदा दिनांक 10.12.2025 को अपरान्ह 4:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के रागक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगीं। अन्य शर्ते निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकेगी।

किसी भी निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पारा सुरक्षित होगा।

(इं0एम0के0भट्ट)
अधिशासी अभियन्ता
अस्थाई खण्डलो0नि0वि0, बेरीनाग

मुख्यमंत्री धामी ने प्रदेशवासियों को दी बड़ी राहत

उत्तराखंड में एक वर्ष तक नहीं बढ़ेगी वाहन फिटनेस फीस

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर राज्य सरकार ने उत्तराखंड के वाहन स्वामियों को महत्वपूर्ण राहत प्रदान करते हुए पुराने (15 वर्ष) कमर्शियल वाहनों की फिटनेस फीस में वृद्धि को आगामी 21 नवम्बर 2026 तक स्थगित कर दिया है। इस संबंध में परिवहन विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना सचिव परिवहन श्री बृजेश कुमार संत द्वारा जारी की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में 15 वर्ष पुराने कमर्शियल वाहनों की फिटनेस फीस में 10 गुना तक की वृद्धि की गई थी। प्रदेश की जनभावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है कि उत्तराखंड के वाहन स्वामियों पर इसका तात्कालिक बोझ नहीं डाला जाएगा।

■ 15 वर्ष पुराने कमर्शियल वाहनों की नई फिटनेस फीस दरें, 21 नवम्बर 2026 तक लागू नहीं होंगी, इस अवधि में पहले से निर्धारित पुरानी फीस ही लागू रहेगी, शुल्क वृद्धि को लेकर उत्पन्न आर्थिक बोझ से राज्य के वाहन स्वामियों को राहत मिलेगी, भविष्य में फीस दरें भारत सरकार द्वारा किए जाने वाले आगामी पुनरीक्षण के अनुसार ही लागू की जाएंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार आमजन के हितों को सर्वोपरि रखते हुए ऐसे निर्णय ले रही है, जिनसे जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा जनता-जनार्दन की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करती रहेगी।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि " 'हमारी सरकार का संकल्प जनता को राहत देना और जनहित में त्वरित निर्णय लेना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा कमर्शियल वाहनों की फिटनेस फीस में की गई वृद्धि को देखते हुए हमने इसे उत्तराखंड में एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया है। इस अवधि में पूर्व निर्धारित फीस ही लागू रहेगी। हम नहीं चाहते कि प्रदेश के वाहन स्वामियों और परिवहन कारोबार से जुड़े लोगों पर अचानक अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़े। आने वाले समय में केंद्र सरकार द्वारा किये जाने वाले पुनरीक्षण के अनुसार ही राज्य में नई दरें लागू की जाएंगी।"'

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि " 'हमारी सरकार जनता के लिए संवेदनशील है। गरीब, मध्यम वर्ग, टैक्सी व ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े हजारों लोगों का हित सुरक्षित रखना हमारी प्राथमिकता है। जनहित के निर्णयों में हम किसी भी प्रकार की देरी नहीं होने देंगे।"'

सिल्वर एलीफेंट अवार्ड' से सम्मानित होंगे कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भारत स्काउट एंड गाइड उत्तराखंड के प्रादेशिक अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री व डॉ. धन सिंह रावत को स्काउट एंड गाइड आंदोलन में उनके उत्कृष्ट योगदान और नेतृत्व के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'सिल्वर एलीफेंट अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार आगामी 26 नवम्बर को उत्तर प्रदेश राजभवन, लखनऊ में आयोजित भव्य समारोह में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा उन्हें प्रदान किया जाएगा।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा दिया जाने वाला 'सिल्वर एलीफेंट अवार्ड' देश में स्काउट एंड गाइड आंदोलन का सबसे बड़ा सम्मान है। यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने संगठन के विस्तार, चरित्र निर्माण तथा राष्ट्र निर्माण के लिये विशेष योगदान दिया हो। डॉ. रावत को यह प्रतिष्ठित सम्मान उत्तराखण्ड में स्काउट-गाइड आंदोलन को मजबूत बनाने, इसे व्यापक स्तर पर लागू करने तथा युवाओं में अनुशासन, एकता और देशभक्ति का भाव विकसित करने के उद्देश्य से किये गये उनके प्रयासों के लिये दिया जा रहा है। अपने कार्यकाल में डॉ. रावत ने प्रदेश के सभी निजी एवं राजकीय शिक्षण संस्थानों में स्काउट एंड गाइड गतिविधियों को अनिवार्य रूप से लागू करने, साथ ही सभी शिक्षण संस्थानों में इसकी इकाइयां स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये। उन्होंने स्काउट्स एंड गाइड्स की संख्या को बढ़ाकर दो लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए संगठन के विस्तार को नई दिशा दी।

■ भारत स्काउट्स एंड गाइड का सबसे बड़ा सम्मान है 'सिल्वर एलीफेंट अवार्ड', आगामी 26 नवम्बर को उत्तर प्रदेश राजभवन में दिया जायेगा सम्मान

इसके अतिरिक्त डॉ. रावत ने स्काउट एंड गाइड के माध्यम से साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, राज्य में विभिन्न सामाजिक सरोकार पर आधारित अभियानों के संचालन तथा युवाओं को जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करने में विशेष पहल की।सिल्वर एलीफेंट अवार्ड के लिए चुने जाने पर डॉ. रावत ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के प्रति आभार जताया।

सरकार की वन्य जीवों से पीड़ित परिवारों से सहानुभूतिः भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि सरकार की पूरी सहानुभूति वन्य जीवों के हमलों से पीड़ितों के प्रति है और आम जन की सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

भट्ट ने कहा कि कुछ दुखद घटनाएं एक माह के भीतर राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों मे सामने आयी, लेकिन सरकार इस पर संवेदनशील है। वन विभाग को कड़े निर्देश दिये गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों मे गश्त और पिंजरा लगाने के लिए भी कहा गया है ।

ऐसे स्थानों को चिंहित कर ग्रामीणों के सहयोग से वन विभाग कारवाई भी कर रहा है।

भट्ट ने कहा कि ग्रामीणों मे आक्रोश स्वाभाविक अभिव्यक्ति है, लेकिन सरकार इस पर सतर्क और संवेदनशील है। भट्ट ने कहा कि उन्होंने खुद अधिकारियों से इस बारे मे वार्ता की है। वन विभाग ने पिंजरे लगाकर गश्त शुरू की है। वहीं नरभक्षी गुलदार को शूट करने की कारवाई के लिए भी कहा गया है। जिन क्षेत्रों मे बाघ या भालू सक्रिय हैं वहाँ पर कार्यवाही की जायेगी।

उन्होंने लोगों से संयम बरतने की अपील करते हुए वन्य कर्मियों के सहयोग मे भागीदार बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा साफ है। हालांकि वन्य जीवों के हमलों मे अनहोनी पर पीड़ितों को मुआवजा राशि मे वृद्धि हुई है और तत्काल राहत उपलबद्ध करायी जा रही है। किसी का जीवन संकट मे न आये इसके लिए हर कोशिश की जायेगी।

■ हर कदम उठायेगी सरकार ,आम जन की सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध

भट्ट ने कांग्रेस को भी नसीहत दी कि यह समय पीड़ितों के साथ सहारा बनकर खड़ा होने का है। इसे राजनीतिक मुद्दा बनाये जाने से परहेज किया जाना चाहिए। वन्य जीवों के हमले से निजात को वह शीघ्र ही वह वन महकमे के अधिकारियों से मजबूत कार्य योजना के बारे मे वार्ता करेंगे।

23 नवंबर को होगा एनएचएम संविदा कर्मचारी संगठन का राज्य अधिवेशन

देहरादून। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संगठन उत्तराखंड का प्रदेश अधिवेशन 23 नवम्बर 2025 को ऋषिकुल आयुर्वेदिक महाविद्यालय हरिद्वार में किया जाएगा। इस अधिवेशन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारियों की समस्याओं तथा स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के नीति निर्धारण पर चर्चा की जाएगी। प्रदेश के माननीय स्वास्थ्य मंत्री एवं राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुसरण परिषद के उपाध्यक्ष बतौर अतिथि सम्मिलित होंगे।संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील भंडारी ने बताया कि अधिवेशन का आयोजन ऋषिकुल आयुर्वैदिक महाविद्यालय हरिद्वार के सभागार में किया जाएगा। एनएचएम कर्मचारियों से अपील की है कि कोई अधिक से अधिक संख्या में 23 नवंबर को हरिद्वार पहुंचे।

भालू-बाघ के आतंक पर फूटा कांग्रेसियों का गुस्सा

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों में भालू और बाघ के बढ़ते हमलों से लोगों का जनजीवन दहशत में है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में शुक्रवार को कांग्रेसजनों ने मुख्य वन संरक्षक कार्यालय का घेराव कर वन विभाग की लापरवाही के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि तत्काल प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो यह आंदोलन और व्यापक रूप लेगा।गोदियाल ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में भालू और बाघ इंसानों और पालतू पशुओं पर बर्बर हमले कर रहे हैं। अकेले पौड़ी और चमोली जैसे जिलों में सैकड़ों मवेशी मारे गए और कई निर्दोष लोग जान गंवा चुके हैं। ग्रामीण महिलाएँ, किसान, मजदूर सभी असुरक्षा और भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग की ढिलाई और कमजोर निगरानी ने स्थिति को भयावह बना दिया है, जिससे पहाड़ों से पलायन का खतरा और बढ़ रहा है।

■ मुख्य वन संरक्षक कार्यालय का किया घेराव, ज्ञापन सौंपा वन विभाग की लापरवाही से जा रही लोगों की जानः गोदियाल

कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में वन विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की और कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में भालू-बाघ की ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए। रात्रि गश्त, ट्रैंक्विलाइजर टीम और रेस्क्यू यूनिट तैनात हों। पीड़ित परिवारों को तत्काल मुआवजा एवं इलाज दिया जाए। गाँवों में जागरूकता, प्रशिक्षण कार्यक्रम और सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाए। आवश्यक स्थानों पर बाड़बंदी और चेतावनी संकेत लगाए जाएँ। मानव-वन्य जीव संघर्ष रोकने के लिए तात्कालिक और दीर्घकालिक योजना तैयार की जाए।गोदियाल ने कहा कि यह सिर्फ वन्यजीव संघर्ष नहीं, बल्कि ग्रामीणों के अस्तित्व का सवाल बन चुका है। सरकार अब भी नहीं जागी तो हालात और विकराल होंगे।कार्यक्रम में पूर्व मंत्री हीरा सिंह बिष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना, कोषाध्यक्ष आर्येन्द्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र सिंह भण्डारी, राजेन्द्र शाह, पूर्व विधायक राज. कुमार, महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला, महेन्द्र सिंह नेगी, विरेन्द्र पोखरियाल, महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविन्दर सिंह गोगी, जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल, लालचन्द शर्मा, प्रभुलाल बहुगुणा, सुरेन्द्र सिंह रांगड़, संजय शर्मा, उपेन्द्र थापली, अश्विनी बहुगुणा, डॉ. प्रतिमा सिंह, राजेश चमोली, शीषपाल बिष्ट, ओम प्रकाश सती बब्बन, संजय कनौजिया, पंकज क्षेत्री, सोनिया आनन्द, जिलाध्यक्ष सुरेश डिमरी, सुलेमान अली, मोहन सिंह खत्री, जगदीश धीमान, पार्षद रॉबिन त्यागी, ऐतात खान, इलियास अंसारी, सागर मनवाल, मनीष नागपाल, आदि मौजूद रहे।

दून में अवैध रूप से रह रहा बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर चलाये जा रहे ऑपरेशन कॉलनेमी अभियान के तहत नेहरूकॉलोनी पुलिस और एल0आई0यू0 अवैध रूप से बार्डर क्रास कर भारत में आकर रह रहे एक बांग्लादेशी पुरूष के नेहरुकोलोनी क्षेत्र में एक महिला के साथ रहने की सूचना दोनों को गिरफ्तार किया गया।

शुक्रवार को अपने कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताएं कि एल ई ओ और नेहरू कॉलोनी पुलिस को मिली सूचना के बाद पूरे मामले की गोपनीयता बनाए रखते हुए जांच की गई तो पूरे प्रकरण की जानकारी सही पाई गईस वरिष्ठ पुलिस अजय सिंह ने बताया कि जिस पर पुलिस द्वारा उक्त दोनों संदिग्ध महिला व पुरूष को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो हिरासत में लिये गये व्यक्ति ने अपना असली नाम ममून हसन पुत्र मौ०अली यासीन निवासी मूल पता आनंदोवास थाना मुजीबनगर जिला मेहरपुर बांग्लादेश व महिला द्वारा अपना नाम रीना चौहान पुत्री श्री विश्वजीत सिंह निवासी ट्यूटार पोस्ट बिरनाद तहसील त्यूणी जनपद देहरादून बताया।

■ बांग्लादेशी नागरिक के फर्जी पहचान पत्र बनवाकर पत्नी के रूप में रह रही त्यूनी निवासी महिला भी गिरफ्तार

अजय सिंह ने बताया कि दोनों से सख्ती से पूछताछ की गई तो पकड़ी गई महिला आरोपी रीना द्वारा बताया गया कि वह वर्तमान में ममून हसन के साथ अलकनंदा इन्क्लेव नेहरू कालोनी में किराये पर रह रही है व उसके द्वारा ममून हसन के भारत के फर्जी प्रमाण पत्र अपने पूर्व पति सचिन चौहान के नाम पर बनाये गये हैं तथा वर्तमान में वह ममून हसन (सचिन चौहान) के साथ पति पत्नी के रूप में रह रहे हैं। दोनों आरोपियों द्वारा षडयंत्र कर भारत के फर्जी पहचान पत्र बनवाकर अवैध रूप से भारत में निवास करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना नेहरू कॉलोनी पर अ न्त र्ग त धारा 420/467/468/471/120 बी भादवि व धारा 3 पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 व 14 विदेशी अधिनियम पंजीकृत कर गिरफ्तार किया गया है।

जिनके कब्जे से फर्जी प्रमाण/पहचान पत्र व अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किये गये हैं। फर्जी पहचान पत्र बनवाने में के दोनों आरोपियों और उनकी मदद करने वाले तथा फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वालों के संबंध में उन्हें सही सूचना प्राप्त हो गई है तथा जल्दी उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जाएगास

रीना द्वारा बताया गया कि वह त्यूणी-देहरादून की निवासी है पूर्व मे उसका विवाह त्यूणी निवासी सचिन चौहान के साथ हुआ था व दोनो अलग रहने लगे व रीना की फेसबुक पर ममून से मुलाकात हुई व ममून रीना से मिलने वीजा लेकर भारत आया व दोनो साथ में देहरादून में अलग-अलग स्थानों पर किराये पर साथ में रहे व उसके बाद दोनो बांग्लादेश गये।

जहां पर निकाह करने के उपरान्त दोनो कुछ समय बाद अवैध रूप से बार्डर क्रास करके भारत आये व देहरादून में किराये पर अलग-अलग जगह रहने लगे। रीना ने अपने कुछ परिचितों की सहायता से ममून हसन के लिये अपने पूर्व पति सचिन चौहान के नाम के फर्जी पहचान पत्र बनावाये व दोनो सचिन चौहान व रीना के नाम से पति-पत्नि की तरह साथ रहने लगे। ममून हसन देहरादून के क्लब में सचिन चौहान के नाम व पहचान पत्र से बाउंसर का काम करने लगा।

स्वीकृत परियोजनाओं को तय समय अवधि में पूरा करेंः सीएस

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त व्यय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रदेश के विकास से जुडी हुई विभिन्न परियोजनाओं पर विचार - विमर्श किया गया तथा सात परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। मुख्य सचिव ने कार्यदाई संस्थाओं को निर्देशित किया कि स्वीकृत परियोजनाओं को निर्धारित समय अवधि में पूरा किया जाए तथा उनकी बेहतर गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में यूआईडीबी के हरिद्वार के रोड़ी बेलवाला क्षेत्र का पुनरुद्धार व सती कुंड और आसपास के क्षेत्र के विकास से संबंधित प्रोजेक्ट को अनुमोदित किया गया। ऋषिकेश में आस्था पथ सौंदर्यकरण से संबंधित प्रोजेक्ट को अनुमोदित किया गया। लोक निर्माण विभाग से संबंधित राज्य योजना के अंतर्गत देहरादून के विधानसभा क्षेत्र मसूरी के अंतर्गत देहरादून - किमाडी लंबीधार - कार्ट मैकेंजी - कंपनी गार्डन मोटर मार्ग के किलोमीटर 1 से 24 (सप्लाई कैंट से लंबीधार बासागाड़ मसूरी) तक सिंगल लेन से इंटरमीडिएट लेन में परिवर्तन हेतु अतिरिक्त पहाड़ कटान क्रॉस ड्रेन एवं दीवारों के निर्माण कार्य से संबंधित प्रोजेक्ट का अनुमोदन किया गया तथा देहरादून में महाराणा प्रताप चौक से 6 नंबर पुलिया रोड तक के चौड़ीकरण का अनुमोदन किया गया।

■ मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त व्यय समिति की बैठक आयोजित

कुंभ और पेयजल विभाग से संबंधित हरिद्वार में पुलिस कमांड कंट्रोल सेंटर बिल्डिंग निर्माण तथा गृह विभाग और पेयजल विभाग से संबंधित प्रोजेक्ट हरिद्वार में अभियोजन विभाग के कार्मिकों हेतु टाइप द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ आवास के निर्माण परियोजना की स्वीकृति दी गई। बैठक में प्रमुख सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव नितेश झा, पंकज पांडेय व श्रीधर बाबू अदांकी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस नेताओं की अनर्गल बयानबाजियां वर्चस्व की लड़ाई का नतीजाः चमोली

देहरादून । भाजपा ने कांग्रेस नेताओं की कारतूस, जहर जैसी बयानबाजी को उनके बीच वर्चस्व की लड़ाई का नतीजा बताया है। पार्टी के वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता विनोद चमोली ने कटाक्ष किया कि समय पूर्व लिए जाने वे निर्णयों और चुनावी नियुक्तियों के बाद ऐसा ही होता है। आगे जब यह लड़ाई चरम पर पहुंचेगी तो कांग्रेस पार्टी का संभलना भी मुश्किल होगा, प्रदेशवासियों का विश्वास हासिल करना तो असंभव है। उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा इस्तेमाल की जाने वाले शब्दावलियों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। कहा, कोई किसी को फ्यूज्ड कारतूस बताता है, कोई कारतूस के खोखों से भी काम लेने का दावा करता है, कोई कार्यकर्ताओं से जहर निकलने और कोई राजनीतिक ब्लैकमेलरों से बचने की बात कहता है।

एमडीडीए का अवैध निर्माणों व प्लॉटिंग पर बड़ी एक्शन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने राजधानी देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में तेजी से फैल रही अवैध प्लॉटिंग और अनधिकृत निर्माण गतिविधियों पर निर्णायक कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुवार को प्राधिकरण की टीमों ने कई स्थानों पर अभियान चलाकर अवैध निर्माणों पर सील लगाई, प्लॉटिंग स्थलों पर ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू की और नियमों का उल्लंघन करने वालों को कड़ी चेतावनी दी। इस संयुक्त कार्रवाई को अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशनों में से एक माना जा रहा है, जिसमें प्राधिकरण पूरी सख्ती के साथ मैदान में उतरा। यह अभियान राजधानी में तेजी से फैल रही अवैध प्लॉटिंग और निर्माण गतिविधियों पर निर्णायक प्रहार है। आने वाले दिनों में इसी प्रकार की सख्त कार्रवाइयाँ और तेज की जाएँगी।

पहली बड़ी कार्रवाई कैनाल रोड (विकासनगर) स्थित टाइम्स वर्ल्ड स्कूल के सामने की गई, जहां श्री गुरमीत सिंह, डॉ. अमित राणा एवं अन्य भू-स्वामियों द्वारा लगभग 08 बीघा क्षेत्र में बिना किसी स्वीकृत मानचित्र के अवैध प्लॉटिंग, सड़क निर्माण और भूखंडों की मार्किंग की जा रही थी। एमडीडीए की टीम मौके पर पहुंची और अवैध रूप से तैयार की गई सीमांकन रेखाओं और अस्थाई निर्माण को ध्वस्त करते हुए पूरे क्षेत्र को सील कर दिया। प्राधिकरण द्वारा संबंधित धाराओं के तहत कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए स्पष्ट कर दिया गया कि जब तक विधिसम्मत स्वीकृति नहीं मिलती, यहां किसी भी प्रकार की प्लॉटिंग या निर्माण गतिविधि नहीं चलेगी।

■ प्राधिकरण की टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर की सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

सेलाकुई के डांडापुर-हसनपुर क्षेत्र में भी एमडीडीए ने सख्त कार्रवाई की। यहां लगभग 100 बीघा भूमि पर बड़े पैमाने पर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। टीम ने मौके पर मौजूद निर्माण सामग्री हटवाई, बनाया जा रहा सड़क मार्ग रुकवाया और अवैध सीमांकन को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण का कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर अवैध डेवलपमेंट आम नागरिकों के लिए भविष्य में गंभीर संकट पैदा करता है। इसलिए इस स्थान को "उच्च संवेदनशील श्रेणी" में रखते हुए कड़ी कार्रवाई की गई है।

ए.पी. टावर, मेन चकराता रोड, सेलाकुई में भी एमडीडीए ने बड़ा कदम उठाया है। यहां स्वीकृत मानचित्र से विचलन कर पार्किंग क्षेत्र में दो अवैध दुकानों का निर्माण किया गया था, और चौथे तल पर टिनशेड बनाकर अवैध रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। प्राधिकरण ने मौके पर पहुंचकर दोनों दुकानों को सील कर दिया और अवैध रेस्टोरेंट संचालन को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया। रानीपोखरी क्षेत्र में मनमोहन सिंह रावत द्वारा स्वीकृत मानचित्र से हटकर निर्माण के मामले में भी ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई है। प्राधिकरण ने पहले जारी किए गए कारण बताओ नोटिस को आगे बढ़ाते हुए एमडीडीए की टीम ने अवैध निर्माण हटवाया और शेष निर्माण को रोक दिया।

अवैध निर्माण या अवैध प्लॉटिंग नहीं की जाएगी किसी भी स्तर पर बर्दाश्तः तिवारी

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने इस व्यापक कार्रवाई पर कहा कि प्राधिकरण जनहित में सख्त रुख अपनाए हुए है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि अवैध निर्माण, मानचित्र विचलन या अवैध प्लॉटिंग किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तिवारी ने कहा देहरादून का योजनाबद्ध और सुरक्षित विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अवैध निर्माणों के खिलाफ अभियान आगे भी चलाया जाएगा और जहां भी जरूरत होगी, सीलिंग व ध्वस्तीकरण दोनों किए जाएंगे।

नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाईःबर्निया

सचिव मोहन सिंह बर्निया ने टिप्पणी करते हुए कहा कि नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई कॉलोनियां भविष्य में नागरिकों के लिए बड़ी समस्याएं पैदा करती हैं। इसलिए ऐसे विकास कार्यों पर रोक और कार्यवाही अनिवार्य है। उन्होंने सभी डेवलपर्स व भू-स्वामियों को चेतावनी दी कि वे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही मानचित्र स्वीकृति प्राप्त करें, अन्यथा प्राधिकरण द्वारा कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नवजात शिशु के जन्म का शुरुआती एक माह बेहद नाजुक : डॉ. रोहित

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून : हर साल 15-21 नवंबर तक न्यू-बॉर्न केयर अवेयरनेस वीक मनाया जाता है। इस मौके पर मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, देहरादून, सुरक्षित, जानकारी वाली और समय पर नवजात शिशु की देखभाल के तरीकों की अहमियत पर जोर देता है। एक हफ्ते तक चलने वाली इस पहल का मकसद माता-पिता, देखभाल करने वालों और समुदाय को जरूरी जानकारी देना है ताकि जीवन के पहले 28 दिनों के दौरान होने वाली ऐसी दिक्कतों को कम किया जा सके, जिन्हें रोका जा सकता है ख्र इसे बच्चे के विकास का सबसे नाजुक और जरूरी दौर माना जाता है।

शुरुआती दिनों में सावधानी से देखभाल की जरूरत पर जोर देते हुए, मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून, में पीडियाट्रिक्स के प्रिंसिपल कंसल्टेंट - डॉ. रोहित श्रीवास्तव, ने कहा कि , "नवजात शिशु के जन्म का समय बहुत नाजुक होता है, और सही समय पर सही देखभाल बच्चे की सेहत पर गहरा असर डालती है। जन्म के तुरंत बाद और केवल मां का दूध पिलाना, साफ-सफाई का ध्यान रखना, बच्चे को गर्म रखना और समय पर टीके लगवाना ख्र ये सभी साधारण लगने वाली बातें हैं, लेकिन संक्रमण से बचाने और स्वस्थ विकास में बहुत मदद करती हैं।"डॉ. श्रीवास्तव, ने आगे कहा, कि "माता-पिता को शुरुआती चेतावनी के संकेतों पर ध्यान देना चाहिए, जैसे कि ठीक से खाना न खाना, सांस लेने में दिक्कत, बुखार, या अजीब तरह से नींद आना। ऐसे मामलों में तुरंत मेडिकल मदद जान बचा सकती है। बच्चों की रेगुलर जांच और लगातार फॉलो-अप विजिट नए जन्मे बच्चे की सेहत को सुरक्षित रखने में जरूरी भूमिका निभाते हैं।"अवेयरनेस वीक के मौके पर, मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून, परिवारों को नए जन्मे बच्चे की देखभाल के जरूरी पहलुओं पर गाइड करने के लिए एजुकेशनल वर्कशॉप, प्रैक्टिकल डेमोंस्ट्रेशन और काउंसलिंग सेशन ऑर्गनाइज कर रहा है, जिसमें ब्रेस्टफीडिंग टेक्नीक, हाइजीन प्रैक्टिस, इम्यूनाइजेशन प्रोटोकॉल और सुरक्षित नींद की गाइडलाइन शामिल हैं।

■ मैक्स हॉस्पिटल देहरादून ने नवजात शिशुओं की सेहत और सुरक्षा पर बढ़ाई जागरूकता

अपराधियों पर लगाम कसी जाए

क्राइम बैठक में एसपी चन्द्रशेखर घोड़के ने मातहतों को किया निर्देशित

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। एसपी ने पुलिस लाइन में पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ क्राइम बैठक ली। बैठक में सर्वप्रथम जिले को नशा मुक्त करने एवं जिले में महिला, बाल एवं अन्य किसी भी प्रकार के अपराध पर पूर्ण रूप से पाबंद लगाने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए। लाइन में बैठक लेते हुए पुलिस अधीक्षक चन्द्रशेखर घोड़के ने कहा कि लम्बित विवेचनाओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किए जाएगा। बैठक में मौजूद पुलिस के अधिकारियों थाना,चौकी प्रभारियों, शाखा प्रभारियों व अन्य पुलिस कार्मिकों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जनपद में घटित अपराधों की समीक्षा करते हुए लंबित विवेचनाओं शिकायतों के मामलों में गुणवत्तापूर्ण विवेचना कर साक्ष्य के आधार पर शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिये गये। हर अपराध को गंभीरता से लेते हुए अपराधियों पर सख्त लगाम लगाने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए संदिग्धों के तलाश के लिये जनपद में घर-घर वैरिफिकेशन ड्राइव चलाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जनपद में कड़ाई से नशे के खिलाफ चेकिंग अभियान जारी रखने को कहा। एसपी ने कहा कि दिल्ली में हुए ब्लास्ट घटना के दृष्टिगत समस्त थाना प्रभारी सतर्कता के बरतने के आदेश दिए। जिले में ओवर लोडिंग, यातयात नियमों पालन सहित अब अपराधिक गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के आदेश दिए। इसके अलावा हिस्ट्रीशीटरों, गुमशुदा, अज्ञात शवों की शिनाख्त सहित कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की समस्याएं सुनी गई। बैठक में एसपी ने नवम्बर माह में बेहतरीन कार्य करने वाले 16 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर पुलिस उपाधीक्षक बागेश्वर अजय साह, पुलिस उपाधीक्षक कपकोट मनीष शर्मा, प्रभारी पुलिस लाईन व समस्त थाना, चौकी एवं शाखाओं के प्रभारी मौजूद रहे।

पिंजरे में फंसा तेंदुआ

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। द्रोणा सागर स्थित पौराणिक टीले पर वन विभाग द्वारा लगाये गये पिंजरे में आज सुबह-सुबह इलाके में घूम रहा एक तेंदुआ फंस गया, जिससे स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली है। करीब 10-15 दिन पहले टीले के आसपास तेंदुए की बढ़ती गति. विधियों को देखते हुए वन विभाग ने पिंजरे लगाए थे। मौके पर पहुंचे पार्षद अनिल कुमार ने बताया कि पिछले काफी दिनों से लोग तेंदुए की आवाजाही से भयभीत थे। वन विभाग की टीम लगातार इस क्षेत्र में गश्त कर रही थी और आज एक और सफलता हाथ लगी है। सूत्रों की मानें तो टीले में अभी भी 4 से 5 तेंद. ुओं के होने की संभावना है। वन विभाग ने इलाके की निगरानी और बढ़ा दी है, ताकि बाकी तेंदुओं को भी पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा जा सके। तेंदुए के डर से रात में लोग घरों से बाहर निकलने में भी घबराते थे, लेकिन वन विभाग द्वारा लगातार मिल रही सफलताओं से लोगों में अब सुरक्षा की भावना लौट रही है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, पकड़े गए तेंदुए को सभी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद वन क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ दिया जाएगा।

राजकीय पॉलिटेक्निक में नशा मुक्ति व काउंसलिंग सत्र आयोजित

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। राजकीय पॉलिटेक्निक में नशा मुक्ति और जागरूकता के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम और काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजकीय चिकित्सालय एलडी भट्ट से नीता पंत, स्टेट ऐड्स कंट्रोल सोसायटी के टेक्निकल एक्सपर्ट मोहम्मद जावेद ने संयुक्त रूप से छात्र-छात्राओं को संबोधन कर नशे के दुष्प्रभाव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। काउंसलर नीता पंत ने नशे के कारण मानसिक तनाव, व्यावहारिक परिवर्तन में प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को सही जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। टेक्निकल एक्सपर्ट मोहम्मद जावेद ने नशे के प्रकार, युवाओं में तेजी से बढ़ते हुए प्रसार और इससे होने वाले शारीरिक और सामाजिक प्रभाव पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने कहा नशे से निर्णय लेने की क्षमता, मानसिक स्वास्थ्य और कैरियर को गंभीर रूप से कमजोर करता है। फार्मेसी विभाग के छात्र छात्राओं ने कार्यक्रम में उत्साह से भाग लिया। अंत में प्रधानाचार्य बीपी सिंह दोनों विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए महत्वपूर्ण संदेश दिया। इस दौरान नीता पंत, काउंसलर, मोहम्मद जावेद, टेक्निकल एक्सपर्ट, प्रधानाचार्य बीपी सिंह, विभाग अध्यक्ष एचडी भट्ट, व्याख्याता प्रीति आर्या, गोकुल, कुमारी भावना, धीरज कुमार जोशी, कुमारी दिव्या, शिव कुमार और शत्रुघ्न उपस्थित रहे।

राज्य सरकार का पुतला फूंका

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिला कांग्रेस कमेटी ने नव नियुक्त जिलाध्यक्ष अर्जुन भट्ट के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने प्रदेश सरकार पर तानाशाही के आरोप मढ़े। स्थानीय एसबीआई तिराहे पर शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्र हुए। यहां हुई सभा में कार्यकर्ताओं ने कहा कि संविधान ने देश के नागरिकों को अपने अधिकारों की लड़ाई गांधीवादी विचार धाराओं के साथ लड़ने की आजादी दी है। जिसके क्रम में देश के प्रत्येक वर्ग के लोगों को शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन करने के अधिकार है। वर्तमान में धामी सरकार द्वारा किसी भी संगठन कर्मचारी को धरना प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वक्ताओं ने कहा कि राज्य की सरकार अपने काले करतूतों से डरी हुई है। उन्हें 2027 में कुर्सी जाने का डर अभी से सताने लगा है। इस मौके पर पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी, पूर्व अध्यक्ष भगत डसीला, लोकमणि पाठक, बालकृष्ण, खिलाफ दानू, गोपाल बिष्ट सहित अन्य मौजूद थे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष का स्वागत

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। कांग्रेस पार्टी के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष अर्जुन भट्ट का शुक्रवार को स्थानीय एक होटल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। जिसके बाद भट्ट ने पार्टी के नए अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली।

पद ग्रहण करते ही भट्ट ने कह कि वे पार्टी के भरोसे पर पूरी तरह से खरा उतरने की कोशिश करेंगे। यहां आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा एवं पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भट्ट को फूल माला पहनाकर उन्हें जिलाध्यक्ष पद की बधाई दी। इस मौके पर अध्यक्ष अर्जुन भट्ट ने कहा कि राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व ने उनके ऊपर जो भरोसा जताया है वे इस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे। कहा कि भाजपा जिस प्रकार पूरे देश में वोट चोरी कर सत्ता हासिल कर रही है, कांग्रेस पार्टी भाजपा की इस कथनी को जन जन तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के प्रत्येक छोटे बड़े कार्यकर्ता को साथ लेकर चलेंगे। ताकि जिले में पार्टी को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाया जा सके। इसी क्रम में अन्य वक्ताओं ने कांग्रेस पार्टी द्वारा राज्य एवं जिलों में नए अध्यक्ष जिम्मेदारी युवाओं कार्यकर्ताओं को दिए जाने पर राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार जताया। इस अवसर पर राजेंद्र टंगड़िया, गोपाल विष्ट, सुनील भंडारी, विनोद कुमार, नवल कुमार, दिनेश कुमार, लोकमणि पाठक, विनोद पाठक, पूजा आर्या, लक्ष्मी धर्म शक्तू सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

'एस्मा' लगाने पर भड़की कांग्रेस

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के नो वर्क नो पे लागू करने के विरोध में शुक्रवार को प्रदर्शन किया। सरकार का पुतला फूंक एस्मा को तत्काल वापस लेने की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को चौघानपाटा में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर जमकर नारेबा. जी की। मौके पर जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने कहा कि नो वर्क नो पे को लागू कर सरकार कर्मचारियों को डराने का काम कर रही है। यह सरकार की नाकामी को दर्शाता है। कर्मचारी रात दिन सरकार के लिए काम कर रहे हैं। सरकार उनके हितों का ध्यान नहीं रख पा रही है। ऊपर से नो वर्क नो पे जैसे कानून लागू किए जा रहे हैं। कर्मचारी अपने हक की बात कर रहे हैं तो सरकार उनके दमन के लिए ऐसे कानून लागू कर रही है। कहा कि कांग्रेस कर्मचारियों के साथ खड़े हैं। किसी भी हाल में कर्मचारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, महिला जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, पीताम्बर पांडे, पूरन रौतेला, नारायण दत्त पाण्डेय, तारा चंद्र साह, जया जोशी, गीता मेहरा, किरन आर्या, आनंद बिष्ट, अम्बी राम, गोविन्द लाल, निजाम कुरैशी, हर्ष कनवाल, चन्दन भोज, भैरव गोस्वामी, आशुतोष कनवाल, बीके पाण्डेय, गोविन्द मेहरा, दिनेश पिल्खवाल, हेम तिवारी, वकुल साह, नवाज खान, रविन्द्र टम्टा, दीपेश कांडपाल, शुभम जोशी, आशु गोस्वामी, विश्वास टम्टा, मनोज बिष्ट, परितोष जोशी, गोपाल भट्ट आदि थे।

प्रौद्योगिकी को समझा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। समर स्टडी हॉल के कक्षा 11 व 12 के विद्यार्थियों ने रुद्रपुर के डीपीएस स्कूल में आयोजित सीबीएसई स्किल एक्सपो एवं गाइडेंस फेस्टिवल का शैक्षिक भ्रमण किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों ने भाग लेकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता विषयों पर आधारित अपने मॉडल प्रदर्शित किए। समर स्टडी हॉल के विद्यार्थियों ने इन मॉडलों को ध्यानपूर्वक देखा और नई तकनीकों, नवाचारों तथा उद्यमिता से जुड़े विच. ारों को समझा। इस भ्रमण में छात्रों के साथ शिक्षक तारिक हुसैन और पूनम अरोड़ा मौजूद रहे, जिन्होंने छात्रों को विभिन्न प्रदर्शनों की विशेषताओं एवं उपयोगिता के बारे में मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सीबीएसई विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा आयोजित मार्गदर्शन सत्र रहे। विद्यालय की अध्यक्षा मुक्ता सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं और उन्हें भविष्य के लिए बेहतर तैयार करते हैं।

शादी के कार्ड बंट गए, अब रिश्ता तोड़ने की धमकी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। विवाह से कुछ दिन पूर्व ही वर पक्ष के लोगों द्वारा कन्या पक्ष के लोगों से दो लाख की नकदी व चार पहिया वाहन की मांग को लेकर रिश्ता तोड़ दिया गया। पीड़ित परिवार ने पुलिस से कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। मौहल्ला काजीबाग निवासी मौ. उस्मान पुत्र मौ. उमर ने कटोराताल पुलिस चौकी में तहरीर देकर कहा कि उसने अपनी पुत्री आसमा परवीन का रिश्ता मौ. असलम पुत्र स्व. अब्दुल्ला निवासी जसपुर खुर्द काशीपुर से तय किया था और मंगनी की रस्म 23 सितम्बर को काजीबाग मस्जिद के मदरसे में अदा की थी। मंगनी में मौ. असलम के लिये सोने की अंगूठी और चांदी की दो अंगूठी सहित 20 जोड़ी कपड़े तथा नकद 21 हजार रूपये दिये थे। इसके बाद विवाह की रस्म अदायगी के लिये मैरिज हॉल बुक करके शादी के कार्ड भी बांट दिये गये। तहरीर में कहा कि बीती 19 नवम्बर को मौ. असलम और उसकी बहन छोटी ने मेरी पुत्री से विवाह करने के बदले दो लाख रूपये नकद और चौपहिया वाहन देने के लिये गैर कानूनी मांग की और मांग पूरी न होने पर रिश्ता तोड़ने की धमकी दी और कहा कि हम बारात लेकर नहीं आयेंगे। मान मनौव्वल के बाद भी उक्त लोग मानने को तैयार नहीं हैं। कोई कानूनी कार्यवाही की तो जान से भी मार देंगें। तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कर्मचारी शिक्षक संगठन की वर्चुअल बैठक

अल्मोड़ा। उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन की वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। जिसमें दिल्ली में पुरानी पेंशन बहाली के लिए होने वाली रैली पर चर्चा की गई। सभी कार्मिकों से दिल्ली रैली में प्रतिभाग करने का आह्वान किया। बैठक में कार्मिकों ने कहा कि लंबे समय से मांग के बावजूद अब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो सकी है। यहां डा. मनोज कुमार जोशी, धीरेन्द्र कुमार पाठक, संजय बिष्ट, डीके जोशी, पीसी जोशी, गणेश भंडारी, संजय जोशी, दिगंबर फुलोरिया, शांति जुयाल, मोहन चंद्र जोशी, दीपक तिवारी, अनूप दयाल, महिपाल राजपूत, विवेकानंद दुर्गापाल, जगत मनराल, जितेन्द्र नैनवाल, मोहन जोशी, बसंत पांडेय, रविंद्र, मदन मोहन शर्मा, सुनील बडोला, अजीत चंद आदि रहे।

संक्रमण नियंत्रण के लिए पोस्टर बांटे

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। विश्व एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (एएमआर) जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. उमेश के दिशा निर्देशन में विभिन्न जागरूकता गति. विधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों, मरीजों तथा स्टाफ को एंटीबायोटिक के जिम्मेदार उपयोग तथा संक्रमण नियंत्रण से संबंधित पैम्पलेट वितरित किए गए। पैम्पलेट वितरण में इन्फेक्शन कंट्रोल नर्सेज़ सीमा असगोला, मेंटी जेम्स और रवि सिंह ने सक्रिय योगदान दिया। उन्होंने मरीजों और उपस्थित जनसमूह को उचित दवा उपयोग, हैंड हाइजीन तथा एएमआर से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया। इसी क्रम में पैरामेडिकल विद्यार्थियों के लिए पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने एंटीबायोटिक दुरुपयोग, संक्रमण नियंत्रण तथा दवा-प्रतिरोध की रोकथाम जैसे विषयों पर रचनात्मक और प्रभावशाली पोस्टर प्रस्तुत किए प्रतियोगिता के निर्णायक डा. श्वेतांक गोयल (प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग), डा. सुचिता पंत (एसोसिएट प्रोफेसर, पैथोलॉजी विभाग), डा. उत्कर्ष शर्मा (असिस्टेंट प्रोफेसर, पैथोलॉजी विभाग), डा. बसंत जोशी (असिस्टेंट प्रोफेसर, बायोकेमिस्ट्री विभाग) रहे। प्रतियोगिता में रिया, संजना, काजल, हिमानी, खुशी और निकिता विजई रही।

राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए निकाली पदयात्रा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा नगर में सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना, जन जागरूकता फैलाना, एवं सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करना था। शुक्रवार को पदयात्रा का शुभारंभ नंदा देवी परिसर से हुआ।

जो लाला बाजार, चौक बाजार, जो. हरी बाजार, मल्ली बाजार, एवं माल रोड होते हुए शहीद पार्क शिखर तिराहे पहुंची जहां पदयात्रा का समापन हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने प्रतिभाग किया। बालिका विवेक. ानंद के छात्रों ने वाद्ययंत्रों के साथ आकर्षक प्रदर्शन किया। जीजीआईसी इंटर कॉलेज एडम्स इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पूरे जोश और उमंग के साथ भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल देश की अमूल्य विरासत हैं, जिन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। दर्जा राज्य मंत्री बलवीर घुनियाल ने कहा कि सरदार पटेल ने खेड़ा और बारदोली आंदोलन में किसानों का साहसिक नेतृत्व किया, जिसके चलते उन्हें सरदार की उपा. धि मिली। भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने कहा कि सरदार पटेल महात्मा गांधी के सहयोगी रहे और असहयोग आंदोलन तथा नमक सत्याग्रह में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनका संदेश एक भारत, श्रेष्ठ भारत आज भी देश को मार्गदर्शन देता है। पदयात्रा के संयोजक पूर्व विधायक कैलाश शर्मा एवं प्रभारी महापौर अजय वर्मा रहे। कैलाश शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल की दृढ़ इच्छा शक्ति और नेतृत्व ने भारत की आधारशिला रखी, उनकी विरासत राष्ट्र निर्माण के लिए सदैव प्रेरणा देती रहेगी। यहां भाजपा प्रदेश मंत्री गौरव पांडे, रवि रौतेला, ललित लटवाल, गोविंद पिलखवाल, कुंदन लटवाल, राजीव गुरुरानी, दर्शन रावत, प्रकाश भट्ट, धर्मेंद्र बिष्ट, मनीष जोशी (मंटू), पंकज जोशी, पंकज बिष्ट, त्रिला. ेचन जोशी, विनीत बिष्ट, मदन बिष्ट, देवाशीष नेगी, संदीप श्रीवास्तव, सलमान अंसारी, असलम अंसारी, जगत भट्ट, जगत तिवारी, मनोज जोशी, हरीश नेगी, मनोज तिवारी, त्रिलोचन जोशी, भगवान रावल, जगमोहन बिष्ट, अन्नू, कुंदन चम्याल, मनीष बिष्ट, प्रदीप मेहता, कुंदन बिष्ट, रमेश धपोला, शैलेंद्र शाह, कृपाल नयाल, हरीश कनवाल, पुष्कर कनवाल, सुनील बिष्ट, सुंदर मटियानी, सुनील नेगी, नगर निगम के पार्षद विजय भट्ट, श्याम पांडे, मीरा मिश्रा, राहुल जोशी, अमित साह, इंद्र मोहन भंडारी, हिमांशु बनौला, तस्लीम अंसारी, चंदन लाल टम्टा, ललित खोलिया, राहुल बिष्ट, देवेंद्र भट्ट, कन्हैया बिष्ट, कुंदन सिंह मेहता कैलाश गोस्वामी, महिलाओं में बीना नयाल, पूनम पालीवाल, इंद्रा बिष्ट, पूनम पांडे, ललिता पंचपाल, कमला तिवारी, कविता वर्मा, प्रीति रस्तोगी, पूनम वर्मा, दीपा अधिकारी, मीना नेगी आदि रहे।

सरकार पटेल की 150वीं जयंती

संस्कृत प्रतियोगिता शुरू

अल्मोड़ा। जिला मुख्यालय के एडम्स बालिका इंटर कॉलेज में दो दिवसीय जिला स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता का शुभारंभ हो गया है। जिसमें बच्चों की ओर से नृत्य, गीतों व नाटक आदि की प्रस्तुति दी। उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी हरिद्वार की ओर से शुक्रवार को हुई संस्कृत प्रतियोगिता में जिले के सभी 11 ब्लॉकों के प्रतिभागी भाग ल रहे हैं। प्रतियोगिता कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग की छह स्पर्धाओं में आयोजित की जा रही है। पहले दिन कनिष्ठ वर्ग में नाटक, नृत्य, समूहगान, वाद-विवाद, आशुभाषण व श्लोकोच्चारण प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुई। यहां पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, मेयर अजय वर्मा, वसुधा पंत, गीता खोलिया, डा. कैलाश नयाल, डा. गोविंद रावत, जिला संयोजक दीपा गुप्ता, ललित मोहन तिवारी, सुशील निवारी, संतोष वर्मा, उमेश शर्मा, लक्ष्मण रावत, डिंपल जोशी, दीप पांडे आदि रहे।

एक नजर....

बागेश्वर में शीतकालीन तैयारियों की समीक्षा

बागेश्वर। आगामी शीतलहर और बर्फबारी से निपटने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभागों को समन्वय बढ़ाने, रैनबसेरों की व्यवस्था, सड़क मार्गों की सुरक्षा और आवश्यक स्टॉक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एडीएम ने जल संस्थान और विद्युत विभाग के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई और स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने सड़क विभाग को र्कबारी से प्रभावित मार्गों का चिन्हीकरण, जेसीबी की तैनाती और मार्ग शीघ्र खोलने के निर्देश दिए। रैनबसेरों के लिए बिस्तर, कंबल, पानी, शौचालय और सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा, खाद्य आपूर्ति, पेट्रोल पंपों में ईंधन, स्वास्थ्य सेवाएं, पशुपालन के लिए चारा और दवाइयों की उपलब्धता पर भी ध्यान दिया गया। पर्यटकों को उच्च हिमालयी क्षेत्रों में जाने से रोकने की सलाह दी गई।

पंत विवि की क्रिकेट टीम अलीगढ़ रवाना

पंतनगर। सत्र 2025-26 की अखिल भारतीय उत्तर क्षेत्रीय अर्न्तविश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता अलीगढ़ विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में दिनांक 22 नवम्बर, 2025 से 02 दिसम्बर, 2025 तक आयोजित होनी है। उक्त प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की 16 सदस्यों की क्रिकेट (पुरुष) मैनेजर डा. डीपी सिंह के साथ आज पूर्वान्ह 10 बजे पंतनगर विश्वविद्यालय के स्टीवेंनस स्टेडियम से अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हुई। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. एएस जीना द्वारा विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम को शुभकामनाएं प्रदान की गयी। इस अवसर पर प्रभारी शारीरिक शिक्षा डा. एनके सिंह, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण शारीरिक शिक्षा डा. पूनम त्यागी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय जंबूरी के लिए स्काउट गाइड रवाना

बागेश्वर। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की स्थापना के 75 वर्ष के अवसर पर डायमंड जुबली ईयर में 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के लिए 35 सदस्यीय दल लखनऊ के लिए रवाना हुआ है। मुख्य शिक्षा अधिकारी विनय कुमार ने हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया। जनपद के अलग-अलग विद्यालयों से 17 गाइड, 14 स्काउट, दो स्काउट मास्टर, दो गाइड कैप्टन प्रतिभाग कर रहे हैं। टीम का नेतृत्व जिला संगठन आयुक्त स्काउट राजेंद्र पूना और जिला संगठन आयुक्त गाइड गीता आर्या कर रहे हैं। सहायक के रूप में उपेंद्र कनवाल एवं विमल राणा रहेंगे। प्रतिभागियों में कपकोट ब्लॉक से चार, बागेश्वर ब्लॉक से नौ एवं गरुड़ ब्लॉक से 18 स्काउट और गाइड प्रतिभाग कर रहे हैं।

गड़िया बग्वाल का रंगारंग समापन

बागेश्वर। कपकोट के पोथिंग गांव में दिन-रात चलने वाले गड़िया बग्वाल का रंगारंग कार्यक्रम के साथ समापन हो गया है। कार्यक्रम में लोक गायक कुंदन कोरंगा, राकेश खनवाल गिरीश जोशी, भगवत मेहता ने अपने गीतों से लोगों को खूब मचाया। कार्यक्रम के सम्मान बेला पर क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया ने भी ठुमके लगाए। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति बचाने के लिए सभी को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि कुमाऊं की संस्कृति पूरे उत्तरखंड में प्रसिद्ध है। पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण ने कहा कि गड़िया बग्वाल क्षेत्र की पहचान है। यहां लोक संस्कृति की बयार बहती है। इसे युवा पीढ़ी को भी समझना होगा। इसके बाद लोक गायकों ने एक से एक सुंदर कुमाउनी, गढ़वाली गीत परोसे। लोगों की फरमाइश भी पूरी की। स्थानीय स्कूल के बच्चों ने भी बेहतरीन रंगारंग कार्यक्रम पेश किए। अध्यक्ष हरीश जोशी ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर दीपक गड़िया, प्रधान सरस्वती गड़िया, क्षेत्र पंचायत अनीता जोशी, कमलेश गड़िया, भुवन गड़िया, संजय जोशी, भूपेश गड़िया मौजूद रहे।

बागेश्वर में खेल स्टेडियम निर्माण की शुरुआत

बागेश्वर। नए खेल स्टेडियम के निर्माण कार्य की शुरुआत से पहले, चयनित भूमि की मैपिंग की गई। शुक्रवार को उत्तराखंड पेयजल निर्माण निगम, तहसीलदार, राजस्व अधिकारी और प्रोजेक्ट आर्किटेक्ट की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्टेडियम के लेआउट का अवलोकन किया। इस स्टेडियम के निर्माण के लिए स्व. चंदन राम दास के प्रयासों और स्थानीय खेल प्रेमियों के लगातार पत्राचार का अहम योगदान रहा है। शासन ने इस परियोजना को मंजूरी दे दी है और टोकन मनी भी जारी कर दी गई है। 95 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह स्टेडियम सभी खेलों के लिए सुसज्जित होगा, जिसमें फुटबॉल ग्राउंड, 400 मीटर सिंथेटिक ट्रैक, ओलंपिक मानक स्विमिंग पूल और आउटडोर-इनडोर खेलों की सुविधाएं शामिल हैं। इस परियोजना के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का आभार व्यक्त किया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति तोड़ी

काशीपुर। पुराना आवास विकास स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में असामाजिक तत्वों द्वारा घिनौना कृत्य किया गया है। यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा को अराजक तत्वों द्वारा तोड़ा गया है और साथ ही साथ निगम की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया है। भाजपा नेता अमित मनचंदा द्वारा यह जानकारी निगम को दे दी गई है। अमित मनचन्दा ने उक्त शरारती तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। हालांकि इस घटना का जैसे ही लोगों को पता चला लोगों ने इस घटना का विरोध करते हुए शीघ्र ही ऐसे शरारती तत्वों को पकड़ने की मांग की है।

सोशल मीडिया पर दोस्ती कर युवती ने ठगा

काशीपुर। सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति को अंजान युवती से दोस्ती करना भारी पड़ गया। युवती ने उससे तीन लाख 31 हजार रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी कर ली। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। ग्राम पैगा निवासी हरविंदर सिंह ने आईटीआई थाने में दी तहरीर में कहा कि कुछ समय पूर्व उसक फेसबुक पर प्रकृति मेहरा नाम की युवती की फ्रैंड रिक्वेस्ट आई थी। बीती 27 अक्टूबर को प्रकृति मेहरा ने उससे व्हाट्सएप पर चैट की और कुछ दिन बाद अपने कारोबार के बारे में बताया था। बताया कि उसकी ऑरचिड्स डिजाइनिंग स्टूडियो नाम से कंपनी है। वह क्रिप्टो और सोने में निवेश करके अच्छा मुनाफा कमाती है। वह कारोबार के मुनाफे का स्क्रीनशॉट भी उसको भेजती थी। युवती ने उससे कूकॉइन एप डाउनलोड कराया था। इसके बाद उसे मुनाफे का लालच देकर यूएसडीटी ट्रेडिंग कराते हुए मुनाफे का 30 प्रतिशत अपना कमीशन बताया था। इस पर उसने ट्रेडिंग शुरू कर दी थी और दो खातों से 31 अक्टूबर से नौ नवंबर तक रुपये ट्रांसफर किए थे। इसके बाद उसे पता चला कि उससे साइबर ठगी की जा रही है। उससे तीन लाख 31 हजार 980 रुपये की धोखाधड़ी कर ली गई।

अनिल अरोरा की आंखे करेंगी दो लोगों के जीवन में उजाला

काशीपुर। नगर में मुंशीराम चौराहा के समीप स्थित विशाल बेकरी के मालिक अनिल अरोरा का वृहस्पतिवार रात आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन के पश्चात उनके सुपुत्र विशाल अरोरा ने नेत्रदान की सहमति प्रदान कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। अनिल अरोरा के नेत्रदान से दो नेत्रहीनों के नेत्र प्रकाशित होंगे। वसुधैव कुटुम्बकम काशीपुर के संस्थापक सदस्यों की उपस्थिति में टीम ने कागजी औपचारिकता पूरी कर ब्रह्मलीन श्री अरोरा के शरीर से दान की गई आंख की ऊपरी परत (कॉर्निया) प्राप्त कीं। वसुधैव कुटुम्बकम् काशीपुर के संस्थापक सदस्य दीपक मित्तल, सचिव प्रियांशु बंसल, संस्थापक सदस्य अजय अग्रवाल, दीपक मित्तल एवं सीए सचिन अग्रवाल ने नेत्रदानी अरोरा परिवार का आभार व्यक्त करते हुए परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की चिर शांति की प्रार्थना की तथा क्षेत्र वासियों से मरणोपरांत नेत्रदान कराने में सहयोग का आह्वान किया। अरोरा परिवार द्वारा किये गये नेत्रदान मे समाजसेवी राजकुमार सेठी, विमल सेठी व अर्पण अरोरा का विशेष सहयोग रहा।

नवचेतना भवन में निशुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का शुभारंभ कल

काशीपुर। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन उपाध्यक्ष महेंद्र गुप्ता लोहिया के आवास पर वैश्य महासम्मेलन के संगठनात्मक जिला काशीपुर शाखा पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (आईवीएफ) के तत्वावधान में पटेल नगर स्थित नवचेतना भवन में 23 नवंबर से 15 दिवसीय एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर लगाए जाने को लेकर पदाधिकारियों के बीच सर्वसम्मति से सहमति बनी। बैठक में जिला अध्यक्ष सुरेश गोयल ने बताया कि इस 15 दिवसीय एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर में भारतीय एक्यूप्रेशर संस्थान लखनऊ के निर्देशक डॉ. एपी चंद्रवंशी के नेतृत्व में उनकी कुशल टीम द्वारा एक्यूप्रेशर पद्धति द्वारा डाइबिटीज, ब्लडप्रेशर, गठिया, मिर्गी, दमा, स्पांडलाइटिस, किडनी, हृदय तथा बवासीर समेत विभिन्न रोगों का उपचार एवं प्रशिक्षण निशुल्क दिया जाएगा। महानगर अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल नागलिया ने क्षेत्रवासियों से स्वास्थ्य लाभ उठाने का आवाहन किया। इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष कौशलेश गुप्ता जिला महामंत्री डॉ. संजीव गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष नवनीत विश्नोई बीके गुप्ता महानगर कोषाध्यक्ष राजीव अग्रवाल समेत पदाधिकारी मौजूद रहे।

पुनर्वास के प्रस्ताव पर लगी मुहर

कृष्णा कत्था फैक्ट्री की भूमि पर कैंप कार्यालय बनाएगा नगर निगम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नगर निगम सभागार में शुक्रवार को मेयर गजराज सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक संपन्न हुई। बैठक में शहर के विकास से जुड़े तीन विशेष प्रस्तावों सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि नव सम्मलित क्षेत्रों में व्यावसायिक भवनों पर कर जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाई जाए। साथ ही, नगर निगम कार्यालय के विस्तार के लिए 6.94 करोड़ रुपये तथा एसटीपी प्लांट से पाइप लाइन बिछाने के लिए 1.10 करोड़ रुपये की व्यय राशि पर भी चर्चा की गई। बैठक में निगम की दुकानों के प्रथम तल के आवंटन को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। कृष्णा कत्था फैक्ट्री परिसर में कैंप कार्यालय स्थापित किए जाने के साथ वहां निवासरत परिवारों के पुनर्वास पर भी प्रस्ताव स्वीकार किया गया। एसडीएम कार्यालय के नमो भवन में शिफ्ट होने के उपरांत उस भवन को नगर निगम को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया। वहीं निगम की स्वामित्व वाली भूमि पर निजी पार्किंग निर्माण की अनुमति भी प्रदान की गई। निगम की दुकानों के किराये में छूट के लिए दो माह की अतिरिक्त अवधि दिए जाने तथा दुकानों के अनुबंध और नवीनीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ। खोड़ क्षेत्र में मीट मार्केट निर्माण, मंगल पड़ाव में वेंडिंग जोन विकसित करने तथा वर्कशॉप लाइन, छतरी चौराहा, बरेली रोड नवीन मंडी के सामने और कठघरिया चौराहे पर नई दुकानों एवं संरचनाओं के निर्माण पर भी सहमति बनी। इसके अलावा ईवी वाहनों के लिए तीन चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाने, शनि बाजार स्टेशन पर चबूतरा निर्माण, निगम कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक मशीन से शत प्रतिशत उपस्थिति लागू करने तथा निगम द्वारा निर्गत विभिन्न प्रमाण पत्रों के लिए यूजर चार्ज रसीद को अनिवार्य करने का प्रस्ताव पारित किया गया। जजी कोर्ट के पास आंचल मिल्क कैफे निर्माण, कैनाल रोड का नाम बदलकर जगत सिंह पांगती मार्ग करने, निगम कर्मचारियों के लिए गोल्डन कार्ड बनवाने और रजत जयंती वर्ष में हुए प्रमुख कार्यों की प्रस्तुति भी बैठक में रखी गई। पार्षदों के अन्य राज्य में शैक्षिक भ्रमण तथा निगम द्वारा तैयार की गई उप-विधियों को सर्वस मति से मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में नगर आयुक्त परितोष वर्मा, सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट सहित तमाम नगर निगम अधिकारी व पार्षद मौजूद रहे।

मेडिकल के बाद विपिन पांडे को जेल

उपद्रव के मामले में हुई थी हिन्दुवादी नेता की गिरफ्तारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बीते पांच दिन पूर्व रविवार को उजाला नगर क्षेत्र में हुए हिंसक बवाल के बाद पूर्व भाजपा नेता एवं हिंदूवादी नेता विपिन पांडे को पुलिस ने गिरफ्तार कर आज शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे 14 दिन की न्याय हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में नामजद दो और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

कमलुवागांजा क्षेत्र निवासी विपिन पर आरोप है कि उन्होंने घटना के दौरान लोगों को उपद्रव करने के लिए भड़काया था और साथ ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट की थीं। पुलिस ने बीते गुरूवार की शाम विपिन पांडे को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया था। जिसके बाद आज शुक्रवार को बेस अस्पताल में विपिन पांडे का मेडिकल कराया गया जिसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें 14 दिन की न्याय हिरासत में जेल भेज दिया। बता दें कि बीते 16 नवंबर रविवार की देर शाम उजाला नगर में एक नवजात गोवंश का अंग मिलने से तनाव फैल गया था। इसके बाद हिंसा और तोड़फोड़ का माहौल पैदा हुआ। हालांकि, बाद में यह पता चला कि गोवंश का अंग कुत्तों ने नोचकर वहां तक लाया था। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और घटना के सभी पहलुओं को स्पष्ट करने की कोशिश कर रही है। इस घटना के बाद पुलिस ने 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ उपद्रव करने का मामला दर्ज किया। जिसमें से अब तक पुलिस ने हिन्दुवादी नेता विपिन पांडे की गिरफ्तारी हो चुकी है। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने चोर और आरोपियों को चिह्नित किया जिसमें दो बालिक व दो नाबालिग थे। नाबालिगों को जुवेनाइन कोर्ट में पेश किया गया जहां से उनकी काउंसिलिंग के बाद उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जबकि बालिक दो आरोपियों को न्यायालय में पेश किया और वहां से उन्हें जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं, क्योंकि जांच अभी जारी है। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल रिकॉर्डिंग की भी जांच कर रही है।

मेरे पति राजनीतिक साजिश का शिकार: मीना पांडे

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उपद्रव के आरोप में जेल गए हिन्दूवादी नेता विपिन पांडे की पत्नी एवं बीडीसी सदस्य ने शुक्रवार को फेसबुक लाइव आकर राजनीतिक साजिश करार दिया है। विपिन पांडे की पत्नी और बीडीसी सदस्य मीना पांडे ने फेसबुक लाइव आकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके पति को एक षड्यंत्र के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है और यह पूरी घटना एक राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। मीना पांडे ने पुलिस पर हमला करते हुए कहा कि शहर में अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, शराब की अवैध बिक्री हो रही है और चरस-स्मैक की तस्करी भी बढ़ गई है, लेकिन पुलिस इन मामलों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उनके पति विपिन पांडे को पहले से ही टारगेट किया जा रहा था और उनकी गिरफ्तारी एक सोची समझी राजनीतिक वजहों से की गई है। मीना पांडे ने पुलिस पर सवाल उठाते हुए यह भी कहा कि यदि पुलिस अपराधियों पर ध्यान देती तो शहर में अपराध कम हो सकते थे, लेकिन वह पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है।

गुरमत समागम 25 को

हल्द्वानी। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहीदी की स्मृति में गुरुद्वारा श्री गुरुनानक पुरा, ठंडी सड़क भोटिया पड़ाव में 25 नवंबर को गुरमत समागम आयोजित किया जाएगा। गुरुद्वारे प्रशासन ने संगत से अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गुरु तेग बहादुर साहिब जी का स्मरण करें और अपने जीवन को सफल बनाएं। कार्यक्रम तीन दिनों तक चलेगा। 22 और 23 नवंबर की सुबह 5 बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी, जबकि 23 नवंबर को सुबह 8 बजे से अखंड साहिब पाठ की शुरुआत होगी। 25 नवंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक विशाल गुरमत समागम आयोजित किया जाएगा, इसके बाद गुरुद्वारे के लंगर हॉल में विशाल लंगर का आयोजन होगा। शाम 7 से 10 बजे तक विशेष दीवान का आयोजन भी किया जाएगा।

एक लाख की चरस, तीन गिरफ्तार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बनभूलपुरा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। शुक्रवार को बनभूलपुरा थाना पुलिस ने क्षेत्र में तस्करों पर अंकुश लगाने के लिए क्षेत्र में गश्त कर रही थी तभी पुलिस ने खनस्यू के दो सप्लायर व बनभूलपुरा का एक खरीददार को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तीनों तस्करों के पास से पुलिस ने 1 किलो 281 ग्राम चरस बरामद हुई।

जिसकी कीमत एक लाख से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने चरस तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार बनभूलपुरा थानाध्यक्ष सुशील जोशी के नेतृत्व में एसआई मनोज यादव मय टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे तभी लाइन नंबर-18 के पास, वार्ड नंबर-25 बनभूलपुरा में तीन व्यक्तियों को संदिग्ध अवस्था में देखा। तभी पुलिस टीम को देख तीनों युवक भागने लगे। शक के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए तीनो को दबोच लिया। जिनकी जामातलाशी के दौरान उनके पास से 1 किलो 281 ग्राम चरस बरामद हुई। पकड़े गए चरस तस्करों ने अपना नाम सतीश चन्द्र आर्या पुत्र किशन राम निवासी ग्राम भुमका थाना खनस्यू, ललित मोहन आर्या पुत्र मंगल राम निवासी ग्राम भुमका थाना खनस्यू, व तीसरे ने मो. इदरीश पुत्र रहीश अहमद निवासी वार्ड नंबर-25 बनभूलपुरा बताया। बताया जा रहा कि सतीश व ललित खनस्यू से भारी मात्रा में चरस लेकर हल्द्वानी बनभूलपुरा इदरीश को बेचने के लिए लाए थे। इरशीन ने बताया कि वह चरस को सस्ते दामों में खरीदता और उसे यहां पर मंहगे दामों में बेचकर अच्छा मुनाफा कमाता है। पुलिस ने तीनों चरस तस्करों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। टीम में एसआई मनोज यादव, एसआई बबीता मेहरा, हेड कांस्टेबल गुरमेज सिंह, कांस्टेबल दिलशाद अहमद शामिल रहे।

डाक्टर की बाइक चोरी, मुकदमा

हल्द्वानी। राजकीय मेडिकल कॉलेज में एक इंटर्न डॉक्टर की बाइक चोरी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों की जांच की जा रही है। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही बाइक चोर को गिरफ्तार कर लिया जायेगा। जानकारी के अनुसार पंचमुखी धर्मशाला, आदर्श कॉलोनी, दौसा, राजस्थान निवासी दीपक कुमार योगी जो वर्तमान में मेडिकल कॉलेज के इंटर्न डॉक्टर हैं। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि बीते 12 नवंबर की रात करीब 9 बजे उन्होंने अपनी बाइक खंडलेवाल मोटर शॉप के पास गली में खड़ी करके काम से चले गए थे। जब वह थोड़ी देर बाद काम निपटा कर वापस पहुंचे तो उनकी बाइक वहां से गायब थी।

मेयर को बताई वार्ड की समस्याएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शुक्रवार को नगर निगम की बोर्ड बैठक में तल्ली बमौरी वार्ड-9 के पार्षद राजेन्द्र सिंह जीना ने महेश नगर आनंदपुरी में जलभराव और नहर कवरिंग व तल्ली बमौरी में क्षतिग्रस्त सड़क व नालियों की मरम्मत किए जाने को लेकर मेयर गजराज सिंह बिष्ट को ज्ञापन सौंपा। मेयर गजराज सिंह बिष्ट को सौंपे गए ज्ञापन में पार्षद राजेन्द्र सिंह जीना ने कहा कि महेश नगर और आनन्दपुरी क्षेत्र में पिछले 3-4 वर्षों से जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। खासकर बरसात के मौसम में यहां के लोगों के घरों में पानी घुस जाता है, जिससे उनकी जान और माल को खतरा बना रहता है। इसके साथ उन्होंने कहा कि तल्ली बमौरी में कुछ कालोनियों की सड़क व नालियां विगत वर्षों से खस्ताहाल हुई है। जिससे क्षेत्र की सफाई व्यवस्था की प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा हल्द्वानी की लगभग सभी नहर कवर हो चुकी है लेकिन शिवमंदिर नवाबी रोड से मुखानी चौराहे तक की नहर कवर नहीं हुई। उन्होंने कहा कि वार्ड की विभिन्न समस्याओं को लेकर कई बार प्रस्ताव भी दे चुके हैं लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं को देखते हुए शीघ्र ही समाधान किया जाए। मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने पार्षद राजेन्द्र सिंह जीना को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही क्षेत्र की समस्याओं का निस्तरण कर दिया जायेगा।

प्रमाण पत्रों का अजब ही फर्जीबाड़ा चल रहा था

जांच में सामने आ रहे चौंकाने वाले तथ्य, अंजुमन की ओर से जारी प्रमाण पत्र पकड़ में आया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। स्थायी प्रमाण पत्रों के सत्यापन अभियान के दौरान प्रशासन को एक बड़े फर्जीवाड़े का पता चला है। जांच के दौरान एक आवेदन के साथ अंजुमन मोमिन अंसार आजाद नगर नैनीताल की ओर से जारी कथित प्रमाण पत्र पाया गया, जिसके बाद पूरे प्रकरण की गहन जांच की गई। सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान, एसडीएम राहुल शाह और तहसीलदार हल्द्वानी की संयुक्त टीम ने सोसाइटी के पते का मौके पर सत्यापन किया। जांच में सामने आया कि सोसाइटी अपने पंजीकृत पते पर अस्तित्व में ही नहीं है। स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाने पर पता चला कि रईस अहमद अंसारी जो साहूकार लाइन में दुकान चलाता है, इसी सोसाइटी के नाम पर अवैध रूप से प्रमाण पत्र जारी कर रहा था। मौके पर पूछताछ के दौरान रईस ने स्वीकार किया कि वह साल 2007 से ऐसे प्रमाण पत्र जारी कर रहा है। रिकॉर्ड जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि सोसाइटी वर्ष 2007 के बाद से कभी नवीनीकृत नहीं हुई। सोसाइटी के अध्यक्ष और महासचिव दोनों का निधन हो चुका है और संस्था लंबे समय से पूरी तरह निष्क्रिय व अवैध स्थिति में है। इसके बावजूद एक अनधिकृत व्यक्ति द्वारा सोसाइटी के नाम का दुरुपयोग कर जाति, जन्म एवं निवास प्रमाण जैसे कानूनी दस्तावेजों के समान दिखने वाले अवैध प्रमाणपत्र तैयार और वितरित किए जा रहे थे, जबकि सोसायटी को ऐसा कोई प्रमाण पत्र जारी करने का कानूनी अधिकार नहीं है। टीम ने मौके से संबंधित सभी दस्तावेज कब्जे में लेकर सीज कर दिए हैं। एसडीएम राहुल शाह ने तहसीलदार को निर्देशित किया है कि इन अवैध प्रमाण पत्रों के आधार पर जारी सभी जाति प्रमाण पत्रों की तत्काल जांच की जाए। साथ ही अवैध प्रमाण पत्र जारी करने में संलिप्त व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश भी जारी किए है। जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि सोसाइटी के नाम से जारी रसीदों पर अंकित फोन नंबर पर संपर्क करने पर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की पुष्टि भी की गई। एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि ऐसे सभी प्रमाण पत्रों को अब चिह्नित किया जा रहा है और प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज करने की कार्यवाही भी शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध प्रमाण पत्र जारी करने एवं उनका उपयोग करने वाले सभी व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और ऐसे किसी भी फर्जीवाड़े को बख्शा नहीं जाएगा।

जिला अध्यक्ष ने जिला कांग्रेस कार्यकारिणी को किया भंग

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने जिला कांग्रेस कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। शुक्रवार देर शाम कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि शीघ्र नियोजित व सुव्यवस्थित कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी, जिसमे पार्टी के प्रति समर्पित व निष्ठावान 50 लोगों को जिम्मेदारी दी जायेगी और सबकी जवाबदेही भी तय होगी। उन्होंने कहा कि पीसीसी सदस्य व सभी प्रदेश पदाधिकारियों की भी अपने ब्लॉक व बूथ में भी जवाबदेही तय होगी और सुनिश्चित किया जायेगा कि ब्लॉक कार्यकारणी की हर बैठक में उनकी भी उपस्थिति अनिवार्य रूप से हो। वहीं कार्यकारणी के साथ ही सभी ब्लॉक प्रभारियों को भी तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है तथा सभी ब्लॉक अध्यक्षों की कार्यप्रणाली की भी लगातार मॉनिटरिंग की जायेगी। उन्होंने बताया कि सभी ब्लाकों में उनके भ्रमण कार्यक्रम भी लगेंगे और हर ब्लॉक के सबसे दूरस्थ के बूथों में वे खुद तीन दिन प्रवास करेंगे। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेसजनों ने कमर कस ली है और जीत के लिए जो भी आवश्यक होगा किया जायेगा।

डॉक्टर के बेटे ने फांसी लगाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संदिग्ध परिस्थितियों के चलते मुखानी थानाक्षेत्र के अंतर्गत एक रिटायर डाक्टर के इकलौते बेटे ने बीते गुरूवार की रात्रि फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मिली जानकारी के अनुसार डा. हेमंत भट्ट लखनऊ में डाक्टर थे जो अब रिटायर हो चुके है, और अपने परिवार के साथ मुखानी क्षेत्र में रहते हैं। बताया जा रहा कि बीते गुरूवार की रात्रि हेमंत भट्ट के 19 वर्षीय बेटे भरत भट्ट ने कमरे के अंदर फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। जब भरत काफी देर तक जब वह बाहर नहीं आया तो परिजनों में अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने दरवाजा तोड़कर देखा तो भरत फंदे से लटका हुआ था। घटना की सूचना पर स्थानीय लोग व पुलिस मौके पर पहुंच गई उसे फंदे से उतारकर अस्पताल लाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा कि भरत पिछले दो ढाई साल से मानसिक रूप से बीमार चल रहा था जिसकी वजह से वह काफी परेशान रहने लगा। माना जा रहा कि बीमारी के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया होगा। शुक्रवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजनों ने बताया कि रात्रि खाना व दवा खाने के बाद भरत अपने कमरे में चला गया था। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश जोशी ने बताया कि मामले में परिजनों से पूछताछ की गई है। प्रथम दृष्टया बीमारी से परेशान होकर सुसाइड की बात सामने आई है।

सत्यम लैब में मिलीं अनियमितताएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान के नेतृत्व में हल्द्वानी क्षेत्र के दो चिकित्सा जांच केंद्रों राघव पैथ लैब मुखानी और सत्यम डायग्नोस्टिक सेंटर हीरानगर का पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सत्यम डायग्नोस्टिक सेंटर हीरानगर में गंभीर अनियमितताएँ पाई गईं। निरीक्षण के समय रेडियोलॉजिस्ट मौजूद नहीं थे, जबकि अल्ट्रासाउंड के लिए 26 मरीजों की पर्चियाँ जारी की गई थीं। स्टाफ इस पर कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सका। एएनसी रजिस्टर और फॉर्म-एफ पर रेडियोलॉजिस्ट के हस्ताक्षर भी नहीं मिले। साथ ही, सीसीटीवी फुटेज मांगे जाने पर कैमरा खराब होने की बात कही गई।

गंभीर लापरवाही के चलते निरीक्षण टीम ने केंद्र संचालकों को कड़ी चेतावनी दी और अल्ट्रासाउंड कक्ष को अग्रिम आदेश तक सील कर दिया। चाबी मौके पर ही जब्त कर ली गई तथा केंद्र को तीन दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए। वहीं, राघव पैथ लैब मुखानी में दस्तावेज और व्यवस्थाएँ संतोषजनक पाई गईं। निरीक्षण के दौरान टीम में सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. स्वेता भंडारी, ललित ढौंडियाल और जगदीश चंद्र शामिल थे।

वाहन मालिकों से अपील, मोबाइल नंबर अपडेट करें

हल्द्वानी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) वीके सिंह ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे अपने वाहन के पंजीकरण विवरण में मोबाइल नंबर को अपडेट करें। इससे ई-चालान और अन्य ऑनलाइन सेवाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। वर्तमान में राज्य में 37 लोकेशनों पर एएनपीआर कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिनसे वाहनों की ओवरस्पीडिंग पर ऑनलाइन चालान किए जा रहे हैं। यदि वाहन का मोबाइल नंबर अपडेट नहीं होगा, तो चालान का भुगतान समय पर नहीं हो सकेगा। इसके अलावा, बीमा और प्रदूषण प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के लिए भी अपडेटेड मोबाइल नंबर की आवश्यकता है। वाहन मालिक वेबसाइट या संबंधित कार्यालय जाकर अपना मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते हैं।

राउंड टेबल के पहले एफटीई प्रोजेक्ट का भूमि पूजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राउंड टेबल ने अपना पहला एफटीई (फेलोशिप ट्रस्ट एंटरप्राइज) प्रोजेक्ट भूमि पूजन समारोह शुक्रवार को चेयरमैन सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय लोगों में भारी उत्साह और उम्मीदों का माहौल था, क्योंकि यह प्रोजेक्ट हल्द्वानी में विकास की नई राह खोलने और सामाजिक-आर्थिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस मौके पर चेयरमैन सिद्धार्थ अग्रवाल ने बताया कि भूमि पूजन समारोह ने क्षेत्रवासियों में आस्था और विश्वास को और भी मजबूती दी है, जिससे यह पहल एक बड़ी कार्ययोजना के रूप में देखने को मिल रही है। यह भूमि पूजन समारोह न केवल राउंड टेबल की एक नई शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि यह हल्द्वानी में भविष्य में होने वाली कई सामाजिक परियोजनाओं के लिए एक मजबूत आधारशिला का कार्य करेगा। इस दौरान राउंड टेबल के सदस्य रोहित अग्रवाल,, उत्सव साहनी, अर्पित अग्रवाल, अतीव अग्रवाल, सौरभ साह, आनंद सनी, प्रतीक अग्रवाल और चिराग गर्ग आदि मौजूद रहे।

डीके स्पोर्ट्स अकादमी फाइनल में

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कोल्ट्स क्रिकेट क्लब के तत्वाधान में हल्द्वानी कोल्ट्स क्लब के मैदान में कराई जा रही अंडर-14 स्व. पूरन चन्द्र बल्यूटिया मेमोरियल बहुदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे सेमिफाइनल मैच में जीएनजी क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने 285 रनों पर पारी घोषित कर दी। भावेश रावत ने 77, देवांग नेगी ने 69 और तेजस बिष्ट ने 67 रनों का योगदान दिया। जीएनजी क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज तनय ने 2, अभय, चिराग और वेदांत ने 1-1 विकेट लिया। जीएनजी क्रिकेट अकादमी के बल्लेबाज इशांत ने 100, शास्वत के 63, और विहान के अपनी टीम के लिए 47 रनों की मदद से 231 रनों पर पारी घोषित कर दी। डीके स्पोर्ट्स अकादमी के गेंदबाज ईशान जोशी ने 4, और अनामय ने 2 विकेट लिए। डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने अपनी दूसरी पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 296 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। ईशान जोशी ने 125, भावेश रावत ने 80 रनों का योगदान दिया। अपनी दूसरी पारी में 351 रनों का लक्ष्य पूरा करने मैदान में उतरी जीएनजी की पूरी टीम 213 रनों पर आल आउट हो गयी। डीके स्पोर्ट्स अकादमी के गेंदबाज देवांग नेगी ने 7, ईशान और आयुष ने 1-1 विकेट लिया, और डीके स्पोर्ट्स ने 137 रनों से मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। मैन ऑफ़-द मैच का खिताब डीके स्पोर्ट्स के खिलाड़ी ईशान जोशी के नाम रहा। मैच के अंपायर सौम्य और हरप्रीत सिंह कम्बोज रहे जबकि स्कोरर की भूमिका रवि सिंह ने निभाई। इस मौके पर नीरज बल्यूटिया, आनंद बिष्ट, निश्चल जोशी, मनोज भट्ट, नरेंद्र अधिकारी, पंकज गुरुरानी, योगेश चौहान, संजय चौधरी, विक्रम बोरा, धर्मेंद्र पाल, प्रशांत भंडारी, प्रकाश रावत, विजय आर्या, सोनू आर्या, प्रकाश भगत मनोज पंत मौजूद रहे। आयोजक सचिव निश्चल जोशी ने बताया कि फाइनल मुकाबला कल यानि आज शनिवार को डीके स्पोर्ट्स और कोल्ट्स क्रिकेट के मध्य खेला जायेगा।

सुंदरपुर रैकवाल में सिंचाई नहरें व गूल खस्ताहाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गौलापार सुंदरपुर रैक्वाल में सिंचाई गूलों को बनाए जाने की मांग को लेकर शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता नीरज रैक्वाल सिंचाई विभाग के इंजी. नियर दिनेश सिंह से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपकर शीघ्र ही समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। शुक्रवार को सिचाई विभाग के इंजी. नियर दिनेश सिंह को सौंपे गए ज्ञापन में नीरज रैक्वाल ने कहा कि ग्राम पंचायत सुंदरपुर रैक्वाल की नहरों और गूलों की स्थिति बेहद खराब हो गई है, जिसके कारण किसानों को खेतों की सिंचाई में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 20 सालों से गूलों में कोई भी काम नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि सुंदरपुर रैक्वाल, देवपुर पोखरिया, दौलतपुर, पदमपुर रैकुनी, रूपपुर, कालीपुर, उदयपुर व भगवतपुर के गांवों में कभी भी विभाग द्वारा काम ही नहीं किया गया। उन्होंने सिचाई विभाग से जल्द से जल्द गूलों का निर्माण और नहरों की साफ-सफाई कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि इन समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो सिंचाई में और अधिक परेशानी बढ़ सकती है, जिससे कृषि और स्थानीय किसानों की आमदनी पर असर पड़ सकता है।

शाह टाइम्स
स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पुलिस कप्तान ने फिटनेस और अनुशासन का पाठ पढ़ाया

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधम सिंह नगर मणिकांत मिश्रा ने पुलिस लाइन में आज साप्ताहिक परेड का निरीक्षण किया। साथ ही पुलिस बल की अनुशासन व्यवस्था, एकरुपता, शारीरिक दक्षता तथा वर्दी मानकों की गहन समीक्षा की।उन्होंने पुलिसकर्मियों को शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए टिप्स दिए। जवानों को साफ-सुथरी एवं निर्धारित वर्दी, टर्नआउट को मानक के अनुसार बनाए रखने,अनुशासित व्यवहार अपनाने के लिए निर्देशित किया गया। इसके बाद उन्होंने खुद पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के साथ दौड़ लगाई।परेड के दौरान दौड़, ड्रिल, स्क्वाड ड्रिल, शस्त्राभ्यास एवं शस्त्रों के खोलनेख्रजोड़ने का प्रशिक्षण कराया गया।एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने क्वार्टर गार्ड, परिवहन शाखा, भोजनालय, सीपीसी कैंटीन, जिम, बैरिक, फैमिली क्वार्टर्स का गहनता से निरीक्षण किया। सभी शाखाओं में रखी पत्रावलियों, अभिलेखों एवं कार्यप्रणाली की गुणवत्ता की समीक्षा की और इनकी सही व्यवस्था व दस्तावेजी प्रक्रिया को और बेहतर करने के निर्देश दिए।परिसर की स्वच्छता, भवनों की मरम्मत, विद्युत एवं जलख्रनिकासी व्यवस्था तथा आवासीय सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त सभी गार्ड कमांडरों को सुरक्षा ड्यूटी के मानकों का कड़ाई से पालन करने, सतर्कता बनाए रखने तथा समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश भी दिए गए।

जच्चा बच्चा की मौत की कीमत हॉस्पिटल संचालक ने लगाई चार लाख

- कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए ओप्पोल हॉस्पिटल स्वामी ने पीड़ित को चेक देकर मामले में की लीपापोती
- हॉस्पिटल वालों को नहीं है कार्यवाही का डर, बेधड़क होकर कर रहे जिंदगी से खिलवाड़

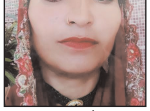

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। स्वास्थ्य विभाग की नाक के नीचे खुलेआम चल रहे निजी नर्सिंग होम में लापरवाही के चलते एक जच्चा और बच्चे की मौत का ताजा मामला प्रकाश में आया है। यह नर्सिंग होम अब तक सुरक्षित प्रसव कराने के नाम पर जच्चा और बच्चों को मौत के घाट उतार चुके हैं। हैरानी की बात तो यह है कि इन अवैध संचालित निजी नर्सिंग होम पर कार्रवाई करने के बजाय स्वास्थ्य विभाग आंखें मूंदे बैठा है।

गौरतलब है कि क्षेत्र में लगभग आधा दर्जन के करीब निजी नर्सिंग होम संचालित हैं, जोकि यूपी से आए कुछ लोगों के द्वारा चलाए जा रहे हैं ऐसे मे बीते दिनों फिर एक हादसा हुआ जिसमें प्रसव के दौरान जच्चा बच्चा की मौत हो गई। गर्भवती महिला और नवजात शिशु की मौत के बाद परिजनों ने निजी नर्सिंग होम के संचालक पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। ऐस मे अवैध रूप से नर्सिंग होम चला रहे कुछ लोग पैसे के लालच में डॉक्टरी पेशे को भी लगातार बदनाम करने मे जुटे हैं। हालांकि डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है। लेकिन जब तथाकथित डॉक्टर ही मरीज के जीवन को पैसों में तोलने लगे तो लोगों का डाक्टर से विश्वास उठ जाएगा। जी हां एक ऐसा ही मामला सकेनिया रोड पर स्तिथ अपोलो हॉस्पिटल का सामने आया है जहां प्रसव के दौरान हुई जच्चा बच्चा की मौत की कीमत डॉक्टर ने चार लाख रुपये लगाई है।

> इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर संजीव सरना को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। इसके अलावा जिले से भी एक टीम कार्यवाही के दौरान शामिल रहेगी।
>
> **केके अग्रवाल**
> **मुख्य चिकित्सा अधिकारी**
> **उधम सिंह नगर**

प्राप्त जानकारी के अनुसार बलविंदर सिंह पुत्र हजूर सिंह अपनी पत्नी विमला कोर को प्रसव के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गया था वहां से बलविंदर सिंह अपनी पत्नी को अपोलो अस्पताल ले गया जहां चिकित्सकों ने उसे सही उपचार का आश्वासन देकर अपने हॉस्पिटल में भर्ती कर लिया आरोप है कि डॉक्टर ने नॉर्मल डिलीवरी का आश्वासन दिया लेकिन आरोप है कि गर्भवती महिला की अत्यधिक ब्लडप्रेशर होने के बाबजूद भी डिलीवरी कराई गई जिससे महिला व नवजात की हालत बिगड़ गई और अधिक रक्तस्राव होने से जच्चा और बच्चा दोनों की ही मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा हंगामा देख अस्पताल संचालक के हाथ पांव फूल गए आनन फानन मे कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए जच्चा और बच्चा की मौत की कीमत चार लाख रुपये लगाते हुए परिवार पर राजीनामे का दबाव बनाया जिसमें एक लाख रु नगद और बाकी तीन लाख रु का चेक देकर मामले पर पर्दा डालने का प्रयास किया गया। जिसकी चर्चा क्षेत्र में जोरों पर चल रही है। लोगों का कहना है कि तथा कथित डॉक्टर द्वारा जच्चा और बच्चा के जीवन की कीमत 4 लाख रुपये लगाई गई। अब देखना ये होगा कि जिला प्रशाशन ऐसे हॉस्पिटलों पर कब और क्या कार्यवाही करता है।

फर्जी तरीके से चल रहे नगर के कई अस्पताल

गदरपुर। नगर मे ऐसे कई नर्सिंग होम संचालित हैं, जो अनट्रेड स्टाफ और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में जच्चा बच्चा की जिंदगी से खिलवाड़ करते आ रहे है। शिकायत होने के बाद भी ऐसे अस्पतालों के खिलाफ कार्यवाही करने के बजाए स्वास्थ्य विभाग मुकदर्शक की भूमिका निभा रहा है। जबकि ऐसे नर्सिंग होम के खिलाफ समय-समय पर कार्रवाई की मांग की जाती रही है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग कोई कार्रवाई नहीं करता। हैरानी की बात तो यह है कि नगर में कई ऐसे नर्सिंग होम संचालित है जोकि बड़े-बड़े बोर्ड और ऊंचे डॉक्टर के नाम लिखकर चला रहे हैं लेकिन इन नर्सिंग होम पर एमबीबीएस कोई डॉक्टर नहीं रहता।

आशा कार्यकत्री की भूमिका पर भी उठे सवाल

गदरपुर। नर्सिंग होम मे डिलीवरी के दौरान जैसा बच्चा की हुई मौत मामले में पीड़ित बलविंदर सिंह का आरोप है कि आशा कार्यकती उन्हें इस अस्पताल में लेकर आई थी, लेकिन आशा का कहना है कि वह बाद में पहुंची थी। आशा कार्यकर्ता की भूमिका को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग पर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं। जबकि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव के लिए तमाम इंतजाम किये गए है। विभाग ने नवजात शिशु और मां को लाने और ले जाने की भी व्यवस्था खुशियों की सवारी नामक वाहन के द्वारा कर रखी है, जबकि इन नर्सिंग होम मे स्वास्थ्य सुविधाओं, उपकरणों और आवश्यक दवाओं की भी कमी है ऐसे नर्सिंग होम की पूर्व में भी शिकायत की गई, लेकिन स्वास्थ्य विभाग कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति करता आ रहा है।

एक नजर

विधायक ने किया सीसी मार्ग का लोकार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। विधायक शिव अरोरा ने पीएम श्री राजकीय इटंर कॉलेज बाग. वाला में एनएच 74 से बागवाला इंटर कॉलेज को जाने वाले मुख्य मार्ग का नारियल फोड़कर लोकार्पण किया।

आपको बता दे विधायक निधि से स्वीकृत बागवाला इंटर कॉलेज में यह सीसी रोड जो नौ लाख की धनराशि से बनाई गई है। आज विधायक शिव अरोरा द्वारा उसका विधिवत रूप से लोकार्पण कर बागवाला इंटर कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को समर्पित किया। विधायक आरोरा कहा बाग. वाला इंटर कॉलेज में स्कूल के नये भवन के लोकार्पण अवसर पर आना हुआ है,। उन्होंने कहा इंटर कालेज का मुख्य मार्ग बेहद जर्जर हाल में था, जिससे स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता था। मार्ग निर्माण से काफी राहत मिलेगी। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य राजकुमार चौधरी, राजेश डाबर, हरनाम चौधरी, आयुष चिलाना, धीरेन्द्र मिश्रा, हरीश भट्ट, आशिष कुमार, रामजी वर्मा, रामकुमार शर्मा, बाबू राम सैनी, गुरमीत सिंह, विनोद धामा,भारत धीमान, राजेश तिवारी, राज दुबे, प्रवीण चौधरी, अरविन्द चीमा, हरीश भट्ट, आशीष यादव, दीपक गोस्वामी, माधुरी, धीरेन्द्र मिश्रा, संजय सिंह, अजय वर्मा, कुलदीप चंद, बॉबी कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

डीएलएड प्रशिक्षण हेतु प्रवेश परीक्षा आज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सचिव उत्तराखण्ड शासनए बेसिक शिक्षा देहरादून द्वारा बताया गया है कि द्विवार्षिक डीएलएड प्रशिक्षण हेतु प्रवेश परीक्षा आज 22 नवंबर 2025 (शनिवार) प्रात: 10:00 बजे से अपरान्ह 12:30 बजे तक आयोजित की जा रही है। परगना मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट ने बताया कि जिलाधिकारी द्वारा बताया गया है कि राज्य में द्विवार्षिक डीएलएड प्रशिक्षण हेतु प्रवेश परीक्षा 22 नवंबर 2025 (शनिवार) को विभिन्न परीक्षा केन्द्रों जनता इंटर कॉलेज रुद्रपुर (नोडल केन्द्र), अ.उ.ए. एन.झा. रा.इ.का. रुद्रपुरए श्री गुरूनानक क.इ.का. रुद्रपुर, सनातन धर्म राष्ट्रीय कन्या इ.का. रुद्रपुर में आयोजित की जा रही है, जिसे शान्तिपूर्ण ढंग से सुनिश्चित कराया जाना जनहति में आवश्यक है। प्रभारी उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट ने बताया कि थाना रुद्रपुर/नगर निगम रुद्रपुर क्षेत्रान्तर्गत समस्त परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा के शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं निष्पक्ष आयोजन के उद्देश्य से दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 163 (BNSS) प्रभावी रहेगी जिसके अंतर्गत समस्त परीक्षा केन्द्रों एवं उनके चारों ओर 200 मीटर की दूरी के अन्दर कोई व्यक्ति प्रवेश नहीं करेगा। यह प्रतिबन्ध परीक्षा देने वाले छात्रों एवं ड्यूटी पर तैनात कर्मचारीयों/अधिकारियों/सुरक्षा बलों पर लागू नहीं होगा। कोई व्यक्ति नकल करने एवं नकल कराने में मदद नहीं करेगा। परीक्षा केन्द्रों के अन्दर परिक्षार्थीयों को पाठ्य सामग्री व सेलुलर फोन/मो. फोन तथा पेपर ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

आंगनबाड़ी भवन का ग्राम प्रधान सरनजीत कौर ने किया शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाददाता

दोराहा/बाजपुर। ग्राम कनोरी में आंगनबाड़ी भवन का शिलान्यास किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कनौरी ब्लॉक बाजपुर ग्राम प्रधान सरनजीत कौर व ग्राम विकास अधिकारी लोचन सिंह द्वारा नारियल फोड़कर शुभारंभ किया गया।

ग्राम प्रधान द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि उक्त भवन का निर्माण गुणवत्ता पूर्वक व जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाए। इस मौके पर ग्राम प्रधान पति जगवीर सिंह जग्गा, अशोक, इमरान, अब्दुल, नाजिम व इरशाद आदि लोग मौजूद रहे।

जीएसटी अधिकारी के खिलाफ भड़के व्यापारी

राज्य कर विभाग कार्यालय के समक्ष किया जोरदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। राज्य कर विभाग के एक अधिकारी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा के नेतृत्व में दर्जनों व्यापारियों ने राज्य कर विभाग कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन कर धरना दिया।

अध्यक्ष सुजय जुनेजा का आरोप था कि राज्य कर विभाग का एक अधिकारी पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त है। जिसने व्यापारियों में आतंक मचाया हुआ है। उसका काम केवल पैसों की वसूली करना ही है। संजय ने कहा कि रुद्रपुर की सीमा पर तैनात यह अधिकारी व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहा है। व्यापारियों के सही माल को गलत बताकर सुबह 6 बजे ही रोक ले रहा है और रात्रि 9 बजे बाद छोड़ रहा है। जिससे व्यापारियों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा विगत दिवस इस अधिकारी ने प्रात: 6 बजे ट्रक में लकड़ी को फर्नीचर का बताकर रोक लिया। जब उन्हें बताया गया कि यह लकड़ी सिर्फ जलाने के काम आती दहै तो उसने मानने से इंकार कर दिया और देर सायं तक ट्रक को नहीं छोड़ा। संजय ने बताया कि जब लकड़ी भरे ट्रक की वीडियो बनाकर विभाग के उच्चाधिकारियों को भेजी गई तो इसके बाद दबाव बनने पर ट्रक को छोड़ा गया। अध्यक्ष संजय ने कहा कि यह भ्रष्ट अधिकारी सही व्यापारी को भी चोर साबित करने में लगा रहता है। जिसे बर्दाशत नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा विभाग जीएसटी बचत उत्सव कार्यक्रम एक दिखावा मात्र है। यहां सीमा पर विभाग को माह में डेढ़ करोड़ रूपये जीएसटी संग्रह का लक्ष्य दिया गया है जिसे पूरा करने के लिए अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त रहकर कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं।

उन्होंने कहा यदि विभाग के भ्रष्ट अधिकारी ने अपना रवैया नही बदला तो उसके खिलाफ व्यापारी मोर्चा खोल देंगे। धरना प्रदर्शन करने वालों में धरना प्रदर्शन करने वालों में राजेश घीक, राजकुमार सीकरी, नवीन बांगा, विजय फुटेला, प्रदीप कामरा, चेतन खनीजो, शालिग्राम बंसल, सागर अरोरा, मनीष बांगा, विशाल हुडिया, सुमित अरोरा, जिम्मी ठुकराल, सुरमुख सिंह विर्क, हरीश अरोरा, पवन गाबा, जतिन नागपाल, शिवेन् सेठी, लवली परुथी, निर्मल सिंह हंसपाल, गौरव गांधी, पारस अरोरा आदि शामिल थे।

उत्तराखंड में कर्मचारियों पर एस्मा लागू

> **कांग्रेस ने भाजपा सरकार का पुतला फूंका, कहा कि लोकतंत्र की हत्या**

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। उत्तराखंड राज्य में कर्मचारियों की हड़ताल पर छह महीने के प्रतिबंध के बाद राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। प्रदेश सरकार द्वारा कर्मचारियों पर एस्मा लागू किए जाने के विरोध में शुक्रवार को रामनगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत के नेतृत्व में भाजपा सरकार का पुतला दहन किया। इस दौरान कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया और सरकार के खिलाफ बड़े जन आंदोलन की चेतावनी दी। रामनगर में आयोजित विरोध कार्यक्रम में पूर्व विधायक व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणजीत सिंह रावत ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया।उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र की लगातार हत्या कर रही है।कर्मचारियों की मांगें उठाने वालों पर एस्मा लगाकर सरकार ने तानाशाही रवैया दिखाया है, यह पूरी तरह लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगले दिनों में सरकार के इस फैसले के खिलाफ प्रदेशव्यापी जन आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्मचारी अपनी समस्याओं, समय पर प्रमोशन, वेतन और सेवा संबंधी मुद्दों को लेकर आवाज उठा रहे थे, ऐसे समय में सरकार का एस्मा लागू करना उनके अधिकारों को दबाने का प्रयास है। हालांकि कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने कर्मचारियों की समस्याएँ सुनने के बजाय डराने का रास्ता चुना है। रणजीत सिंह रावत ने कहा कि यदि सरकार ने इस काले कानून को वापस नहीं लिया, तो कांग्रेस सड़क से लेकर विधानसभा तक बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी। कांग्रेस ने एस्मा को तुरंत निरस्त करने की मांग की और कहा कि लोकतंत्र में विरोध जताना कर्मचारियों का अधिकार है। इस दौरान कांग्रेस नगर अध्यक्ष भुवन शर्मा, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देशबंधु रावत, भुवन पांडे, जावेद खान, अनिल अग्रवाल, हरदीप सिंह, बाबर खान, गुलाम सादिक, ममता आर्य,नजाकत अली,चांद खान,मोहम्मद गाजी, ओमप्रकाश आर्यवंशी, शोएब रजा, सतेश्वरी रावत, धीरज उपाध्याय, सुमित तिवारी, वीरेंद्र लटवाल, धाराबल्लभ पांडे आदि मौजूद रहे।

आरएएन स्कूल में वार्षिक खेल दिवस उत्साहपूर्वक सम्पन्न

- त्रिशूल हाउस को किया गया सर्वश्रेष्ठ हाउस घोषित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। आरएएन पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल दिवस बड़े उत्साह और ऊर्जा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मशाल प्रज्वलन तथा मुख्य अतिथि विद्यालय के संस्थापक विंग कमांडर एचके राय और विशेष अतिथि प्रबंधक मोि. हत राय एवं कर्नल एसके सेहगल के स्वागत से हुई। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने सच्ची खेल भावना के साथ भाग लेने की शपथ ली।

मार्च पास्ट, ताइक्वांडो, ड्रिल और योग प्रदर्शन ने दर्शकों को आकर्षित किया। खेल दिवस के विशेष आकर्षण के रूप में चारों हाउसेज द्वारा प्रस्तुत पिरामिड प्रदर्शनों ने टीम वर्क, भरोसा और संतुलन का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, नृत्य प्रस्तुति और मधुर गीत ने पूरे वातावरण में जोश, उत्साह और मधुरता भर दी, जिससे कार्यक्रम और भी जीवंत हो उठा।

विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं, टग ऑफ वॉर और रिले रेस में छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विजेता छात्रों को स्वर्ण, रजत, कांस्य पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। त्रिशूल हाउस को सर्वश्रेष्ठ हाउस घोषित किया गया, जबकि स्पोर्ट्स मीट में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु चेतक हाउस को ट्रॉफी प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ एथलीट को भी ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। विद्यालय के संस्थापक विंग कमांडर एचके राय, प्रबंधक मो. हित राय तथा प्रधानाचार्या भावना भानोट ने छात्रों का उत्साह वर्धन करते हुए उन्हें अनुशासन, एकता और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

प्रधानाचार्या ने मुख्य अतिथियों और स्कूल प्रबंधन का विद्यार्थियों को प्रेरित करने और अपना बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद किया।

चेयरमैन गित्ते ने दिया आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के धरने को समर्थन

- जल्द पूर्ण की जाएं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांगें

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। छह सूत्रीय मांगों को लेकर तहसील परिसर में चल रहे आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के धरने को चेयरमैन गुरजीत सिंह 'गित्ते' ने अपना पूर्ण समर्थन दिया। उन्होंने अंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांगों को जायज बताते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांगों को तत्काल पूर्ण करने का अनुरोध किया।

बता दें कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को राज्य कर्मचारी घोषित किये जाने, मानदेय वृद्धि पर गठित समिति की रिपोर्ट की जानक. ारी दिए जाने, सुपरवाईजर के रिक्त पदों पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को पदोन्नत कर भरे जाने, सेवानिवृत्ति पर पेंशन सुविधा दिये जाने, ग्रेच्युटी का लाभ दिये जाने, फेस कैप्चर प्रणाली को बंद किये जाने की मांग को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उत्तराखण्ड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के बैनर तले धरनारत है।

संघ की जिलाध्यक्ष मंजू गोस्वामी ने कहा कि जल्द मांगें पूर्ण न हुई तो आंदोलन को उग्र किया जाएगा।

इस मौके पर ललिता भट्ट, कविता मौर्य, सुनीता, पूनमलता, गुलशन, राजकुमारी, दयावती, नेम. वती, ऊषा, सोमवती, शौकीन जहाँ, सरिता, रामवती, पूनम शर्मा, देवकी, शिवानी, गुलफिजा, विरमा देवी आदि उपस्थित रही।

खटीमा में आसपा का द्वितीय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

- संगठन का विस्तार और मजबूत करने का लिया गया संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार पार्टी के द्वितीय कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रतिभाग करने के लिए शुक्रवार को खटीमा पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

बेस्ट व्यू होटल में आजाद समाज पार्टी भीम आर्मी का द्वितीय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ। इस दौरान आगामी चुनाव को लेकर गहन चर्चा की गई। वहीं आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने राजा गौतम को पार्टी का विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया। जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने कहा कि जल्द ही शेष पदों पर नियुक्ति करते हुए संगठन का विस्तार किया जाएगा तथा एक मुहिम चलाकर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का भी प्रयास किया जाएगा। साथी उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन का विस्तार करने और संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। इस मौके पर सुनील कुमार, अजय कुमार, तुलसी राय, जितेंद्र, बृजेश, सावित्री, कमला देवी, आरती देवी, जितेंद्र सिंह, देवशरन, कमलेश प्रसाद, मुरारी प्रसाद, मनोहर तथा प्रदीप आदि उपस्थित रहे।

एसके पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय अंतरविद्यालयी खेल प्रतियोगिता शुरू

- 34 विद्यालयों के 1700 खिलाड़ियों ने किया प्रतिभाग

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। एसके पब्लिक स्कूल, मझोला में तीन दिवसीय अंतर विद्यालयी प्रतियोगिता का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कैप्टन राणा करन सिंह (आर्मी कैम्प, बनबसा) तथा विशिष्ट अतिथिगण उत्तराखंड किसान आयोग के उपाध्यक्ष राजपाल सिंह, गुलरिया भंडारा नगर पंचायत अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात गुब्बारे उड़ाकर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारम्भ किया गया।

इस प्रतियोगिता में पीलीभीत, पूरनपुर, खटीमा, सितारगंज, रुद्रपुर एवं बहेड़ी क्षेत्र के 34 विद्यालयों के कुल 1700 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कैप्टन राणा करन सिंह ने उद्घाटन संबोधन में सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया तथा उन्हें खेल भावना, ईमानदारी एवं अनुशासन का पालन करने की शपथ दिलाई। प्रथम मैच का उद्घाटन रस्सा-कस्सी से किया गया, जिसके पश्चात उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। नगर पंचायत अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों से अधिकाधिक खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया और खेलों को उज्ज्वल करियर निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधक जगजीत सिंह को इस उत्कृष्ट आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी। विद्यालय के प्रबंधक जगजीत सिंह ने कहा कि खेल भावना एक ऐसा दृष्टिकोण है जो ईमानदारी, नैतिकता, सत्यनिष्ठा एवं अनुशासन के साथ खेलने की प्रेरणा देता है। खेल का वास्तविक उद्देश्य जीतना नहीं, बल्कि सहभागिता और सीखना है। वहीं विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजेन्द्र सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि खेल प्रतियोगिताएँ न केवल शारीरिक क्षमता को सुदृढ़ बनाती हैं, बल्कि मानसिक स्फूर्ति, आत्मविश्वास तथा सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को भी विक. सित करती हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर ही सभी कार्यों के सफल सम्पादन का आधार है। उनके उद्बोधन के उपरांत प्रथम दिवस की प्रतियोगिताओं का औपचारिक आरम्भ हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहन चन्द्र तिवारी ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

6वें राज्य वित्त आयोग की बैठक सम्पन्न

मास्टर प्लान @2045, शहरी विकास और स्व-राजस्व बढ़ाने पर जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। 6वें राज्य वित्त आयोग की जिला स्तरीय बैठक शुक्रवार को विकास भवन सभागार में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष एन. रवि शंकर (सेवानिवृत्त मुख्य सचिव) ने की। आयोग सदस्य पीएस जंगपांगी और डा. एमसी जोशी भी बैठक में उपस्थित रहे। नगर निकायों और जिला पंचायत के जनप्रतिनिधियों समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

बैठक के दौरान नगर निगम की मेयर कल्पना देवलाल ने आयोग अध्यक्ष व सदस्यों को शाल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मेयर ने नगर निगम द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों, नवाचारों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी भी प्रस्तुत की। अध्यक्ष रवि शंकर ने कहा कि राज्य को प्राप्त वित्तीय संसाधनों का उपयोग सतत, पारदर्शी और परिणाम-केंद्रित तरीके से होना चाहिए। उन्होंने नगर निकायों से टैक्स कलेक्शन को तकनीक आधारित बनाने और केंद्र-राज्य योजनाओं के प्रभावी समन्वय पर जोर दिया। बैठक में आने वाले 20 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दोनों नगरों के लिए GIS आधारित मास्टर प्लान @2045 तैयार करने की जरूरत पर बल दिया गया। आयोग का मत है कि जनसंख्या वृद्धि, यातायात दबाव और संसाधन प्रबंधन को देखते हुए विज्ञान-आधारित, संतुलित और योजनाबद्ध शहरी ढांचा आवश्यक है। अध्यक्ष ने कहा कि स्थानीय निकाय स्थायी और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करें और स्व-राजस्व बढ़ाने के नए साधन अपनाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निकाय निधियों का व्यय केवल आवश्यकता और परिणाम-आधारित कार्यों में ही किया जाना चाहिए, ताकि संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके।

बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिनमें पिरुल ब्रिकेटिंग उत्पादन क्षमता बढ़ाना, स्वयं सहायता समूहों (SHG) को आर्थिक रूप से मजबूत करना, सिटी बस सेवा शुरू करने की संभावनाएं, नई सार्वजनिक लाइब्रेरी निर्माण शामिल रहे। आयोग ने सामुदायिक परिसंपत्तियों के विकास को स्थानीय जरूरतों के अनुरूप प्राथमिकता देने की बात कही। रवि शंकर ने जिले में सार्वजनिक पुस्तकालयों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए सुझाव दिया कि राजकीय विद्यालयों को विद्यालय समय के बाद पब्लिक लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। आयोग ने ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कचरा निस्तारण से जुड़े व्यवहार में सुधार के लिए ग्राम स्तर पर जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। बैठक में मेयर कल्पना देवलाल, नगरपालिका अध्यक्ष बेरीनाग हेमवती पंत, अध्यक्ष नगर पंचायत धारचूला शशि थापा, अध्यक्ष नगर पंचायत गंगोलीहाट विमल कुमार सिंह रावल, जिला विकास अधिकारी रमा गोस्वामी, जिला पंचायत राज अधिकारी हरीश आर्या सहित विभिन्न निकायों के प्रतिनिधि और पार्षदगण उपस्थित रहे।

संस्कृत प्रतियोगिताओं ने बढ़ाई भाषा के प्रति निष्ठा

श्लोकोच्चारण, आशुभाषण और वाद विवाद में छलकी प्राचीन समृद्ध परंपरा

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। राबाइका लोहाघाट में कनिष्ठ वर्ग की जनपदीय प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष आनन्द सिंह अधिकारी, सीईओ एमएस बिष्ट, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद वर्मा, बीईओ घनश्याम भट्ट, पूर्व प्रधानाचार्य वासुदेव ओली, दीप पुनेठा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन हरीश चन्द्र कलौनी एवं प्रकाश चन्द्र उपाध्याय ने किया।

जनपद संयोजक वेद प्रकाश पंत, सह संयोजक सामश्रवा आर्य, चारों खंड संयोजक तथा भगवान जोशी ने सभी अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत किया। पूर्व जनपद संयोजक हरीश कलौनी ने कहा कि आज जब वैश्विक स्तर पर भारत की ज्ञान-परंपरा की चर्चा हो रही है, संस्कृत का महत्व और बढ़ गया है। जनपद संयोजक वेद प्रकाश पंत ने कहा कि विद्यालयों में ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को न केवल भाषाई दक्षता देते हैं बल्कि भारतीय ज्ञान-विज्ञान से भी जोड़ते हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में खंड संयोजक राजू शंकर जोशी, गोपाल दत्त पंतोला, पंचदेव पाण्डे, कमल जोशी, भगवान जोशी आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में निर्णायक एवं अभिलेखीकरण में डा. अवनीश शर्मा, हेम पाण्डेय, हरीश चन्द्र कलौनी, लीला कांडपाल, हरिहर भट्ट, नवीन जोशी, विद्यासागर लोहनी, नरेन्द्र नाथ गोस्वामी, ललित मोहन, ओम प्रकाश, बसंत पाण्डेय, दीपा पाण्डेय, प्रकाश चन्द्र उपाध्याय, दिनेश जोशी, प्रदीप ढेक, भुवन चंद्र पंत, नीता लोहनी, सुभाष गोस्वामी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक नजर

खेतीखान, पाटी एवं देवीधुरा में नए कांग्रेस जिलाध्यक्ष का किया गया गर्मजोशी से स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। कांग्रेस के नए जिलाध्यक्ष चिराग फर्त्याल का खेतीखान, पाटी एवं देवीधुरा आदि स्थानों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। उन्होंने अपने भ्रमण के दौरान भाजपा पर सीधा हमला बोलते हुए आंप्शनल कर्मीयों पर एस्मा थोपने की कड़े शब्दों में निन्दा की कहा इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है। कहा जिन उपनल कर्मीयों ने भाजपा को सत्ता में लाने का कार्य किया था उन्हीं युवाओं के उपर एस्मा थोप कर अब भाजपा ने अपनी कब्र खोद ली है।

उन्होंने कहा उपनल कर्मीयों की न्यायोंचित मांगों को पूरा करने के लिए कांग्रेस उन पिछे चट्टान की तरह खड़ी रहेगी। देवीधुरा बाजार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष चिराग सिंह फर्त्याल के नेतृत्व में कांग्रेस ने व्यापक जनसंपर्क चलाते हुए भाजपा सरकार पर सीधा हमला बोला। कांग्रेस ने बेरोजगार ऑप्शनल कर्मियों पर एस्मा लागू करने को लोकतंत्र विरोधी कदम बताते हुए कहा कि सरकार युवाओं की आवाज से डर रही है और उन्हें दबाने के लिए दमनकारी कानूनों का सहारा ले रही है। यहां मुकेश जोशी, नन्द किशोर, रमेश, राम प्रकाश मेहरा, गोकुल कोहली, मनोज मेहता, दीपक चन्द्र, नरेंद्र नाथ सिंह, गंगा सिंह, मुरली मनोहर, कैलाश चन्द्र, मदन बोहरा, आशिष भट्ट आदि मौजूद रहे।

स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ के तहत निकाली पदयात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। प्रभारी दर्जा राज्य मंत्री दीपक मेहरा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मेलाघाट स्थित बुद्ध विहार पर पहुंचकर भगवान बुद्ध एवं डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया तत्पश्चात बुद्ध विहार पार्क से मेलघाट बस स्टैंड तक स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ कार्यक्रम के तहत पदयात्रा निकाली।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सरदार वल्लभ भाई पटेल व डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की अमर रहे के नारे भी लगाए। स्वदेशी वस्तुओं को दैनिक जीवन में उपयोग में लाने के उद्देश्य से लोगों को जागरुक भी किया गया। वहीं बस स्टैंड के पास राष्ट्रगान के साथ यात्रा का समापन किया गया। वहीं प्रभारी दर्जा राज्य मंत्री दीपक मेहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने एवं स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपने जीवन में अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए जिससे हमारे देश के राजस्व में वृद्धि हो और हम अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों पर निर्भर बन सकें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत नेपाल सीमा के अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर मेलाघाट में रैली निकालने का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को इस मुहिम में जोड़ने का प्रयास है। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता दान सिंह रावत, कार्यक्रम के प्रभारी रविंद्र राणा, प्रकाश आर्य, नवल वाल्मीकि, जीवन धामी, मनोज वाधवा, विवेक रस्तोगी, नंदन सिंह खड़ायत, सतीश भट्ट, रमेश जोशी, रवीश भटनागर, मनोज शाही, राहुल सक्सेना, तारा बिष्ट, धन सिंह, प्रवीण शर्मा, हरी प्रसाद, जंग बहादुर, सुरेश कुमार, रत्नेश कुमार, राम सजीवन आदि उपस्थित रहे।

आसाम राइफल्स के जवान का दिल का दौरा पड़ने से निधन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। तीन दिन पूर्व छुट्टी पर घर आये आसाम राइफल्स के वारंट आघफिसर का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

शुक्रवार को झनकट निवासी पुष्कर सिंह डांगी(53) पुत्र खेमसिंह डांगी सीएसडी कैन्टीन में सामान लेने आये थे। लेकिन कैन्टीन बंद होने के कारण घर वापस जाने के लिए कोतवाली के सामने प्राईवेट बस में बैठने लगे। इसी दौरान लड़खड़ाते हुए बस से नीचे उतरे और जमीन पर गिर गये। वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने उन्हे उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के कार्ड से शिनाख्त कर घटना की सूचना परिधानों को दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन व रिश्तेदार अस्पताल पहुंचे। इधर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। जवान की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक पुष्कर सिंह डांगी, मूलरूप से बेरीनाग थल डीडीहाट के निवासी थे। कुछ साल पूर्व अपने परिवार के साथ स्थाई रूप से झनकट में बस गये थे। मृतक वारंट आघफिसर डांगी 21 आसाम राइफल्स में कार्यरत थे और वर्तमान में मणिपुर में तैनात थे। वह तीन दिन पूर्व ही छुट्टी पर घर आये थे। वह अपने पीछे मां कौशिल्या देवी, पत्नी नीमा, पुत्री रोशनी, पुत्र विनोद व गौरव को रोता बिलखता छोड़ गए हैं।

बाल सप्ताह का रंगारंग समापन प्रतिभाशाली नौनिहाल हुए सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। जू.हा. फोर्ती में विश्व बाल दिवस के अवसर पर आयोजित चिल्ड्रंस वीक का समापन शुक्रवार को हर्षोल्लास और सम्मान समारोह के साथ हुआ। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान रेनू बगौली तथा प्रधानाध्यापक लक्ष्मण सिंह मेहता द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

विद्यालय परिसर बच्चों की प्रस्तुतियों, उत्साह और तालियों की गूंज से सराबोर रहा। सप्ताह के प्रथम दिवस आयोजित म्यूजिकल चेयर, जिग-जैग दौड़, ग्लास पिकअप चौलेंज, बाल थ्रो ऑन द ग्लास और क्रिकेट प्रशिक्षण में छात्रों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन प्रतियोगिताओं में नितिन और पारस का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। दूसरे दिन कुमाऊंनी पहेलियों और 'आन बात' कार्यक्रम ने बच्चों की लोक-संस्कृति से जुड़ाव को दर्शाया, जिसमें चित्रा, प्रियांशु, पाश्वी और रवि की प्रस्तुतियों को खूब सराहा गया। तीसरे दिन हुई क्विज प्रतियोगिता में टैगोर सदन के रवि जोशी की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि गांधी सदन की हिमानी की टीम उपविजेता बनी। चौथे दिन की चम्मच दौड़ एवं सुई-धागा दौड़ में लक्ष्मण, निशा, हिमानी और प्रियांशु विजेता रहे। विश्व शौचालय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में हिमानी, कविता और दिव्या ने क्रमशः प्रथम तीन स्थान प्राप्त किए।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि रेनू बगौली एवं विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता योगेश बगौली ने सभी विजयी छात्र-छात्राओं को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। प्रधानाध्यापक मेहता ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार जताते हुए विद्यालय की प्रमुख समस्याओं-वर्षा में गिरी सुरक्षा दीवार, टूटे हुए फर्श में टाइल लगाने की आवश्यकता, कक्षाओं पर पेड़ों की छाया से पड़ने वाली बाधा और मार्च से रिक्त पड़े शिक्षक पदख्र के समाधान हेतु विभाग से सहयोग की मांग की। अतिथियों ने विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए बच्चों को लक्ष्य, अनुशासन और नियमित अध्ययन के मंत्र दिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका इंद्रा आर्या, जया जोशी, बीएड प्रशिक्षु सीमा उपाध्याय, राखी विश्वकर्मा सहित समस्त विद्यालय स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

स्वतंत्रता सेनानी के परिजनों को अब तक नहीं मिला लाभ

सरकारी सूची में नाम शामिल न होने से गहराया आक्रोश

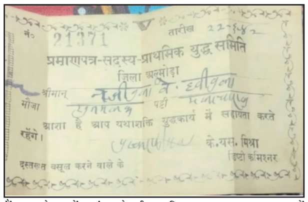

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सेनानी का परिवार आज भी उपेक्षा का सामना कर रहा हैं। जिसके चलते जनपद चंपावत के स्वतंत्रता सेनानी के परिजनों को शासन की ओर से मिलने वाली मान्यता, पेंशन एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब तक नहीं मिल पाया है।

परिजनों का आरोप है कि वर्षों से प्रयास करने के बावजूद उनके परिजन अभी तक अधिकृत सरकारी सूची में शामिल नहीं किए गए हैं। आपको बता दें स्वतंत्रता सेनानी नजीबुल्लाह पुत्र हबीबुल्लाह के पुत्र रहमतुल्लाह एवं पुत्री बशीरन खातून का कई वर्ष पूर्व इंतकाल हो गया है। परिवार में पहली पीढ़ी की बात की जाए तो केवल एक पुत्री सहिदन खातून अभी जीवित है। लेकिन पहली पीढ़ी के मृतक रहमतुल्ला के पांच बच्चे जिसमें मोहम्मद रफीक, मोहम्मद लतीब, मोहम्मद नजीर, पुत्री अनीशा खातून, रहीसन खातून तीन पुत्र एवं दो पुत्री ग्राम पंचायत मनिहार गोठ में निवासरत हैं। स्वतंत्रता सेनानी नजीबुल्लाह की पुत्री 80 वर्षीय सहिदन खातून ने बताया कि स्वतंत्रता सेनानियों की शहादत और बलिदान का सम्मान करना सरकारों की जिम्मेदारी है, लेकिन उनका परिवार अब भी पहचान और अधिकार के लिए संघर्ष कर रहा है। जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संगठनों ने भी इस उपेक्षा को गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि यदि शासन-प्रशासन जल्द कार्रवाई नहीं करता तो मामला उच्च स्तर पर उठाया जाएगा। परिजनों ने जिलाधिकारी से गुहार लगाते हुए मांग की है कि स्वतंत्रता सेनानी के नाम को तुरंत सूचीबद्ध कर परिवार को सभी वैधानिक लाभ दिया जाए, ताकि स्वतंत्रता आंदोलन की गौरवशाली विरासत सम्मानपूर्वक आगे बढ़ सके।

खटीमा में अलग-अलग सड़क हादसों में चार घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोग घायल हो गए। जिसमें एक युवक की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।

शुक्रवार को भुजिया नंबर तीन निवासी प्रेम शाही उम्र 23 वर्ष व लोकेश बम उम्र 20 वर्ष बाइक से सीएसडी कैंटीन बनबसा जा रहे थे। इसी बीच कुटरी के पास पेहनिया-कुटरी बाइपास पर बनबसा की ओर से आ रहे कार ने उनकी बाइक में सामने से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची आपातकालीन सेवा 108 ने दोनों घायलों को उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद लोकेश बम की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं चिकित्सकों ने घायल प्रेम शाही का प्राथमिक उपचार के बाद हालत सामान्य होने पर छुट्टी दे दी। इधर दो अन्य सड़क हादसों में राजीव नगर निवासी 32 वर्षीय रेनू पत्नी मोहन सिंह व चकरपुर निवासी तनुजा उम्र वर्ष 14 पुत्री मोहन राम घायल हो गई। घायलों को आपातकालीन सेवा 108 ने उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने दोनों का प्राथमिक उपचार के बाद हालत सामान्य होने पर छुट्टी दे दी।

एक जुटता से ही खत्म होगा नशे का कारोबार: गाबा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सुशील गाबा ने कहा कि पूरे परिवार, रुद्रपुर तथा आसपास के क्षेत्र में- नशा आज के समाज की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है। यह केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समुदाय और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करता है। ऐसी स्थिति में यदि जनता बिखरी रहे, अलग-अलग प्रयास करे या चुप बैठी रहे, तो नशे जैसी गहरी जड़ पकड़ चुकी बुराई को मिटाना लगभग असंभव हो जाता है। इसलिए नशे के खिलाफ जनता की एकजुटता सबसे बड़ा हथियार है।

अगेंस्ट ड्रग्स के सुशील गाबा ने वार्ड 37 के दरियानगर क्षेत्र में अपने जनजागरूकता अभियान के दौरान लोगों के सामने रखा। अफीम, चरस, गांजा, स्मैक, नशीले इंजेक्शन जैसे सूखे नशे व अवैध कच्ची शराब के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया। समाजसेवी हरमीत रंधावा की अध्यक्षता तथा जगदीश तनेजा के संचालन में हुई बैठक में बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति, युवाशक्ति एवं वरिष्ठ नागरिकों नें एकजुट होकर सूखे नशे को वार्ड से बाहर खदेड़नें का संकल्प लिया गया। इस दौरान राधे श्याम प्रसाद, सुग्रीव गुप्ता, नंद लाल शर्मा, जावेद अख्तर, नेहा सामंत, गौरव शुक्ला, अजय श्रीवास्तव, संजय गुप्ता, रामनाथ कश्यप, पूरन चन्द्र सनवाल, चन्द्रशेखर लोहनी, सुमित बजाज, अन्सब पाशा, सागर कालरा, विशाल, विराट, मनीष, । तरूण नेगी, करन कुमार, सन्तोष कुमार, शंकर सरकार, सोनू भाकुनी, अशोक कुमार, राखी, दीपक न पाण्डेय, पाठक जी, राजू प्रसाद, रवि शर्मा, मोना मैसी, राखी विश्वास, उर्मिला साहनी, कंचन विश्वास, चंपा लोहनी, आशा सरकार, मीनू मैसी समेत बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाई गई सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आज महुआडाबरा मंडल और नगर मंडल के अंतर्गत एकता पदयात्रा हर्षोल्लास और धूमधाम से निकाली गई। पदयात्रा में लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के बताए हुए रास्तों पर चलने का आह्वान किया गया यात्रा में शामिल लोगों द्वारा भारत माता की जय वंदे मातरम के नारे लगाए गए जिससे माहौल राष्ट्रमय बन गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज पाल, पूर्व विधायक डॉक्टर शैलेंद्र मोहन सिंघल, जिला पंचायत सदस्य चरणजीत सिंह, राजकुमार गुंबर, प्रमुख तीरथ सिंह,पूर्व प्रमुख गुरताज भुल्लर ,जिला उपाध्यक्ष विनीत चौहान,मेघा वाला भरतपुर मंडल अध्यक्ष हरप्रीत सिंह हैप्पी, नगर मंडल अध्यक्ष राजकुमार चौहान, महामंत्री रवि मनी समेत दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता/क्षेत्रीय नागरिक शामिल रहे।

फीकापार सहकारी समिति के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए मनोज चौहान

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। फीकापार सहकारी किसान सेवा समिति लिमिटेड के चुनाव में मनोज कुमार चौहान अध्यक्ष व भूपेंद्र सिंह उपाध्यक्ष चुने गए गुरुवार को समिति परिषद में हुए अध्यक्ष चुनाव में सर्व सम्मति से 11 डेली गेट ने मनोज कुमार चौहान को निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जस पुर फीका पार समिति एमपेक्स के अंतर्गत 11 निर्वाचन क्षेत्र से 3882 सदस्य किसान लेनदेन करते हैं यही किसान मतदान कर अपने-अपने क्षेत्र के डेलीगेट चुनते हैं पिछली बार 09 डेली गेट निर्विरोध चुने जाने के बाद सिर्फ निर्वाचन क्षेत्र पूरनपुर व गूलरभोजी में चुनाव हुआ था जिसमें पूरनपुर में लोकेश सिंह व लव कुमार के बीच मुकाबले में लोकेश सिंह विजयी हुए निर्वाचन क्षेत्र गूलरभोजी में सुनीता देवी व मनीष के बीच चुनाव हुआ जिसमें सुनीता देवी विजय हुई एमपेक्स के एमडी अरुण कुमार सोलंकी ने बताया कि समिति अध्यक्ष मनोज कुमार चौहान निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं उनके अध्यक्ष चुने जाने पर पूर्व विधायक डॉक्टर शैलेंद्र मोहन सिंघल, ब्रह्मानंद लोहारी पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष, अनिल प्रधान, जितेंद्र चौधरी,जिला पंचायत सदस्य सनी प्रधान व दर्जनों लोगों ने फूल मालाए डालकर उनका स्वागत किया।

सड़क दुर्घटना में वनकर्मी की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। नेशनल हाईवे 309 पर पिरूमदारा के पास शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना में वनकर्मी मनीष बिष्ट पुत्र नारायण सिंह बिष्ट उम्र 35 वर्ष की मौत हो गई।

तराई पश्चिम वन प्रभाग आमपोखरा रेंज का बुलेरो वाहन यूके04जीडी 165 और एर्टिका कार (यूके 19टी ए 1342 की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई ।टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। बुलेरो वाहन में सवार चालक वनकर्मी मनीष बिष्ट की मौके पर ही मौत हो गई। मनीष बिष्ट पुत्र नारायण सिंह बिष्ट मूल रूप से रामनगर के चिल्लकिया क्षेत्र के रहने वाले थे और वन विभाग तराई पश्चिमी वन प्रभाग में ड्राइवर के पद पर तैनात थे। शुक्रवार तड़के उन्हें आमपोखरा रेंज में अवैध कटान और तस्करों की गतिविधि की सूचना मिली थी, जिसके बाद वह रामनगर से हल्दुआ चौकी में अन्य वनकर्मियों को लेने के लिए बुलेरो वाहन लेकर निकले थे। इसी दौरान पिरूमदारा के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार एर्टिका कार ने गलत साइड में आकर उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार सुशीला देवी पत्नी राधे राम निवासी पौड़ी गढ़वाल, आनंद बल्लभ जोशी निवासी इंद्रपुरण गाजियाबाद और धर्मेंद्र सिंह पुत्र गोपाल सिंह निवासी थैलिसैण पौड़ी गढ़वाल घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से संयुक्त चिकित्सालय रामनगर लाया गया। डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए सुशीला देवी और आनंद को हायर सेंटर रेफर कर दिया,वही धर्मेंद्र सिंह को भर्ती कर उपचार चल रहा है।

वनकर्मी मनीष की मौत से वन विभाग में शोक की लहर है। उनके घर में भी कोहराम मचा हुआ है। मनीष अपने पीछे एक पुत्र और परिवार को छोड़ गए हैं। घटनास्थल पर पहुंचे रेंजर पूरन सिंह खनायत ने बताया कि तड़के तस्करों की हरकतों को देखते हुए मनीष अन्य वनकर्मियों को लेने के लिए जा रहे थे, तभी सामने से आई एर्टिका कार तेज रफ्तार में गलत साइड से आ गई और टक्कर हो गई। संयुक्त चिकित्सालय के सीएमएस डा. विनोद कुमार टम्टा ने बताया कि कुल चार लोग अस्पताल लाए गए थे, जिनमें एक को मृत घोषित किया गया। दो मरीजों को हायर सेंटर भेजा गया और एक घायल प्राथमिक उपचार के बाद बाहर चला गया। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहनों को कब्जे में ले लिया है। उन्होंने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक के परिजनों की और से तहरीर मिलने पर मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

रुद्रपुर को स्मार्ट सिटी बनाना प्राथमिकता: विकास शर्मा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। मेयर विकास शर्मा ने शुक्रवार को वार्ड-40 में पार्षद वीनू सिंह के साथ सिडकुल मटकोट फार्म स्थित शिव मंदिर परिसर में छठ पूजा घाट निर्माण कार्य की नींव रखी। वार्ड-11 खेड़ा में पार्षद नीतू राय के साथ क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण, वार्ड 23 रम्पुरा में पार्षद अंजलि कोली संग सीसी सड़क एवं नाली निर्माण तथा वार्ड-21 में नाली व पुलिया निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। वार्ड-26 मॉडल कॉलोनी में भी मेयर ने सीसी सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कराया।

कानून व्यवस्था की मुस्तैदी से हो मॉनिटरिंग

अपराधों पर लगाया जाए अंकुश, ग्राउंड ज़ीरो पर हो पुलिसिंग: एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। जिल के पुलिस कप्तान डा. मंजूनाथ टीसी ने शुक्रवार को पुलिस लाईन में जिलेभर के अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की। इस दौरान उन्होंने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अपराधों पर अंकुश लगाएं तथा ग्राउंड जीरो पर पुलिसिंग की जाय। कहा कि कर्मचारियों के वेलफेयर पर फोकस करते हुए कर्मचारियों का यात्रा भत्ता, चिकित्सा प्रतिपूर्ति समय पर भुगतान किए जाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। यह भी निर्देशित किया गया कि किसी भी कर्मी की यदि वेतन विसंगति हो तो उसका शीघ्र समाधान करें। उन्होंने पुलिस अधीक्षक नैनीताल एवं पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी को कानून व्यवस्था की सख्ती से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। कहा कि गुंडा प्रवृति व अराजक तत्वों के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही हो तथा पीड़ित को त्वरित न्याय मिलना चाहिए।कहा कि निरोधात्मक कार्यवाही तथा आबकारी, जुआ व अन्य अधि. नियमों के अंतर्गत अधिक से अधिक कार्यवाही करें। पुलिस कप्तान ने कहा कि सभी क्षेत्राधिक.ारी अपराध समीक्षा बैठक से पूर्व अपने स्तर पर भी सर्किल के थानों की समीक्षा कर लें। कहा कि आगामी पर्यटन सीजन के मद्देनजर सभी थाना प्रभारी जनपद में प्रत्येक थाना क्षेत्र (विशेषकर पर्यटन स्थलों) में यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखें। प्रभावी डाइवर्जन, स्टॉपेज प्वाइंट तथा पार्किंग एरिया पर फोकस करें।

उन्होंने प्रभारी निरीक्षक हल्द्वानी एवं चौकी इंचार्ज टीपी नगर को निर्देशित किया गया कि बेलबाबा से सुशीला तिवारी तक कोई भी वाहन अनावश्यक खड़ा न रहे। कहा कि सभी क्षेत्राधिकारी अपने-अपने सर्किल में संभ्रांत व्यक्तियों के साथ बैठक लेकर यातायात व्यवस्था को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाली समस्याओ पर जोर दें और उसका समाधान निकालें। कहा कि छात्रों की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए स्कूल खुलते और बंद होते समय क्षेत्र की चीता मोबाइल को प्रभावी रखने के थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में एसपी क्राइम/यातायात डा. जगदीश चन्द्रा, एसपी हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल, एसपी संचार रेवाधर मठपाल, सीओ हल्द्वानी नितिन लो.हनी, सीओ रामनगर सुमित पांडे, सीओ नैनीताल अमित कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौरव किरार, प्रतिसार निरीक्षक हरकेश सिंह, निरीक्षक एलआईयू ज्ञानेंद्र शर्मा तथा राजकुमार बिष्ट व प्रतिसार निरीक्षक पुलिस दूरसंचार समेत सभी थाना, चौकी तथा शाखा व यातायात/सीपीयू प्रभारी तथा पीएसी प्रभारी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन में परेड

नैनीताल। जिले के पुलिस कप्तान डा. मंजूनाथ टीसी ने शुक्रवार को पुलिस लाइन नैनीताल में भव्य परेड का आयोजन करवाया। इस दौरान उन्होंने जवानों की ड्रिल तथा शारी.रिक दक्षता और हैंडलिंग का आंकलन किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले में बेहतर पुलिसिंग करने में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 25 कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र देकर समा.नित किया गया। सममानित होने वालों में प्रकाश मेहरा प्रभारी निरीक्षक भवाली, मनोज नयाल थानाध्यक्ष तल्लीताल, दीपक बिष्ट एसएसआई मल्लीताल, उपनिरीक्षक श्याम सिंह बोरा चौकी प्रभारी ज्योलिकोट, उपनिरीक्षक रविन्द्र राणा थाना काठगोदाम, उपनिरीक्षक सुनील धानिक चौकी प्रभारी पीरूमदारा, उ.नि. सुनिता कुंवर प्रभारी महिला हैल्पलाईन, अपर उपनिरीक्षक यातायात प्रकाश सिंह नगरकोटी यातायात सैल हल्द्वानी, अपर उपनिरीक्षक सुनील कुमार थाना तल्लीताल, हे.कानि. तालिब हुसैन थाना रामनगर, हे.कानि. प्रेम नेगी थाना भीमताल, हे.कानि. मंजीत सिंह थाना चोरगलिया, हे.कानि. गणेश राम पुलिस लाईन नैनीताल, कानि. योगेश कुमार थाना काठगोदाम, कानि. भूपेन्द्र सिंह जेष्ठा एसओजी, कानि. संतोष बिष्ट एसओजी, कानि. राजेन्द्र जोशी चौकी भुजियाघाट, कानि. चालक दीपक जोशी चौकी भुजियाघाट, कानि. धर्मेन्द्र साहनी चौकी ज्योलिकोट, कानि. नरेन्द्र धामी साईबर सैल, कानि. बलवंत सिहं थाना मुखानी, कानि. चालक सुरेन्द्र नैनवाल थाना बनभूलपुरा, कानि. विरेन्द्र गोले थाना भीमताल, कानि. विनोद कुमार, सूचना सैल हल्द्वानी तथा कानि. सुनील टम्टा पुलिस लाइन नैनीताल शामिल रहे।

हाई कोर्ट ने सज़ा की निलंबित

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एनडीपीएस एक्ट के तहत निचली अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए एक आरोपी की अपील लंबित रहने तक उसकी सजा को निलंबित कर दिया है और उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी की एकल पीठ में हुई। याचिकाकर्ता इसरार ने अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस अधिनियम) विक.ासनगर (जिला देहरादून) की अदालत द्वारा 9 अप्रैल 2025 के निर्णय और आदेश को चुनौती दी थी। इस आदेश के तहत अपीलकर्ता को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत दोषी ठहराया गया और सजा सुनाई गई। अभियोजन पक्ष के अनुसार इसरार के पास अक्टूबर 2011 में चरस बरामद की गई थी। इस दौरान अपीलकर्ता के वकील गौरव नागपाल और अमित त्यागी ने तर्क दिया कि पूरा मामला झूठा है। उन्होंने अदालत को बताया कि आवे.दक को बस से उतारकर झूठे तरीके से फंसाया गया है जिसकी पुष्टि बस के चालक ने भी की है। जमानत के पक्ष में एक महत्वपूर्ण बिंदु यह उठाया गया कि कथित रूप से बरामद चरस की कस्टडी स्थापित नहीं हुई है। उनका तर्क था कि मालखाना रजिस्टर में यह एंट्री नहीं है कि कथित तौर पर बरामद वस्तु को मजिस्ट्रेट के समक्ष जांच और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी को भेजने के लिए कब निकाला गया और कब वापस जमा किया गया। राज्य की ओर से उप महाधिवकता मनीषा राणा सिंह ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष संदेह से परे अपने मामले को साबित करने में सक्षम रहा है। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि मालखाना रजिस्टर में इस बात की कोई एंट्री नहीं है कि वस्तु को मालखाने से कब निकाला गया और कब वापस रखा गया।

मेरे खिलाफ हो रहीं अनर्गल बातें: पालिकाध्यक्ष

हंगामे के बाद मीडिया के सामने रखी बात, सभासदों की ओर से जोशी ने रखा पक्ष

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल नगर पालिका में वीरवार को हुए हंगामे के बाद पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल तथा सभासदों की ओर से वरिष्ठ सभासद व पूर्व पालिकाध्यक्ष मुकेश जोशी ने शुक्रवार को मामले में अपने-अपने पक्ष मीडिया के समक्ष रखे। पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल ने कहा कि मामले को लेकर मेरे खिलाफ अनर्गल बाते की जा रही हैं। पुलिस बुलाने को लेकर उन्होंने कहा कि पुलिस उन्हें मजबूरी में बुलानी पड़ी जबकि कोई मीटिंग नहीं हो रही थी। कहा कि पालिका में कई दिन से ऑडिट चल रहा था। सभासद सरकारी संपति को नुकसान पहुंचा रहे हैं और खिड़की के शीशे तोड़े

जा रहें थे और सभासद द्वारा दरवाजे को जोर से धक्का दिया गया। पालि.काध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल ने आरोप लगाया कि उससे पहले का सारा वीडियो रिकॉर्ड में है जबकि विवाद होने का वीडियो रिकॉर्ड है ही नहीं। रिकॉर्डिंग कहां गई इसका पता नहीं। सभासद बोर्ड बैठक का विरोध कर रहे थे, इससे पहले ही उन्होंने बोर्ड बैठक स्थगित कर दी। पालिका में राजनीति चल रही है। पालिक.ाध्यक्ष के आने से पहले ही अन्य दल के लोग पालिका में पहुंचे हुए थे। कहा कि छोटी छोटी बातों को तूल देने से पालिका के कार्य में बाधा हो रही है। दूसरी ओर सभासदों की ओर से वरिष्ठ सभासद मुकेश जोशी ने कहा कि नगर पालिका में ऐसी घटना पहले भी हो चुकी हैं। बार-बार विवाद होने से कार्यो में बाधा हो रही है। कहा कि अब सभासद अपने-अपने वार्डो की समस्या पालिकाध्यक्ष को लिखित रूप में देंगे अगर तय सीमा तक समस्या का निस्तारण नहीं हुआ तो सभासद जनता के साथ जाकर आंदोलन करेंगे जिसकी सारी जिमेदारी पालिकाध्यक्ष की होगी। कहा कि सोलर लाइट वार्डों में नहीं लगी हुई हैं। कहा कि पालिकाध्यक्ष को चाहिए कि वह जल्द से जल्द बोर्ड की बैठक बुलाये और जनता की समस्या प्राथमिकता से सुने।

नैनी रिट्रीट में क्रिसमस पर्व की तैयारियां, केक मिक्सिंग

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। क्रिसमस पर्व की पूर्व तैयारियों को लेकर को लेकर नगर के नैनी रिट्रीट में केक मिक्सिंग सेरेमनी आयोजित की गई। पारंपरिक तौर तरीके से आयोजित केक मिक्सिंग की गई। बता दें शुक्रवार को होटल प्रांगण में सैलानियों समेत कर्मचारी एकत्र हो गए और काजू, किसमिस, बादाम व अखरोट और मेवों के साथ केक मिक्सिंग शुरू की गई। इस मौके पर केक मिकसिंग की परंपरा और आयोजन को लेकर जानकारी दी गई। जीएम डीएस जीना ने बताया कि विभिन्न पर्वो पर होटल प्रबंधन

कार्यक्रम आयोजित करते आ रहा है। पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने और सैलानियों के मनोरंजन की दिशा में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन बेहद जरूरी है। पश्चिमी देशों की तर्ज पर केक मिकसिंग का आयोजन किया गया। जिसमे ऑस्ट्रेलिया से पहुंचे सैलानी भी शामिल हुए। कैरोल संगीत भी प्रस्तुत किए गए। समारोह में डा. आलोक गुप्ता, सैफ हरि सिंह परिहार, रोहित बिष्ट, राकेश मिश्रा, यूएस राणा, आशीष गोस्वामी समेत सैलानी शामिल रहे।

मस्जिद बंजारान कमेटी के सदर अब्दुल वाजिद का इंतकाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लाइन नंबर 8 स्थित मस्जिद बंजारान कमेटी के सदर बरेली रोड अब्दुल्लाह बिल्डिंग निवासी अब्दुल वाजिद का इंतकाल हो गया। अब्दुल वाजिद 76 वर्ष के थे और शहर के प्रसिद्ध और बड़े अब्दुल्लाह खानदान से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता मरहूम अब्दुल रज्ज़ाक भी मस्जिद बंजारान कमेटी के सदर रहे हैं। अब्दुल वाजिद विगत कुछ दिनों से बीमार थे। दिल्ली के मैक्स अस्पताल में उन्होनें आखिरी सांस ली। शुक्रवार को जुमे की नमाज़ के बाद उन्हें बरेली रोड स्थित

कब्रिस्तान में सुपुर्देखाक किया गया। उनके जनाज़े में हज़ारों लोग शामिल हुए। अब्दुल वाजिद अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। शहर में सभी से खुश.मिजाजी के साथ मिलने वाले अब्दुल वाजिद की पूरी जिन्दगी हल्द्वानी में बीती। उनका खानदान आज भी हल्द्वानी के सबसे पुराने खानदानों में शुमार किया जाता है। सामाजिक व धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेने वाले अब्दुल वाजिद के इंतकाल पर शहर के तमाम लोग उनके घर पहुंचे और पारिवारिक सदस्यों को ढांढस बंधाया।

एक नजर

महिला से छेड़छाड़ के दो आरोपी गिरफ्तार

नैनीताल। एसपी क्राइम/ट्रैफिक जगदीश चन्द्र के मार्गदर्शन तथा सीओ भवाली अमित कुमार के पर्यवेक्षण में भीमताल पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महिला से छेड़छाड़ और अपहरण की कोशिश में संलिप्त दोनों आरो.पियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बता दें नैनीताल जिले के थाना भीमताल में वादिनी द्वारा तहरीर दी गई कि बुधवार की रात्रि में दो बाइक सवार व्यक्तियों द्वारा उनके साथ छेड़छाड़ तथा गाली-गलौज तथा जान से मारने की धमकी एवं अपहरण करने का प्रयास किया गया।तहरीर के आधार पर थाना भीमताल में सुसंगत धाराओं में बनाम अज्ञात अभियोग पंजीकृत किया गया। थानाध्यक्ष संजीत राठौड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई कर दोनों अभियुक्तों को चंद घंटों में गिरफ्तार कर नियमानुसार कार्यवाही कर जेल भेजा गया जिनको पुलिस ने गिरफ्तार किया उनमें प्रेम सिंह मेहता पुत्र प्रताप सिंह हाल निवासी नौकुचियाताल भीमताल मूल पता ग्राम अनरसा, पो. देवलचौरा, कोतवाली बागेश्वर उम्र 40 वर्ष तथा धर्मेन्द्र पुत्र नैन सिंह, हाल निवासी नौकुचियाताल, भीमताल, मूल पता चमोली सैड़, पो. बानघाट, थाना सतपुली पौड़ी गढ़वाल तथा उम्र 25 वर्ष शामिल रहे।

समिति की अध्यक्ष बनीं लक्ष्मी बिष्ट

नैनीताल। साधन सहकारी समिति थलाडी विकासखंड ओखलकांडा के निर्वाचन में लक्ष्मी बिष्ट निर्विरोध अध्यक्ष चुनी गई। अध्यक्ष पद पर केवल एक नामांकन होने के कारण उनको निर्विरोध अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया वहीं उपाध्यक्ष पद पर गणेश सिंह को भी निर्विरोध निर्वाचित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न संस्थाओं को भेजे जाने वाले संचालकों में भगवती देवी, जसवंत सिंह, रमेश चंद्र, मंजू रेकुनी, भवान सिंह रावत, केशवी देवी, हरेंद्र सिंह एवं रणजीत सिंह रावत को निर्वाचित किया गया।

ज्यादा दूध का उत्पादन करेगा पंत विवि: डा. चौहान

नैनीताल। जीबी पंत कृषि व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर की ओर से बद्री गाय के क्लोन पर कार्य किया जा रहा है। क्लोन से बनी गाय ज्यादा दूध

का उत्पादन करेगी और लोगों को रोजगार देगी। पटवाडांगर में आयोजित पांचवें बायोटेक्नोलॉजी कनकलेव में जीबी पंत कृषि व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर कुलपति डा. मनमोहन सिहं चौहान ने बताया कि विश्वविद्यालय में सवा करोड़ के प्रोजेकट के तहत राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआइ) करनाल (हरियाणा) के सहयोग से बद्री गाय की कलो.निंग परियोजना पर कार्य किया जा रहा है।बताया कि बद्री गाय सामान्य तौर पर एक से दो लीटर दूध देती है लेकिन इसका कलोन दोगुना दूध देगा जिससे भविष्य में दूध उत्पादन और नस्ल सुधार को बढ़ावा मिलेगा। बताया कि बद्री गाय का दूध शिशुओं व बुजुर्गों और रोगियों के लिए श्रेष्ठ माना गया है।

उत्तराखण्ड प्राकृतिक संपदाओं से भरपूर: डा. सिंह

नैनीताल। पटवाडांगर में आयोजित पांचवें बायोटेक्नोलॉजी कॉन्क्लेव में

नेशलन डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक डा. धीर सिंह ने बताया कि उत्तराखंड प्राकृतिक संपदाओं से भरा पड़ा है। यहां कई औषधिय पौधे हैं। जिसके चलते यहां पशुपालन आसानी से किया जा सकता है जिससे दुग्ध उत्पादन किया जा सकता है। बताया कि बद्री गाय दूध कम देती है लेकिन उसके दूध व घी की मांग बहुत ज्यादा है। जिसके दाम अन्य प्रोडेकट से दोग.ुने हैं। उन्होंने कार्यक्रम में आई महिलाओं को नई तकनीकों के साथ पशुपालन कर दुग्ध उत्पादन करने की राय दी। उन्होंने महिलाओं को उनके इंस्टीट्यूट में नेश्नल डेयरी मेले में बुलाकर नई तकनीक सीखने का न्योता दिया है ताकि वह अपने क्षेत्र में उसका उपयोग कर आय बढ़ा सके।

आरएसएस स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत

नैनीताल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना दिवस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर घोड़ाखाल स्थित गोलजू मंदिर के प्रांगण से जन चेतना कार्यक्रम के अंतर्गत सक्रियता और घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने का अभियान चलाया गया। बता दें यह अभियान एक महिने तक जारी रहेगा। अभियान को सफल बनाने में कैलाश चंद्र सुयाल, आचार्य शर्मा, जीवन जोशी, तारा जोशी, कैलाश थापा, रमेश जोशी, गौरव जोशी, हरीश पांडे , महेश जोशी, उमेश जोशी आदि आरएसएस कार्यकर्ता पूर्ण मनोयोग से जुटे हैं।

छात्र-छात्राओं को मिलीं निशुल्क पुस्तकें

नैनीताल। शहीद श्री खेमचन्द्र डौर्बी राजकीय महाविद्यालय बेतालघाट के अध्ययन केंद्र में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विनय कुमार विद्यालंकार के निर्देशन में पुस्तक मेले में छात्र छात्राओं ने महाविद्यालय अध्ययन केंद्र पर निशुल्क पुस्तकें प्राप्त की। अध्ययन केंद्र की समन्वयक डा. जयती दीक्षित ने बताया कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के शिक्षार्थियों ने पुस्तक मेले का लाभ उठाया।

बैडमिंटन प्रतियोगिता आज से रुद्रपुर में

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय बैडमिंटन दो दिवसीय महिला-पुरुष प्रतियोगिता शनिवार आज से हंस स्पोर्ट्स अकैडमी कल्याणी व्यू रुद्रपुर में आयोजित होगी। रुद्रपुर महाविद्यालय के क्रीड़ा सचिव डा. राज.ेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय हल्द्वानी, राजकीय महाविद्यालय रुद्रपुर और पीएनजी राजकीय महाविद्यालय रामनगर, राजकीय महाविद्यालय खटीमा, डीएसबी परिसर नैनीताल, राजकीय महाविद्यालय काशीपुर सहित 10 महाविद्यालयों की टीम प्रतिभाग करेंगी। टीम का फाइनल मुकाबला रविवार को प्रात: 11 बजे से होगा।

बॉलीवुड फिल्म में नज़र आएंगे अमेरिकन किड्स के बच्चे

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। बॉलीवुड की आगामी फिल्म दो दिल में एक नया और ताजा रंग देखने को मिलेगा। अमे.रिकन किड्स स्कूल नैनीताल के होनहार बच्चे इस फिल्म में अपने अभिनय का जादू बिखेरते नज़र आएंगे। फिल्म दो दिल की शूटिंग हाल ही में नैनीताल और उसके आसपास के खूबसूरत लोकेशन्स पर पूरी हुई। करीब डेढ़ महीने चली इस शूटिंग के दौरान अमेरिकन किड्स के बच्चों ने मुख्य कलाकारों लक्ष्या जोशी तथा न्वांग ने अभिनेत्री दिया मिर्जा और राहुल भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर की। शूटिंग के दौरान बच्चों की एटिवनेस तथा फ्रैंडली नेचर और शानदार

स्क्रीन प्रेज़ेंस ने सभी को हैरान कर दिया। दिया मिर्जा तथा फिल्म टीम ने बच्चों की खूब तारीफ की और कहा कि इतने छोटे उम्र में इन बच्चों में गज़ब का टैलेंट और कॉन्फिडेंस है इनके साथ काम करना बहुत अच्छा अनुभव रहा। शूटिंग यूनिट और बच्चों के पैरेंट्स ने स्कूल की प्रिंसिपल दीपा बिष्ट का विशेष रूप से धन्यवाद और सराहना की कि उन्होंने बच्चों को इतना एटिव व कॉन्फिडेंट और टैलेंटेड बनाया। बच्चों की कास्टिंग प्रसिद्ध कास्टिंग डायरेटर्स चारु तिवारी और संतोख सिंह बिष्ट ने की जो पिछले कई सालों से उत्तराखंड में होने वाली शूटिंग्स के लिए कास्टिंग करते आ रहे हैं। इस फिल्म में दोनों खुद भी अभिनय कर रहे हैं।

समग्र स्वास्थ्य व कल्याण पर कार्यशाला

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय युवाओं के लिए समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण था। इसका उद्घाटन कुल.पति प्रो. दीवान सिंह रावत, निद.ेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा, नोडल अधिकारी प्रो. सुचि बिष्ट, कार्यशाला संयोजक प्रो. लता पांडे, और सह संयोजक प्रो. छवि आर्या ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यशाला में विशेषज्ञों के रूप में डा. दीपक पांडे, डा. युवराज पंत और प्रो. सरिता श्रीवास्तव ने समग्र स्वास्थ्य, मानसिक और आन्त्रा स्वास्थ्य के विषयों पर छात्रों को जानकारी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो. अमित जोशी और उनकी टीम ने किया।

लोकतंत्र में सत्ता, विपक्ष की भूमिका समझाई

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के शहीद श्री खेमचन्द्र डौर्बी राजकीय महाविद्यालय बेतालघाट में शुक्रवार को राजनीति विज्ञान विभागीय परिषद के तत्वावधान में प्राचार्य प्रो. विनय कुमार विद्यालंकार की अध्यक्षता में युवा संसद तरुण सभा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इससे पूर्व प्राचार्य द्वारा प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए छात्र छात्राओं को भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया में संसद, सत्ता पक्ष व विपक्ष की भूमिका का महत्व बताया। अपने उद्बोधन में उन्होंने छात्र छात्राओं को राष्ट्र निर्माण हेतु देश की राजनीतिक प्रक्रिया में सक्रिय प्रतिभाग करने का आह्वान किया जिससे भारत की एकता में युवा राजनीतिज्ञ सकारात्मक सहयोग प्रदान

कर सके। प्रतियोगिता का संचालन डा. तरुण कुमार आर्य नोडल अधिक.ारी युवा संसद द्वारा किया गया। प्रतियोगिता मे विद्यार्थियों द्वारा लोकसभा की कार्यप्रणाली के मंचन के अंतर्गत शपथ ग्रहण समेत नए मंत्रियों का परिचय, प्रश्नकाल में स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी व महँगाई पर प्रश्नोत्तर, राज्यसभा का संदेश, विधेयक परिचय तथा बजट पर चर्चा तथा बजट पारित होने की प्रक्रिया का मंचन किया। प्रतियोगिता में छाया पंत ने सभापति जबकि ममता बोहरा ने प्रधानमंत्री व रश्मि भंडारी ने नेता प्रतिपक्ष तथा वंशिका, रजनी, आरती, कोमल, शीतल तथा निधि तिवारी तथा नैना ने क्रमश: वित्त मंत्री, खाद्य मंत्री, श्रम मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, शिक्षा मंत्री, महासचिव तथा मार्शल की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में नीमा बेरी, छाया पंत तथा रश्मि भंडारी ने क्रमश: प्रथम तथा द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डा. जयति दीक्षित, डा. ईप्सिता सिंह व डा. दीपक रहे। प्रतियोगित में विजयी प्रतिभागियों को प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम में ममता पांडे, डा. निर्मला, सन्तोष कुमार भारती, प्रदीप कुमार, भाष्करा नन्द पंत, सपना आर्या, मुकेश रावत, अनिल नाथ तथा ललित मोहन आर्या सहित महाविद्यालय के छात्र छात्राएं तथा राजीव गांधी अभिनव आवासीय विद्यालय बेतालघाट छात्र छात्राएं भी उपस्थित रहे।

एसएसपी व एसएचओ हाईकोर्ट में तलब

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने रामनगर के भाजपा नेता मदन जोशी व अन्य के खिलाफ दंगा भड़काने की सुनियोजित साजिश करने के मामले में दायर याचिकाओं पर सुनवाई पर शुक्रवार को भी खण्डपीठ ने सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने एसएसपी नैनीताल व एसएचओ रामनगर से आने वाले सोमवार यानी 24 नवंबर को कोर्ट में पेश होने के साथ साथ मामले की प्रगति रिपोर्ट भी पेश करने को कहा गया है। हाईकोर्ट में हुई सुनवाई पर पीड़ित की तरफ से कहा गया कि अभी तक मुख्य आरोपी पकड़ा नहीं गया है जबकि कोर्ट से उसकी अग्रिम जमानत तक निरस्त हो चुकी है, जिस पर कोर्ट ने पुलिस से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। शुक्रवार को मामले की सुनवाई मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ती सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ में हुई।

एस्मा एक्ट लागू करने पर आगबबूला हुए कांग्रेसी

कार्यकर्ताओं का धामी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन, किया पुतला दहन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के आहवान पर शुक्रवार को नगर कांग्रेस कमेटी नैनीताल द्वारा नगर अध्यक्ष अनुपम कबड्वाल के नेतृत्व में कांग्रेसजनों द्वारा प्रदेश में एस्मा एक्ट लागू करने के विरोध में प्रदेश की धामी सरकार मल्लीताल स्थित पंत प्रतिमा के समीप पूतला फूंककर विरोध प्रदर्शन किया गया। पुतला दहन से पूर्व हुई सभा में नगर अध्यक्ष अनुपम कबड्वाल ने कहा कि हिटलरशाही पर उतारू हो चुकी धामी सरकार द्वारा प्रदेश में एस्मा एकट लागू कर सरकार ने अपनी जरूरी न्यायोचित मांगों के लिये धरना दे रहें उपनल व अन्य सरकारी संगठनों के कर्मचारियों के

लोकतान्त्रिक अधिकारों का हनन किया है, बोले कि अपनी मांगों के लिये धरना प्रदर्शन सबका संवैधानिक अधिकार है। सरकार के इस हिटलर शाही व अलोकतांत्रिक फरमान के खिलाफ कांग्रेस पार्टी सभी कर्मचारी संगठनों के साथ खड़ी है।

इस अवसर पर पूर्व पालिकाध्यक्ष मुकेश जोशी, सभासदगण सपना बिष्ट, जीनू पांडे, अंकित चंद्रा, बाबू लाल तथा पूर्व नगर अध्यक्ष जे.के. शर्मा, व्यापार मंडल मल्लीताल के महासचिव त्रिभुवन सिंह फर्त्याल, तल्लीताल व्यापार मंडल के उपसर्.चव शैलू उप्रेती, छात्र महासंघ के अध्यक्ष आशीष कबड्वाल, डीएसबी परिसर के छात्रसंघ के महासचिव आयुष कुमार, नगर उपाध्यक्ष प्रेम कुमार शर्मा समेत भुवन सिंह बिष्ट, विमल चौधरी, वरिष्ठ कांग्रेसी सुरेश चंद्रा, पूर्व दायित्वधारी रईस भाई, नगर महामंत्री कैलाश अधिकारी, नगर सचिव बंटू आर्य, जिला यूथ सेवादल अध्यक्ष कमल जोशी, जिला सोशल मीडिया अध्यक्ष दीपक महरा, पूर्व यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष पवन जाटव, दिनेश सिंह खेतवाल, जिला उपाध्यक्ष युवक कांग्रेस ललित सिंह बोरा, नगर अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ प्रमोद कुमार समेत सचिन कुमार, गौरव कुमार, संजय कुमार, शिवम बजाज, नितिन जाटव, राजेंद्र व्यास, गौरव साह, समतुल्ला, परवेज आलम, प्रियांशु बिष्ट, राहुल पुजारी, विनोद परिहार तथा कनक साह आदि उपस्थित रहे। दूसरी ओर भवाली में भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के आहवान पर घोड़ाखाल तिराहे पर पूर्व दर्जा राज्य मंत्री व जिला अध्यक्ष जिला महिला कांग्रेस कमेटी खष्टी बिष्ट के नेतृत्व में तानाशाह धामी सरकार का पुतला दहन किया। इस अवसर पर पालि.का अध्यक्ष भवाली पंकज आर्या, सेवादल अध्यक्ष शांति तिवारी, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अफसर अली, वरिष्ठ कांग्रेस से सुजान सिंह रजवार, नगर उपाध्यक्ष जया कपिल, नरेंद्र कुमार, एस एस बिष्ट तथा प्रमोद कुमार तथा हर्षित व शहीद समेत कई कांग्रेसी मौजूद रहे।

कुविवि की टीम अलीगढ़ रवाना

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। अलीगढ़ मुस्लिम विश्व.विद्यालय अलीगढ़ द्वारा शनिवार आज से आयोजित नॉर्थ जोन अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु कुमाऊं विश्व.विद्यालय नैनीताल की क्रिकेट पुरुष टीम अलीगढ़ के लिए रवाना हो गई है।

कुमाऊं विश्वविद्यालय के क्रीड़ाधिकारी डा. संतोष कुमार ने बताया की टीम में हल्द्वानी महाविद्यालय के विकल्प बिष्ट, नवीन जोशी, निखिल बिष्ट, राज जोशी, गौरव अधिकारी, रवि सिंह, निव बिष्ट तथा प्रतीक पांडे तथा डीएसबी परिसर नैनीताल के टिक सिंह, जय सिंह, संजय कनौजिया व हेमंत जबकि रुद्रपुर के गीतांश दत्त, अर्मान तथा रामनगर महाविद्यालय के आयुष रावत, विश्वास रावत, अमित सिंह रावत को शामिल किया गया है। बताया कि टीम का मैनेजर हितेंद्र मेहता को और प्रशिक्षक नरेंद कुमार को बनाया गया है। टीम के अच्छे प्रदर्शन हेतु डा. नागेंद्र प्रसाद शर्मा पूर्व क्रीड़ाधिकारी कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल, डा. सुरेंद्र सिंह, डा. राजेश कुमार, गिरीश चंद्र पाठक, भूपेश चंद दुमका, नवनीत राव तथा नवीन सहित कई खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने जीवनदीप आश्रम में पांच दिवसीय धार्मिक एवं सामाजिक महोत्सव में की शिरकत

मोदी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति का पुनर्जागरण : धामी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज रुड़की के जीवनदीप आश्रम में आयोजित भव्य पाँच दिवसीय धार्मिक एवं सामाजिक महोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने सनातन संस्कृति के संरक्षक परम पूजनीय संत-महात्माओं, धर्माचार्यों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि संत समाज जीवन्त तीर्थ के समान होता है, जो समाज को सत्पथ की ओर प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री ने परमपूज्य पद्मभूषण ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परमपूज्य जगद्गुरु महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरि जी महाराज सहित सभी संतजनों को साष्टांग प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि संतों की दिव्य उपस्थिति मन और आत्मा में नई ऊर्जा का संचार करती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जीवन दीप सेवा न्यास के इस पाँच दिवसीय महोत्सव में शतचंडी महायज्ञ, श्री भक्तमाल कथा, 1100 बालिकाओं का पूजन, पाठ्य सामग्री वितरण एवं पाँच कन्याओं के सामूहिक विवाह जैसे आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समाज में सेवा-भावना का अद्भुत संदेश दे रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी सभागार, श्री सिद्धबली हनुमान द्वार तथा शहीद चौक का लोकार्पण एवं उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि शहीद चौक हमारे अमर बलिदानियों के साहस और राष्ट्रभक्ति का स्मारक है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मैंन मार्ग से सुनहरा मार्ग चौराहे को शहीद चौक के नाम दिया जाएगा मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जी महाराज ने राष्ट्र, धर्म एवं मानवता की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर समाज को त्याग, करुणा एवं सेवा का पवित्र मार्ग दिखाया। उन्हीं की प्रेरणा से जीवन दीप सेवा न्यास शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, महिला सशक्तिकरण, गौ-संरक्षण

सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज विश्वभर में भारत की सनातन संस्कृति का गौरव बढ़ा है। उन्होंने उल्लेख किया किभव्य राम मंदिर निर्माण, बद्रीनाथकेदारनाथ धाम पुनर्निर्माण,काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक निर्माण जैसी पहलें हमारी सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।केदारखंड एवं मानसखंड मंदिर क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के साथ यमुनातीर्थ स्थल का पुनरुद्धार, हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर,शारदा कॉरिडोर निर्माण, दून विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर हिन्दू स्टडीज की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सांस्कृतिक मूल्यों एवं सामाजिक संरचना की रक्षा के लिए पूर्णतः संकल्पबद्ध है। उन्होंने बताया कि धर्मांतरण विरोधी कानून एवं सख्त दंगारोधी कानून लागू किए गए हैं। लैंड जिहाद, लव जिहाद, थूक जिहाद जैसी जिहादी मानसिकताओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई है। लैंड जिहाद पर 9 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को मुक्त कराया गया है। प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू कर समान कानून व्यवस्था स्थापित की गई है। युवाओं के हित में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया, जिससे 26,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली। अवैध गतिविधियों में संलिप्त 250 से अधिक अवैध मदरसों को सील किया गया तथा नया कानून लागू कर मदरसा बोर्ड समाप्त करने का निर्णय लिया गया है, जिसके बाद 1 जुलाई 2026 से गैर-मानक मदरसे स्वतः बंद हो जाएंगे। ''ऑपरेशन कालनेमि'' के अंतर्गत सनातन धर्म को बदनाम करने वालों पर कठोर कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ''विकल्प रहित संकल्प'' के साथ राज्य को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने हेतु सतत प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संत-महात्माओं के आशीर्वाद और जनसहयोग से उत्तराखंड निश्चित ही एक आदर्श एवं अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के धर्मपत्नी श्रीमती गीता धामी ने कहा कि सौभाग्य का दिन है कि आज जीवन दीप आश्रम द्वारा पंच दिवसीय महोत्सव आयोजित किया गया है, जिसमें हमें भी आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि जीवन दीप आश्रम सनातन धर्म का निर्वहन करते हुए समाज हित में कार्य कर रहे हैं तथा आज इस पंच दिवसीय महोत्सव में 1100

❖सीएम ने की घोषणा ईदगाह चौक का नाम अब होगा शहीद चौक।

❖महोत्सव में शतचंडी महायज्ञ, कथा, 1100 बालिकाओं का पूजन, पाठ्य सामग्री वितरण व पाँच कन्याओं के सामूहिक विवाह भी हुआ।

कन्याओं पूजन एवं भोजन कराया जा रहा है तथा 06 कन्याओं का सामूहिक विवाह किया जा रहा है।उन्होंने सभी कन्याओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका जीवन सुखी, समृद्ध एवं मंगलमय हो और सुखमय जीवन व्यतीत करे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 11 कन्याओं का पूजन किया तथा उन्हें उपहार एवं दक्षिणा भेंट की तथा मुख्यमंत्री ने 06 कन्याओं के सामूहिक विवाह पर उनको शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया तथा उनके सुखद जीवन को कमाना की। इस अवसर पर जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरी महाराज ने भवन के लोकार्पण के लिए मुख्यमंत्री सहित सभी जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र वासियों का कार्यक्रम में शामिल होने पर आभार व्यक्त किया। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष/सचिव निरंजनी अखाड़ा श्रीमहंत रविन्द्र पुरी महाराज, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री (भारत साधु समाज) महामंडलेश्वर स्वामी प्रबोधानंद गिरी, राष्ट्रीय मंत्री (भारत साधु समाज) महामंडलेश्वर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश, जूना अखाड़ा महामंडलेश्वर स्वामी मैत्रेयी गिरी, कोठारी महंत बड़ा उदासीन अखाड़ा श्रीमहंत राघवेंद्र दास, महामंडलेश्वर स्वामी विवेकानंद सरस्वती, (नंगली दरबार) महामंडलेश्वर स्वामी शिव प्रेमानंद,प्रदेश प्रवक्ता (भारत साधु समाज)महंत स्वामी अमृतानंद, महेंद्र स्वामी सत्यव्रता नंद सरस्वती,स्वामी विनोद महाराज,स्वामी प्रकाशा नंद महाराज,राज्य मंत्री विनय रोहिल्ला,जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी,रुड़की मेयर अनीता अग्रवाल,विधायक रुड़की प्रदीप बत्रा, जिलाध्यक्ष रुड़की मधु सिंह,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश गिरी ,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी,जिला महामंत्री रुड़की अक्षय प्रताप सिंह,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश कौशिक ,महामंत्री सागर गोयल,जिलाधिकारी मयूर दीक्षित,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल सहित विभिन्न क्षेत्रों से साधु संत, जनप्रतिनिधि,कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

ब्लॉक स्तरीय विज्ञान सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न

पहला-दूसरा व तीसरा स्थान पाने वालों को किया गया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। खंड शिक्षा कार्यालय नारसन बीआरसी सभागार मे उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी के संरक्षण में ब्लॉक स्तरीय विज्ञान सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधानाचार्य (राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अकबरपुर ढडीकी) साने करीम सिद्दीकी ने किया। कार्यक्रम का संचालन कुमारी रुचिका एवं संदीप कुमार द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में नारसन ब्लॉक के कल 7 टीमों ने भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान राजकीय कन्या इंटर स्कूल मंगलौर ने प्राप्त किया। दूसरा स्थान राजकीय इंटर कॉलेज निजामपुर ने प्राप्त किया एवं तीसरा स्थान पीएम श्री राजकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय ढंडेरा ने प्राप्त किया। इस अवसर पर (बीआरपी नारसन)जगमोहन राणा ने बताया कि नारसन ब्लॉक के चयनित प्रतिभागी आगामी 25 नवंबर 2025 को अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज रुड़की में आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान सामान्य ज्ञान

प्रतियोगिता मे भाग लेगी। प्रतियोगिता के अंत में (बीआरपी) जगमोहन राणा ने प्रतिभागियों एवं संदीप कुमार पंकज, मिली, नरेश, सृष्टि, नरेश ,सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।यूनियन क्रांति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास सैनी,एडवोकेट सफदर, वरुण त्यागी, रंजन त्यागी, नवनीत सिंह, सौरभ पवार, सीड चौधरी,नाजिम अली आदि मौजूद रहे।

रिया बनी पनियाला सहकारी समिति की चेयरमैन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। जिले के सबसे हॉट समिति मानी जाने वाली किसान सहकारी समिति पनियाला में रिया तंवर को सभापति चुना गया है। समिति गठन के बाद यहां कोई महिला सभापति पहली बार बनी है। मोहम्मद असलम को उपसभापति चुना गया।

किसान सेवा सहकारी समिति के चुनाव में सभापति पद के लिए मोहित और रिया तंवर ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। इसके साथ ही उप सभापति पद के लिए मोहम्मद असलम और सरवरी के बीच मुकाबला था। सभापति पद के लिए बारह सदस्यों ने वोट दिए जिसमें रिया तंवर को नौ वोट हासिल हुए और उनके प्रतिद्वंदी मोहित को तीन वोट मिले। इसके साथ ही उपसभापति पद पर मोहम्मद असलम को आठ वोट एवं उनकी प्रतिद्वंदी सरवरी को तीन वोट मिले। इसमें एक वोट निरस्त हुआ। पनियाला सहकारी समिति को जिले की हॉट समिति में माना जाता है। इस समिति पर जिले के कई बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा दाव पर लगी थी जिसमें जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष सुभाष वर्मा की पुत्रवधू रिया तंवर सभापति चुनी गई है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुभाष वर्मा ने कहा कि इस समिति के करीब साठ वर्षों के इतिहास में पहली बार किसी महिला को सभापति

चुना गया हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की लड़ाई मजबूती से लड़ी जाएगी। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष सुशील चौधरी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अनीश गॉड, भारतीय किसान यूनियन क्रांति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास सैनी,एडवोकेट सफदर, वरुण त्यागी, रंजन त्यागी, नवनीत सिंह, सौरभ पवार, सीड चौधरी,नाजिम अली आदि मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। झबरेड़ा सहारनपुर मार्ग ग्राम खरखडी के पास गुरुवार देर शाम एक बाइक को अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मारने पर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को कस्बे में इलाज हेतु डॉक्टर के यहां ले जाया गया। डॉक्टर द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद घायल की हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्राम भक्तों वाली निवासी राजू सिंह द्वारा थाने में तहरीर देकर बताया कि उसका 20 वर्षीय पुत्र मोनू कुमार बाइक से गुरुवार शाम सहारनपुर से वापस अपने घर ग्राम भक्तों वाली आ रहा था। जैसे ही वह ग्राम खरखड़ी के पास आया तो किसी अज्ञात वाहन द्वारा बाईक को टक्कर मार दी गई। किसी अज्ञात वाहन की टक्कर लगते ही बाइक सवार बाइक सहित सड़क पर गिर गया तथा घायल हो गया। वहां से आने जाने वाले लोगों द्वारा घायल को झबरेड़ा स्थित डॉक्टर के यहां भर्ती कराया। डॉक्टर द्वारा घायल की स्थिति गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष अजय शाह का कहना है कि तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

उत्तम शुगर मिल ने जारी किया 10 दिन का गन्ना भुगतान

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। किसानों को उत्तम शुगर मिल से राहत मिलते हुए करोड़ों रुपये का भुगतान समिति के माध्यम से मिला है। 10 दिन का भुगतान शुगर मिल की ओर से किया गया है। समिति सचिव शीशपाल सिंह का कहना है कि उत्तम और लक्सर शुगर मिल पेराई सत्र शुरू कर चुकी है। इकबालपुर शुगर मिल चलने का कोई असर नहीं दिख रहा है। नवंबर के पहले सप्ताह में उत्तम और लक्सर शुगर मिल ने अपने पेराई सत्र की शुरुआत कर दी थी। किसानों की सुविधाओं को देखते हुए गन्ना खरीद केंद्र भी शुरू हो गए थे। अब उत्तम शुगर मिल से जुड़े किसानों को सबसे पहले राहत मिली है।

नीलगाय से टकरा कर बाइक सवार गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। ग्राम लाठरदेवा हुण नहर पुल के पास सड़क पार कर रही नील गाय की टक्कर बाइक में लगने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया ।घायल को कस्बा झबरेड़ा में इलाज हेतु भर्ती कराया गया। घायल के सिर में अधिक चोट लगने से उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। कस्बा निवासी अनुज कुमार बाइक से शुक्रवार सुबह मंगलौर जा रहा था। जैसे ही वह ग्राम लाठरदेवा हुण नहर पुल के पास पहुंचा उसी समय सड़क पार कर रही नीलगाय की टक्कर बाइक से हो गई। नीलगाय की टक्कर लगते ही बाइक सवार बाइक सहित सड़क पर गिर गया तथा घायल हो गया। घायल को वहां से आने जाने वाले द्वारा झबरेडा डॉक्टर के यहां इलाज हेतु भर्ती कराया गया तथा उसके परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों के आने पर डॉक्टर द्वारा घायल के सिर में अधिक चोट होने से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

23 दिसम्बर से 26 दिसम्बर तक ऐथल बुजुर्ग रेलवे फाटक रहेगी बंद

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र के ऐथल बुजुर्ग रेलवे फाटक 23 दिसंबर से 26 दिसंबर तक आने जाने वाले वाहनों के लिए बंद रहेगी सभी को पथरी फाटक से आना जाना करना पड़ेगा। रेलवे कर्मचारी अधिकारी सुधाकर मनोज ने जानकारी देते हुए बताया ऐथल बुजुर्ग रेलवे फाटक पर मशीनों द्वारा काम किया जाएगा इसीलिए ऐथल बुजुर्ग रेलवे फाटक को 23 दिसंबर से लेकर 26 दिसंबर तक पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाएगा उन्होंने कहा पथरी रेलवे स्टेशन से आगे जो फाटक है वह सुचारू रूप से चालू रहेगी जो भी आने जाने वाले हैं वह सभी इस फाटकसेआना-जाना करें उन्होंने यह भी कहा कि हमारे द्वारा यह जानकारी मीडिया एवं अनेक माध्यम से लोगों तक पहुंचाई जा रही है जिससे आने-जाने वाला 23 दिसंबर से 26 दिसंबर तक ऐथल रेलवे फाटक पर क्रॉस ना करें क्योंकि फाटक पूर्ण रूप से बंद रहेगी और अथल बुजुर्ग रेलवे फाटक पर आकर परेशानी का सामना न करना पड़े इसीलिए यह जानकारी सभी को पहुंचाई जा रही है

खोया-पाया-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे व्यवहारी इन्तजार पुत्र मीर हसन नि. 55, मौहल्ला हजरत बिलाल, वार्ड नं0 07 कस्बा लण्ढौरा परगना मंगलौर तह. रूडकी जिला हरिद्वार की सम्पत्ति स्थित मौजा-लण्ढौरा परगना मंगलौर तह. रूडकी, हरिद्वार, खतौनी खाता नं0 376 व खसरा नं0 124/2मि कुल रकबा 2300 वर्गफुट यानि 213.75 वर्गमिटर से सम्बन्धित असल विक्रय पत्र रजिस्ट्री बही नं0 1 जिल्द 1985 के पृष्ठ 1 से 30 दस्तावेज नं0 8195 पर दिनांक 09.09.2013 कार्यालय सब रजिस्ट्रार रूडकी मे दर्ज है। उक्त असल दस्तावेज प्रार्थी के व्यवहारी से दिनांक 13.11.2025 को मेन बाजार लण्ढौरा के आस पास गिर कर कही गुम हो गया है जो काफी तलाशने के बावजूद भी नही मिल पाया है। उक्त असल दस्तावेज यदि कही मिलता है तो प्रार्थी को दिया जाना प्रार्थनीय है।

जय प्रकाश सैनी एडवोकेट मो०
9897902767

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, परिजनों में मचा हड़कंप

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र एक युवक ने अपने निवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। परिजनों में हड़कंप मच गया है।

जानकारी मिली है कि बसेडा खादर में राहुल पुत्र ओमवीर उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम कोतवाली लक्सर ने अपने निवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी जिसमें किसी व्यक्ति के द्वारा पुलिस को सूचना दी गई पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मृतक केशव को कब्जे में ले लिया और उस मृतक के शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पुलिस जांच में जुटी हुई है कि आत्महत्या का क्या कारण है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद जांच कर जो भी सामने आएगा उसी तरह से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अनाज मंडी में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। अनाज मंडी में निगम की संपत्ति को जेसीबी से ध्वस्त करने के मामले में अब राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस मामले को तूल देते हुए अनाज मंडी पहुंचकर मेयर एवं नगर आयुक्त पर निगम की जमीन को खुर्द-बुर्द करने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि कुछ भूमाफिआयों की मिलीभगत से निगम की जमीनों पर जानबूझकर कब्जा करवाया जा रहा है।

रुड़की अनाज मंडी पहुंचे महानगर अध्यक्ष एडवोकेट राजेन्द्र चौधरी एवं कार्यकर्ताओं ने मेयर और नगर आयुक्त के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि अनाज मंडी में नगर निगम की फड़ की जमीन को एक बाहर से आए भूमाफिया ने जेसीबी चलाकर अपने कब्जे में ले लिया है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम को कई दिन पूर्व भी इस संबंध में लिखित एवं मौखिक सूचना दी थी। रात के अंधेरे में नगर निगम की जेसीबी का प्रयोग कर जिस प्रकार से भूमि को ही खुर्दबुर्द किया गया उससे स्पष्ट होता है कि मेयर और नगर आयुक्त ने जानबूझकर भूमाफिया का सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि अब तक भूमि को खुर्द-बुर्द करने वाले के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई और उन्हें भूमि कब्जाने का पूरा मौका दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रकरण में नगर विधायक भी भूमाफिया को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। व्यापारी प्रवीण सिंघल एवं अमित आहूजा ने कहा कि बार-बार लिखित एवं मौखिक शिकायत देने के बावजूद नगर निगम ने कोई कार्रवाई नहीं की और जमीन पर कब्जा होने दिया गया। पुलिस को सूचना एवं तहरीर देने

सीएसआईआर-सीबीआरआई रुड़की ने आयोजित किया एक स्वास्थ्य, एक विश्व 2025 वैश्विक सम्मेलन

350 से अधिक प्रतिभागियों व 50 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों ने की सहभागिता

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सीएसआईआर सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीबीआरआई) रुड़की द्वारा आयोजित एक स्वास्थ्य, एक विश्व 2025 कार्यक्रम का मुख्य आयोजन आज होटल क्लार्क्स सफारी, रुड़कीहरिद्वार में आरंभ हुआ। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 13 देशों से 350 से अधिक प्रतिभागियों तथा 50 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ सीएसआईआर-सीबीआरआई के निदेशक एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. अजय चौरासिया ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने अवसंरचना, अवसंरचना प्रबंधन, एशिया में सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और आपदा न्यूनीकरण जैसे प्रमुख विषयों पर प्रकाश डाला। इसके बाद सीएसआईआर सीबीआरआई के निदेशक ने सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने भारत की उभरती अर्थव्यवस्था, आपदा-रोधी निर्माण की आवश्यकता, चल रहे रेट्रोफिटिंग कार्यों तथा सुरक्षित व सतत भविष्य के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर अपने विचार व्यक्त किए। टोक्यो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर (कॉन्फ्रेंस, को-चेयर) डॉक्टर डॉ. वतारू ताकेउची, इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल साइंस, ने सभी उपस्थित

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए एक स्वास्थ्य, एक विश्व की अवधारणा, अवसंरचना विकास, आपदा न्यूनीकरण तथा आपदा-रोधी प्रणालियों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सीएसआईआर-सीबीआरआई द्वारा सफलतापूर्वक कार्यक्रम आयोजित करने की सराहना भी की। प्रोफेसर सी.वी.आर. मूर्ति ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा आपदाओं से जुड़े मुद्दों और शोध प्रगति पर अपने अनुभव साझा किए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य डॉ. कृष्ण एस. वात्सा ने आधुनिक इंजीनियरिंग व रुड़की की ऐतिहासिक जल नहर प्रणाली, तथा भारतजापान सहयोग पर विस्तार से बात की। उन्होंने वैश्विक आपदा-रोधी प्रयासों में जापान के नेतृत्व की भी सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, वर्ल्ड सीस्मिक सेफ्टी इंस्टीट्यूट के सहसंस्थापक प्रोफेसर किमीरो मेगुरो ने आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक आपदाओं और वैज्ञानिक व सतत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रभावशाली वक्तव्य दिया। उन्होंने प्रोफेसर प्रदीप की दृष्टि व समर्पण की प्रशंसा करते हुए सीएसआईआर-सीबीआरआई की सफलता की कामना की। कार्यक्रम का समापन डॉ. अजय चौरासिया द्वारा औपचारिक धन्यवादप्रस्तुति के साथ हुआ। इसके उपरांत विभिन्न प्रोफेसरों द्वारा अनेक व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। प्रोफेसर किमीरो मेगुरो द्वारा "नकारात्मक प्रभाव को न्यूनतम करने हेतु व्यापक आपदा प्रबंधन प्रणाली" विषय पर व्याख्यान दिया गया। इसके बाद डॉ. कृष्ण एस. वात्सा और डॉ. जुइन फू चाई ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। इसके पश्चात शहरी सुरक्षा एवं आपदा न्यूनीकरण, अवसंरचना प्रबंधन और सतत निर्मित पर्यावरण, एशिया में अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान, जलवायु परिवर्तन और हरित पुनर्प्राप्ति जैसे विषयों पर विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए।

गर्भवती महिला पर किया हमला, मारपीट में गर्भपात

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र में गर्भवती महिला के साथ हुई मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक और उसकी पुत्री ने गर्भवती महिला को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिससे गर्भपात हो गया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने पितापुत्री दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित युवक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 नवंबर को वह अपनी गर्भवती पत्नी के साथ सलेमपुर गांव में रिश्तेदारी में जा रहा। रास्ते में मालवीय चौक के पास खड़े युवक अरुण ने उसकी पत्नी की ओर अश्लील इशारा किया। उन्होंने अनदेखा कर आगे बढ़ना ही बेहतर समझा। शाम करीब चार बजे दंपती बाजार जा रहा था तभी आरोपी अरुण ने फिर से अश्लील इशारा किया। जब दंपती ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उनपर हमला कर दिया। इसी दौरान आरोपी की बेटी भी मौके पर पहुंची और उसने भी अपने पिता के साथ मिलकर हमला किया।

आरोप है कि मारपीट के दौरान गर्भवती महिला को धक्का देकर नीचे गिरा दिया गया और उसके पेट में लात-घूंसे मारे गए जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई व बाद में गर्भपात हो गया। पीड़िता को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर अरुण और उसकी बेटी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शनिवार, 22 नवम्बर 2025

लेबर सिस्टम में बदलाव

देश में आज से नए श्रम कानून लागू हो गए हैं। इसे लेबर सिस्टम में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है। मोदी सरकार ने चार नई श्रम संहिताओं को आधिकारिक रूप से लागू किया है। सरकार का दावा है कि ये सिर्फ कानूनी बदलाव नहीं, बल्कि 40 करोड़ से ज्यादा कामगारों के जीवन में एक ऐतिहासिक क्रांति साबित होंगे। इन सुधारों का मकसद सिर्फ कानून बदलना नहीं, बल्कि हर श्रमिक को गरिमा, सुरक्षा और आर्थिक मजबूती देना है। आजादी के पहले और बाद के शुरुआती दौर (1930-1950) में बने 29 पुराने श्रम कानूनों को अब चार नए कोड में समाहित कर दिया गया है। ये हैं- वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता। सरकार का तर्क है कि आज की अर्थव्यवस्था और काम करने के तरीके पुराने जमाने से बिल्कुल अलग हैं, इसलिए नियम भी आधुनिक होने चाहिए। सबसे बड़ा बदलाव नियुक्ति पत्र को लेकर है। अब हर कर्मचारी को ज्वानिंग के वक्त अप्वाइंटमेंट लेटर देना अनिवार्य कर दिया गया है। इससे पारदर्शिता आएगी और कंपनियों की मनमानी पर रोक लगेगी। इसके अलावा, असंगठित क्षेत्र के करीब 40 करोड़ कामगारों को अब सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया गया है। इसका सीधा मतलब है कि उन्हें भी पीएफ , ईएसआईसी और पेंशन जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी। प्राइवेट नौकरी करने वालों के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी फिक्स्ड टर्म एम्प्लाइज यानी निश्चित अवधि के कर्मचारियों को लेकर है। पहले ग्रैच्युटी पाने के लिए एक ही कंपनी में लगातार 5 साल काम करना जरूरी होता था, जिससे अक्सर कर्मचारी वंचित रह जाते थे। नए नियमों के तहत, फिक्स्ड टर्म कर्मचारियों को अब महज एक साल की सेवा के बाद ही ग्रैच्युटी पाने का हक मिल गया है। इसके साथ ही, ओवरटाइम को लेकर भी स्थिति पूरी तरह साफ कर दी गई है, अगर कोई कर्मचारी तय घंटों से ज्यादा काम करता है, तो उसे सामान्य वेतन से दोगुना भुगतान करना होगा। वहीं, वेतन का भुगतान समय पर हो, इसके लिए कड़े प्रावधान किए गए हैं, ताकि महीने के अंत में किसी को आर्थिक तनाव न झेलना पड़े। नए लेबर कोड में लैंगिक समानता पर विशेष जोर दिया गया है। अब महिलाएं रात की शिफ्ट में भी काम कर सकेंगी, बशर्ते उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों और उनकी सहमति ली गई हो। यह कदम महिलाओं को हाई-पेइंग जाब्स और सभी प्रकार के उद्योगों (जैसे माइनिंग आदि) में बराबर का मौका देगा। महिलाओं को समान काम के लिए समान वेतन की गारंटी भी दी गई है। वहीं, जोमैटो, स्विगी, ओला और उबर जैसे प्लेटफार्म्स पर काम करने वाले गिग और प्लेटफार्म वर्कर्स को पहली बार कानूनी ढांचे में परिभाषित किया गया है। अब कंपनियों को अपने सालाना टर्नओवर का 1.2 प्रतिशत हिस्सा इन वर्कर्स के कल्याण के लिए देना होगा। आधार से लिंक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर के जरिये वे देश के किसी भी कोने में अपनी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। काम के साथ-साथ सेहत को भी प्राथमिकता दी गई है। नए नियमों के अनुसार, नियोक्ताओं को अपने उन सभी कर्मचारियों का साल में एक बार मुफ्त हेल्थ चेकअप कराना होगा, जिनकी उम्र 40 वर्ष से अधिक है। यह कदम गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान और कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। इसके अलावा, खतरनाक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए 100 प्रतिशत स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी दी गई है।

लोकतंत्र को बचाने का अभियान

स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम इस देश में से एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे, ये हमारा प्रण है, एसआईआर की प्रक्रिया देश और लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए है, कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को निकालने के इस अभियान को कमजोर करना चाहते हैं, बिहार में जनता ने इस मुद्दे पर एनडीए को बहुमत दिया है, दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ राजनीतिक दल चुनाव आयोग की मतदाता सूची को सही करने के लिए लाई गई एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं, मैं आज देशवासियों से अपील करता हूं कि वे खुलकर और पूरी तरह से चुनाव आयोग द्वारा चलाई जा रही एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन करें, घुसपैठियों का बचाव कर रहे राजनीतिक दलों को चेतावनी देना चाहता हूं कि बिहार चुनाव पूरे देश के जनादेश की तरह हैं।

-अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

बांधों को हटाने में वृद्धि के परिणाम

सभी बड़े बांधों की उम्र सीमित होती है। क्या आपने कभी सोचा है कि एक बार बांध का उपयोगी जीवन समाप्त होने पर उसका क्या होता है? इसे हटाना होता है जिसे डीकमीशनिंग कहते हैं। डीकमीशनिंग का मतलब बांध और उससे जुड़ी संरचनाओं को पूरी तरह हटाने से है।

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े बांध निर्माता के रूप में भारत के लिए यह एक बहुत ही प्रासंगिक सवाल है। यह मुद्दा इसलिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि अब बड़े बांध न तो आवश्यक है और न ही व्यावहारिक। इसके अलावा अब बहती नदियों के महत्व को तेजी से सराहा जा रहा है। यह ध्यान में रखना जरूरी है कि किसी बांध को बिना उचित रखरखाव के नदी पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इससे बांध के नीचे की ओर रहने वाले समुदाय और अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बना रहता है।

नदियों को बहाल करने के लाभ

यहां यह समझना आवश्यक है कि बांधों से सिंचाई, पनबिजली, घरेलू और औद्योगिक जल आपूर्ति, जल भंडारण और बाढ़ प्रबंधन जैसे लाभ प्रदान करने का दावा तो किया जाता है लेकिन विश्व बांध आयोग की रिपोर्ट के अनुसार अधिकांशतरू ए लाभ वादों से कम होते हैं। और बांध की उम्र बढ़ने के साथ, इसके जलाशय में गाद भर जाने के कारण यह लाभ और भी कम हो जाते हैं। इसके अलावा, यह लाभ भारी लागत और व्यापक प्रतिकूल प्रभावों के साथ आते हैं। इसलिए जब भी किसी बांध को हटाकर नदी का प्रवाह बहाल किया जाता है, तो यह बांध निर्माण से उत्पन्न कुछ प्रतिकूल प्रभावों उलट देता है। पुनरू प्रवाहमान नदी के कुछ लाभों में मछलियों के आवागमन तथा नदी पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के साथ बांध के ऊपर व नीचे नदियों में पानी, गाद, रेत और पोषक तत्वों के प्रवाह की बहाली भी शामिल है। ऐसी नदियों के किनारे के समुदायों के लिए जल आपूर्ति और मछुआरों की आजीविका की भी बहाली होती है। इसका असर सांस्कृतिक कार्यों के लिए उपलब्ध पानी पर भी होता है। इस तरह से डीकमीशनिंग बांध के ऊपर व नीचे के इलाकों में और अधिक सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। बांध हटाने का मतलब नदी के निचले हिस्से में आपदाओं और बाढ़ के जोखिम में कमी और जलमग्न भूमि का पुनरू उपलब्ध होना भी है। मुक्त प्रवाह वाली नदियां जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अधिक लचीली होती हैं और जलवायु परिवर्तन से अनुकूलन में मदद करती हैं। बहाल की गई नदियों से पानी की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। लिहाजा, समाज और अर्थव्यवस्था के लिए, बांध के जीवन में एक ऐसा समय अवश्य आता है जब इसकी लागत, इससे प्राप्त होने वाले लाभ से कहीं अधिक हो जाती हैय तब बांध को हटाना बेहतर होता है। इस बात का पता तभी चल सकता है जब समय-समय पर किसी बांध की लागत और लाभ के स्वतंत्र मूल्यांकन की

प्रक्रिया की जाए। एक असुरक्षित बांध को बंद करना समाज और अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर होता है। फिलहाल भारत के पास बांधों को हटाने से सम्बंधित मुद्दों को लेकर कोई नीति या कार्यक्रम नहीं है।

योजना की जरूरत

बांध को हटाने की योजना बनाते समय यह ध्यान रखना आवश्यक होता है कि इसकी कुछ लागत तो आएगी ही। साथ ही नदी के पारिस्थितिकी तंत्र के प्रभावित होने की संभावना भी रहेगी। उदाहरण के लिए, बांध के पीछे जमी गाद के अचानक बहने से जलीय प्रजातियों के भोजन और अंडे देने के क्षेत्र नष्ट हो सकते हैं। इसके अलावा, नदी में डूबी जड़ें और तने तलछट के नीचे दबकर घर्षण से क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। यदि जलाशय के जलग्रहण क्षेत्र में प्रदूषण स्रोत उपस्थित हैं तो नदी के प्रवाह के साथ दूषित तलछट स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकती है। ऐसे में बांध को हटाने के विकल्पों और रणनीतियों की योजना नदी की प्रकृति, उसके भूविज्ञान, पारिस्थितिकी, जलवायु और अन्य सम्बंधित पहलुओं के अध्ययन के आधार पर बनाई जानी चाहिए।

बांध क्यों हटाए जाएं?

किसी बांध को हटाने का निर्णय कई कारणों से लिया जा सकता है। जैसे-जैसे अधिक से अधिक बांधों को हटाया जा रहा है और इसके लाभ स्पष्ट हो रहे हैं, उम्मीद है कि विश्व स्तर पर बांधों को हटाने की गति में तेजी आएगी। कुछ कारणों की बात यहां की जा रही है। व असुरक्षित बांध जब बांध आवश्यक स्पिलवे (अतिरिक्त पानी के निकलने का रास्ता) क्षमता से कम होने, गाद जमा होने, पुराने होने, क्षतिग्रस्त होने या नदी के बहाव को वहन न कर पाने के कारण असुरक्षित हो जाते हैं, तब बाढ़ या कोई अन्य आपदा आने से पहले इन्हें हटा देना समझदारी होगी। जलवायु परिवर्तन की स्थिति में वर्षा की तीव्रता, हिमनद-जनित झील के फटने, भूस्खलन या हिमस्खलन जैसी घटनाओं में वृद्धि बांधों को भी असुरक्षित बनाते हैं व आर्थिक रूप से अव्यावहारिक बांध घटे हुए लाभ, बढ़ी हुई लागत या इन दोनों के कारण बांध का रख-रखाव करना बहुत महंगा हो सकता है। लागत में वृद्धि मुख्य रूप से पर्यावरणीय प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए नियामक शर्तों में वृद्धि, बांध से ऊपर व नीचे मछलियों के प्रवास, स्पिलवे क्षमता बढ़ाने के लिए नए निर्माण की आवश्यकता वगैरह के कारण हो सकती है। ऐसे मामलों में बांध को हटाने की लागत के बावजूद उसे हटा देना ही सस्ता होगा। उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में बांधों के जलाशय मीथेन और कार्बन डाईऑक्साइड के जाने-माने स्रोत हैं। (कार्बन डाईऑक्साइड की तुलना में मीथेन लगभग 24 गुना अधिक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है) ये दोनों प्रमुख ग्रीनहाउस गैसें हैं। बांध को हटाकर हम ऐसे उत्सर्जन को भी रोक सकते हैं। इसके अलावा, बांधों को हटाने के बाद जलमग्न क्षेत्र के कुछ हिस्सों के पुन: नवीनीकरण और नदी को बाढ़ क्षेत्र और आर्द्रभूमि से जोड़कर नए कार्बन सोख्ता भी बनाए जा सकते हैं। इस प्रकार बांध हटाना जलवायु परिवर्तन को थामने और अनुकूलन रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। बांध निर्माण के 100 वर्षों से भी अधिक अनुभव से पता चला है कि बांधों का जीवनकाल सीमित होता है। खराब डिजाइन जीवनकाल को कम कर सकती है, उनमें गाद जमा हो सकती है और उनका प्रदर्शन अपेक्षा से कम हो सकता है। इसके अलावा यह आसपास की आबादी के लिए जोखिम तो पैदा करता ही है, इससे नदियां और मछली पालन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

विश्व स्तर पर बांधों को हटाने की मुहिम

यूएसए बांध हटाने की परियोजनाओं में सबसे आगे है। वहां इस प्रक्रिया की शुरुआत कई संघीय कानूनों के साथ हुई। उदाहरण के लिए, 1968 के वाइल्ड एंड सीनिक रिवर एक्ट और 1969 के नेशनल एनवायरनमेंटल पॉलिसी एक्ट ने बांध निर्माताओं को नदियों के पारिस्थितिक लाभों को ध्यान में रखने के लिए मजबूर किया। 1990 के दशक की शुरुआत से लेकर 3 दशकों तक बांधों को हटाने की प्रक्रिया में काफी तेजी आई है। कोविड-19 महामारी के दौरान कमी आने से पहले तक प्रति वर्ष 100 से अधिक बांध हटाए गए। अमे. रिकन रिवर्स के अनुसार, अमेरिका में अब तक 2025 बांध हटाए जा चुके हैं। यूएसए में अधिकांश बांधों को फेडरल एनर्जी रेगुलेटरी कमीशन (एफईआरसी) या उसके राज्य समकक्ष द्वारा लायसेंस दिया जाता है। आम तौर पर इसकी अवधि 30 से 50 वर्षों की होती है। इस अवधि के अंत में बांध का पुनर्मूल्यांकन करने के बाद उन्हें सेवानिवृत्त किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त सुरक्षा चिंताओं (भूकंपीय क्षति आदि) की स्थिति में बांधों का लायसेंस रद्द करने की आपातकालीन प्रक्रियाएं भी हैं। पुन: लायसेंसिंग प्रक्रिया में पर्यावरणीय आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से नई परिचालन शर्तों को अनिवार्य किया जाता है। इनमें न्यूनतम प्रवाह में वृद्धि, अतिरिक्त या बेहतर मछली सीढ़ी, आवधिक उच्च प्रवाह और तटवर्ती भूमि के लिए सुरक्षा उपाय शामिल हैं।

अमेरिकन रिवर्स के एक दस्तावेज के अनुसार ह्वर्ष 1999 में अमेरिका स्थित एडवर्ड्स बांध को हटाना एक निर्णायक मोड़ रहा जब पहली बार एफईआरसी ने किसी बांध को हटाने का आदेश दिया। इस बांध की लागत इसके लाभों से कहीं अधिक पाई गई थी। एडवर्ड्स बांध के हटने से एक समय की कल्पनातीत अवधारणा जीर्ण-शीर्ण ढांचे और नदियों को बहाल करने की समस्या से निपटने का एक कारगर उपाय साबित हुआ। इसके नतीजे में अब बांध सुरक्षा कार्यालय, मत्स्य पालन प्रबंधक, बांध मालिक और विभिन्न समुदाय बांधों के लाभों और प्रभावों पर दोबारा विचार कर रहे हैं। कई स्थानों पर बांधों को हटाने को सबसे अच्छा विकल्प माना जा रहा है।

लजीज व्यंजनों की थाली

मध्यप्रदेश या राजस्थान की खास डिश है दाल बाफला। वहीं दक्षिण भारत के व्यंजनों में डोसे का जिक्र न हो तो खानपान अधूरा सा लगता है। सेहत से भरी हरी मूंग दाल का डोसा, जिसे पेसारेटू भी कहते हैं, स्वाद में कुरकुरा होता है। इसे नाश्ध्ते में, शाम को स्ध्नैक के तौर पर भी खाया जा सकता है। वहीं अरबी तो पूरे उत्तर से लेकर दक्षिण तक सबकी फेवरेट है।

दाल बाफला

2 कप आटा, 1/4 कप मकई का आटा, 1 टी स्पून जीरा, 1/4 टी स्पून अजवाइन, 1 टी स्पून नमक, 1/2 कप घी, 1/2 कप पानी, 1/2 टी स्पून हल्दी, दाल के लिए, 1-1/2 कप अरहर की दाल, 1 कप पानी, 1/2 टी स्पून हल्दी, 1 टी स्पून नमक,

तड़के के लिए

1 टेबल स्पून घी, 1/4 टी स्पून हींग, 1/2 टी स्पून सरसों के दाने, 1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टी स्पून चीनी, 3 टेबल स्पून हरा धनिया,

बाफला बनाने के लिए

1.एक बाउल में गेंहू का आटा और मकई का आटा लें, जीरा, अजवाइन और नमक डालें।, इसे अच्छे से मिलाएं और इसमें घी डालें, इसे अच्छे से मिलाएं, अब इसमें पानी डालकर डो तैयार कर लें, छोटी-छोटी बॉल्स बना लें, अब एक पैन में पानी गर्म करें इसमें नमक और हल्दी डालें। इन बॉल्स को पैन में डाले और उबलने दें, इन्हें तब तक पकने दें जब तक यह ऊपर न तैरने लगे, इसके बाद पानी छान लें और इन्हें ड्राई होने दें, अब इन्हें 200 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 20 से 30 मिनट के लिए बेक करें।

दाल बनाने के लिए

1.भीगी हुई अरहर की दाल को प्रेशर कुकर डाले और पानी भी डालें , हल्दी और नमक डालें। प्रेशर कुकर में पकाएं,

तड़का बनाने के लिए

1.एक पैन में घी डालें, इसमें हींग और सरसों के दाने डालकर अच्छे से भूनें , इसके बाद लाल मिर्च पाउडर डालें अब इसे दाल में डालें और पकाएं, इसमें चीनी और हरा धनिया डालें और अच्छे से मिलाएं, गर्म-गर्म दाल को बाफला पर डालकर सर्व करें, पेसारेटू या हरा डोसा

आवश्यक सामग्री

1 कप मूंग की दाल, कप पानी भिगोने के लिए, कप बारीक कटी हुई धनिया पत्ती, 1 प्याज, 6 हरी मिर्च, 4 टेबल स्पून चावल का आटा, 1 टेबलस्पून नमक, 1 कप

पेसारेटू बनाने की विधि

सबसे पहले एक कटोरा लेकर उसमे हरी मूंग की दाल डाल ले और 2 कप पानी डालकर रातभर भीगने के लिए छोड़ दें। कम से कम 6-8 घंटे तक भीगने दे और दाल को ढक कर रख लें । एक बड़ा प्याज लें। आधा प्याज काटकर उसके छोटे टुकड़े काट लें और इसके बाद कटी हुई प्याज को एक मिक्सर जार में डाल लें। प्याज के साथ इस जार में हरी मिर्च और बारीक कटी हुई धनिया पत्ती भी डालें।

भीगी हुई हरी मूंग की दाल को=कप पानी के साथ मिलकर एक गाढ़ा पेस्ध्ट बना लें और इस पेस्ट को एक कटोरे में भरकर रख लें।

इसमें चावल का आटा और नमक भी अच्छी तरह से मिला ले । इसमें आधा कप पानी और डालें, ताकी ये थोड़ा मुलायम हो जाये। अब इसे अलग रख दें। डोसा बनाने के लिये एक समतल तवा लें और उसे गर्म करें। आधी प्याज की मदद से तवे पर 2 टेबलस्पून तेल लगा लें। इसके बाद तवे को गैस से हटा लें और उस पर घोल डालकर गोल आकार दें। थोड़े तेल के साथ डोसे को ग्रीस करें तथा ग्रिडल से अतिरिक्त घोल हटा दें। इसे करीब एक से डेढ़ मिनट तक पकाएं और पलट कर आधे मिनट तक रख दें। इस तरह से आपका डोसा तैयार है। इसे गर्मागरम परोसें ताकी इसका कुरकुरापन कम न होने पाएं।

मुगलई दम अरबी

अरबी को काटकर सब्जी के तौर पर या सूखी सब्जी की तरह आपने खूब खाया होगा। इस बार अरबी का मुगलई दम स्वाद भी चखें। इसे आसानी से कुछ ही देर में बना सकते हैं।

मुंगलई दम अरबी बनाने की सामग्री

अरबी- 500 ग्राम, इलायची- 1 लौंग- 4, धनिया पाउडर- 2 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1 चम्मच हल्दी पाउडर- 1 चम्मच क्रीम- 1/4 कप, दही- 1/2 कप, नमक- स्वादानुसार, घी- आवश्यकतानुसार, सूखे मेवे- गार्निशिंग के लिए, पेस्ट बनाने के लिए, बारीक कटा प्याज- 2, खसखस- 2 चम्मच, काजू- 5 'बारीक कटा अदरक- 1 चम्मच, बारीक कटा लहसुन, 4 कलियां।

बनाने की विधि

मुंगलई दम अरबी बनाने के लिए सबसे पहले अरबी को अच्छी तरह से धोकर छील लें। इसके बाद इन्हें बीच से काट दें। दूसरी ओर खसखस को गर्म पानी में भिगोएं और काजू को भी गुनगुने पानी में भिगो दें। कड़ाही में थोड़ा-सा घी गर्म करें और उसमें अरबी के टुकड़े डालें। सुनहरा व मुलायम होने तक पकाएं। टिश्यू पेपर पर निक. ालकर रख दें। उसी कड़ाही में एक चम्मच घी और गर्म करें। बारीक कटे प्याज को सुनहरा होने तक भून लें।

अद्भुत निशाचर प्रवृत्ति ने कई मछली प्रजातियों को विलुप्ति से बचाया

लगभग 14.5 करोड़ साल पहले पूरी पृथ्वी पर ज्वालामुखी विस्फोट हुए थे, जिससे आसमान में छाए धुएं के बादलों ने पृथ्वी पर अंधकार कर दिया था। इसके चलते हजारों प्रजातियां खत्म हो गई थीं। लेकिन एसिपेंसरिफॉर्मेस जैसी कुछ मछलियां इस विपदा को झेलकर जीवित बची रहीं। आगे चलकर इन्हीं से आजकल की स्टर्जन्स विकसित हुईं। वैकासिक जीवविज्ञानी इस बात पर बहस करते रहे हैं कि क्यों कुछ प्रजातियां जीवित बचीं जबकि कई अन्य प्रजातियां विलुप्त हो गईं। हाल ही में एक अध्ययन ने एक नया विचार प्रस्तुत किया है, संभवत: ये प्रजातियां अपनी निशाचर प्रवृति के कारण जीवित बच पाईं। कुछ पूर्व अध्ययनों से यह तो मालूम था कि करीब 6. 6 करोड़ साल पहले किसी बाहरी पिंड के पृथ्वी से टकराने के कारण डायनासौर समेत कई जीव विलुप्त हो गए थे, लेकिन इसमें कई निशाचर स्तनधारी विलुप्ति से बच गए थे, तो क्या अन्य आपदाओं के मामले में भी जीवों की निशाचर प्रवृत्ति ने उन्हें बचने में मदद की होगी? जानने के लिए टोरंटो विश्वविद्यालय के वैकासिक जीवविज्ञानी मैक्सवेल शेफर और उनके साथियों ने वर्तमान मछलियों पर ध्यान दिया। वर्तमान मछलियों पर ध्यान केंद्रित करने का एक और कारण यह था कि सिर्फ जीवाश्म देखकर यह पता करना मुश्किल होता है कि वह जीव निशाचर था या दिनचर। अध्ययन में उन्होंने लगभग 4000 हड्डी वाली मछली प्रजातियों और शार्क जैसी 135 उपास्थिवाली प्रजातियों के दिन-रात के व्यवहार का अध्ययन किया और एक वंशवृक्ष पर इन व्यवहारों को चित्रित किया। फिर उन्होंने सिमुलेशन (अनुकृति) की मदद से आधुनिक मछलियों के पूर्वजों के दिन-रात के संभावित व्यवहार के पैटर्न बनाए। इसमें से उन्होंने उस पैटर्न को चुना जो वर्तमान प्रजातियों के दिन-रात की गति. विधि की सबसे अच्छी व्याख्या कर सकता था। स्टर्जन जैसी कुछ मछलियां तो हमेशा से निशाचर रही हैं। बायोआर्काइव में प्रकाशित नतीजों के अनुसार सभी मछलियों के पूर्वज भी रात्रिचर थे और विलुप्ति से बची कई मछली प्रजातियां भी निशाचर थी। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि अन्य कशेरुकियों की तुलना में ज्यादा मछलियां कई बार निशाचर से दिनचर और दिनचर से निशाचर में तब्दील होती रही हैं और तो और, 14.5 करोड़ साल और 6.6 करोड़ साल पहले के संक्रमण काल में यह तब्दीलियां सबसे अधिक थीं। उक्त दोनों ही घटनाओं के दौरान तापमान में अचानक बहुत अधिक वृद्धि हुई थी। संभव है कि रात में सक्रिय रहने के कारण निशाचर जीव दिन के चरम तापमान से बच गए और जब पर्यावरणीय उथल-पुथल शांत हुई तो निशाचर प्रजातियां दिनचर में परिवर्तित हो गई और पारिस्थितिकी में रिक्त स्थानों को भर दिया और अंतत: इस तब्दीली ने मछलियों में निशाचर और दिनचर प्रजातियों के बीच संतुलन बहाल कर दिया। जैसा कि हमें पूर्व अध्ययन से ज्ञात है कि शुरुआती स्तनधारी डायनासौर से बचने के लिए निशाचर थे, डायनासौर के विलुप्त होने के बाद वे दिन में सक्रिय होने लगे। उभयचर और अन्य थलीय कशेरुकी भी अपने अधिकांश विकास के दौरान निशाचर रहे, लेकिन बाद में उनमें से अधिकांश दिनचर हो गए। इस आधार पर शोधदल का कहना है कि निशाचर होना आपदाओं से बच निकलने की एक रणनीति है। अन्य विशेषज्ञ थोड़ी सतर्कता बरतने को कहते हैं, जैसे अध्ययन का यह मुख्य निष्कर्ष तो सही लगता है कि निशाचर होने से वैकासिक लाभ हुआ लेकिन ऐसा कई कारणों से हो सकता है। जैसे जब 6.6 करोड़ वर्ष पहले पृथ्वी पर अंधेरा छा गया था तो संभव है दिनचर जीव अपने शिकार या भोजन को देख न पाते हों जबकि निशाचरों के लिए अंधेरे में भोजन तलाशना कोई बाधा ही नहीं थी। या हो सकता है वनस्पतियां मर गई हो और साथ ही उन पर निर्भर शाक. ाहारी जीव भी। कई निशाचर जीव अपशिष्ट भोजन पर निर्भर होते हैं, जो इतनी जल्दी खत्म नहीं होता। तो संभव है कि जीवित रहने का लाभ भोजन पारिस्थितिकी से मिला हो, न कि मात्र निशाचर होने से। इन अध्ययनों में व्यापक विलुप्ति की उन आपदाओं को ही देखा गया है जिनमें पृथ्वी पर गर्मी बढ़ी थी और अंधकार छाया था। कई वैज्ञानिकों का मत है कि अन्य तरह की आपदाओं को शामिल करके देखना मददगार होगा। बहरहाल, यह निष्कर्ष एक संभावना तो जताता है कि तेजी से बदलती जलवायु में संभवत: निशाचर जीवों के बचने की संभावना अन्य से अधिक होगी।

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि अन्य कशेरुकियों की तुलना में ज्यादा मछलियां कई बार निशाचर से दिनचर और दिनचर से निशाचर में तब्दील होती रही हैं और तो और, 14.5 करोड़ साल और 6.6 करोड़ साल पहले के संक्रमण काल में यह तब्दीलियां सबसे अधिक थीं। उक्त दोनों ही घटनाओं के दौरान तापमान में अचानक बहुत अधिक वृद्धि हुई थी। संभव है कि रात में सक्रिय रहने के कारण निशाचर जीव दिन के चरम तापमान से बच गए और जब पर्यावरणीय उथल-पुथल शांत हुई तो निशाचर प्रजातियां दिनचर में परिवर्तित हो गई और पारिस्थितिकी में रिक्त स्थानों को भर दिया और अंतत: इस तब्दीली ने मछलियों में निशाचर और दिनचर प्रजातियों के बीच संतुलन बहाल कर दिया। जैसा कि हमें पूर्व अध्ययन से ज्ञात है कि शुरुआती स्तनधारी डायनासौर से बचने के लिए निशाचर थे, डायनासौर के विलुप्त होने के बाद वे दिन में सक्रिय होने लगे। उभयचर और अन्य थलीय कशेरुकी भी अपने अधिक. ांश विकास के दौरान निशाचर रहे, लेकिन बाद में उनमें से अधिकांश दिनचर हो गए।

...साभार एसएफ

बांग्लादेश में 5.7 तीव्रता का भूकंप, 6 की मौत, 200 घायल

आयरलैंड-बांग्लादेश क्रिकेट मैच रुका, 10 मंजिला इमारत झुकी, कोलकाता तक महसूस हुए झटके

ढाका/कोलकाता। बांग्लादेश में शुक्रवार सुबह करीब 10:08 (भारतीय समयानुसार) बजे 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 200 से ज्यादा घायल हुए हैं। भूकंप का केंद्र नरसिंगडी के माधबडी में था, जो ढाका से सिर्फ 25 किलोमीटर दूर है। झटके इतने तेज थे कि इसके असर से एक दस मंजिला इमारत दूसरी तरफ झुक गई। वहीं, बांग्लादेश-आयरलैंड इंटरनेशनल क्रिकेट मैच भी कुछ देर के लिए रोक दी गई। गाजीपुर के श्रीपुर में भूकंप के दौरान भारी हादसा हो गया।

घबराहट की वजह से एक बहुमंजिला इमारत से निकलने की कोशिश में भगदड़ मच गई, जिसमें 150 से ज्यादा मजदूर घायल हो गए। घटना डेनिमेक नाम की एक कपड़ा फैक्ट्री में हुई। घायलों को श्रीपुर उपजिला स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। मजदूरों ने शिकायत की कि भूकंप आने के बाद अधिकारियों ने

■ झटके इतने तेज थे कि इसके असर से एक दस मंजिला इमारत दूसरी तरफ झुक गई
■ घायलों को श्रीपुर उपजिला स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है

कारखाने का मेनगेट खोलने से इनकार कर दिया था। इससे दहशत फैल गई जिसकी वजह से ज्यादा लोग घायल हुए। आज सुबह आए भूकंप के दौरान नारायणगंज के रूपगंज उपजिला में एक दीवार गिरने से 10 महीने की बच्ची की मौत हो गई। बच्चे की मां और एक पड़ोसी घायल हो गए और फिलहाल उनका उपजिला के एक निजी मेडिकल कालेज अस्पताल में इलाज चल रहा है। बच्ची की मां ने द डेली स्टार को बताया कि भूकंप महसूस होते ही, बच्चे की मां अपनी बेटी के साथ घर से बाहर निकल आई। जब वे पास में ही अपनी मां के घर जा रही थीं, तो सड़क किनारे एक दीवार अचानक उनके ऊपर गिर गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। बांग्लादेश में अब तक का सबसे बड़ा भूकंप 1762 में आया था। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.5 थी। इसे 'ग्रेट अराक. न अर्थक्वेक' के नाम से जाना जाता है। इसके चलते बांग्लादेश में भी भारी नुकसान हुआ था। भूकंप के आधे घंटे के अंदर 6 से 15 मीटर तक ऊंची सुनामी ने चटगांव शहर को पूरी तरह तबाह कर दिया। सदरघाट और आसपास के बड़े इलाके हमेशा के लिए समुद्र में डूब गए। इस भूकंप में हजारों लोगों की मौत हुई थी। उस समय बंगाल में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन था। कंपनी के दस्तावेजों में लिखा है कि चटगांव शहर रातों-रात गायब हो गया। पुर्तगाली और डच व्यापारियों के रिकॉर्ड में भी इसका जिक्र है। स्थानीय बंगाली और अराकानी लोककथाओं में इसे श्समुद्र के बदलेश के रूप में याद किया जाता है। कोलकाता में शुक्रवार सुबह 10:10 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, झटके करीब 20 सेकेंड तक महसूस हुए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 थी। अब तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। कूचबिहार,दक्षिण दिना. जपुर, मालदा और नादिया के कई इलाकों में इसका असर देखा गया। भूकंप का केंद्र बांग्लादेश बताया जा रहा है।

बैंकॉक। नोनथाबुरी में 2025 मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता जीतने के बाद अन्य प्रतियोगियों के साथ जश्न मनाती मिस मैक्सिको फातिमा बॉश (बीच में)।

ईयू से रूस के 'छद्म बेड़े' पर नया प्रतिबंध लगाने का आग्रह

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड ने रूस के 'छद्म बेड़े' और तेल कंपनियों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है। नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वैन वील ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक के दौरान यह जानकारी दी। वील ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा कि हमने यूक्रेन के लिए यूरा. पीय संघ का समर्थन बढ़ाने और रूस पर उसके आक्रामक युद्ध को रोकने के लिए दबाव बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया है। मैंने तत्काल वित्तीय, सैन्य एवं ऊर्जा सहायता के साथ-साथ रूसी छद्म बेड़े के जहाजों और तेल कंपनियों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है।

संक्षिप्त समाचार

पाक के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.7 करोड़ डॉलर की वृद्धि

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने यह जानकारी दी है। बैंक ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि 14 नवम्बर को समाप्त सप्ताह के दौरान एसबीपी का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 14. 55 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वाणिज्यिक बैंकों के पास शुद्ध विदेशी मुद्रा भंडार 5.19 अरब डॉलर दर्ज किया गया। एसबीपी के अनुसार, देश का कुल तरल विदेशी भंडार बढ़कर 19.74 अरब डॉलर हो गया है।

ब्रिटेन ने स्विडन में नया ड्रोन उत्पादन केंद्र शुरू किया

लंदन। ब्रिटेन ने दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के स्विडन में एक नया ड्रोन उत्पादन केंद्र शुरू किया है। ब्रिटिश सरकार ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि 40,000 वर्ग फुट में निर्मित इस संयंत्र का उद्घाटन रक्षा मंत्री अल कार्न्स ने किया है। यह जर्मनी के बाहर स्टार्क का पहला उत्पादन केन्द्र है। आने वाले महीनों में यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लैस मानवरहित ड्रोनों का निर्माण शुरू हो जाएगा। बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि ड्रोन यूक्रेन को दिए जाएंगे या नहीं, लेकिन कहा गया है कि यह सुविधा हजारों वर्टस लोइटरिंग गोला-बारूद का उत्पादन करेगी, जिसे यूक्रेन में पहले ही सफलतापूर्वक तैनात किया जा चुका है।

लावरोव ने ईरानी विदेश मंत्री के साथ सुरक्षा पर चर्चा की

मास्को। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची के साथ फोन पर क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की। यह जानकारी रूसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में दी। मंत्रालय ने कहा कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने 20 नवम्बर को ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। बातचीत का मुख्य विषय क्षेत्रीय सुरक्षा था।

वियतनाम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 41 हुई

हनोई। मध्य वियतनाम में मूसलाधार बारिश और बाढ़ के कारण 41 लोगों की मौत हो गई है जबकि नौ अन्य लोग लापता हैं। स्थानीय दैनिक वीएन एक्सप्रेस ने गुरुवार रात वियतनाम आपदा और डाइक प्रबंधन प्राधिकरण के हवाले से यह जानकारी दी। प्राधिकरण के मुताबिक बाढ़ से 167 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 52000 से अधिक जलमग्न हो गए हैं, जबकि 13000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में खड़ी फसलें नष्ट हो गई है, लगभग 2100 हेक्टेयर पेड़, 88 हेक्टेयर जलीय कृषि तथा 30,700 से अधिक पशुधन नष्ट हो गए हैं।

चीन-जापान तनाव से इंडियन सी-फूड की डिमांड बढ़ी

अमेरिकी टैरिफ झेल रहे एक्सपोर्टर्स के शेयर 10 प्रतिशत तक चढ़े, भारत के लिए नया बाजार राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। चीन और जापान के बीच ताइवान को लेकर बढ़ते तनाव का सीधा फायदा भारत को मिल रहा है। चीन ने बुधवार को जापान से आने वाले सभी सीफूड (जैसे- मछली, झींगा) पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बाद भारतीय सीफूड निर्यातकों के शेयरों में तेज उछाल देखने को मिला। चीन के इस फैसले से उसके बाजार में सीफूड की कमी का खतरा पैदा हो गया है।

इसे पूरा करने के लिए वह भारत जैसे देशों की तरफ तेजी से रुख कर रहा है। इसके चलते भारतीय सीफूड कंपनियों के शेयरों में तेजी आई है। तेलंगाना की अवंती फीड्स के शेयर करीब 10 प्रतिशत तक चढ़ गए। यह कंपनी के शेयर में पिछले दो महीनों में सबसे बड़ी बढ़त है। वहीं एक और सीफूड कंपनी कोस्टल कारपोरेशन के शेयर भी 5 प्रतिशत बढ़े। कंपनी ने अप्रैल में कहा था कि वह चीन को निर्यात बढ़ाएगी। चीन और जापान के बीच विवाद की वजह जापानी पीएम साने ताकाइची का एक बयान है। दरअसल ताकाइची ने 7 नवम्बर को कहा कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा। चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला बताया। इसके अगले ही दिन

■ चीन के इस फैसले से उसके बाजार में सीफूड की कमी का खतरा पैदा हो गया
■ एक और सीफूड कंपनी कोस्टल कारपोरेशन के शेयर भी 5 प्रतिशत बढ़े

विवाद और बढ़ गया जब जापान में चीन के काउंसल जनरल शुए जियान ने एक्स पर लिखा कि वह इस मामले में दखल देने वाले की गर्दन काट देंगे।

इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजदूतों को तलब किया। चीन ने अपने नागरिकों को जापान न जाने के लिए आगाह किया है और चेतावनी दी है कि वहां जाने पर उन्हें खतरे का सामना करना पड़ सकता है। पीएम साने ताक. इची ने जापानी संसद में 7 नवम्बर को दिए अपने पहले ही संबोधन में ताइवान का समर्थन किया था। भारत के लिए चीन के बाजार का मौका ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने भारतीय सीफूड पर 50 प्रतिशत तक का टैक्स लगा रखा है। इससे अमेरिका भेजे जाने वाले भारतीय सीफूड निर्यात में अक्टूबर में 9 प्रतिशत की गिरावट हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन, वियतनाम और थाईलैंड को भारत का निर्यात बढ़ा है। भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 7.4 बिलियन डालर यानी लगभग 61 हजार करोड़ रुपये का सीफूड निर्यात किया था। ज्यादातर निर्यात फ्रोजन श्रिम्प (झींगा) और फ्रोजन फिश का था। अमेरिका अभी भी भारत का सबसे बड़ा सीफूड बाजार है। वालमार्ट और क्रोगर जैसे बड़े अमेरिकी रिटेलर भारतीय उत्पाद खरीदते हैं। 2023-24 में भारत ने 17.81 लाख टन सीफूड दुनिया के बड़े बाजारों अमेरिका, यूरोप, ब्रिटेन और चीन को भेजा था। जापान के लिए चीन के बाजार का बंद होना बड़े झटके जैसा है। जापान अपने कुल सीफूड निर्यात का 20-25 प्रतिशत सीफूड चीन को करता है। चीन जापानी निर्यातकों के लिए सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि उसके कुल निर्यात में सीफूड का हिस्सा 1 प्रतिशत है। हाल ही में दो साल के अंतराल के बाद जापान ने चीन को सीफूड निर्यात दोबारा शुरू किया था। चीन ने 2023 में जापान से आने वाले सीफूड पर बैन लगा दिया था। एनएचके की रिपोर्ट के मुताबिक यह प्रतिबंध फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट से समुद्र में छोड़े गए पानी की वजह से लगाया था। नए प्रतिबंध से जापानी कंपनियों को भारी नुकसान की आशंका है। चीन के सरकारी मीडिया का कहना है कि जापान ताइवान मुद्दे में बेवजह दखल दे रहा है और ऐसा करके खुद अपने देश को खतरे में डाल रहा है। एक न्यूज एडिटोरियल में यह भी लिखा गया कि अगर जापान की सेना ने इस मामले में दखल दिया तो पूरे क्षेत्र को नुकसान झेलना पड़ेगा। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि जापान और अमेरिका ताइवान को स्वतंत्र देश की तरह मान्यता तो नहीं देते, लेकिन अमेरिका उसकी सुरक्षा में मदद करता है और उस पर किसी भी जबरन कब्जे का विरोध करता है। ताइवान जापान से सिर्फ 110 किलोमीटर दूर है। ताइवान के आसपास का समुद्री क्षेत्र जापान के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यह उसका एक महत्त्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग है।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए वैश्विक कार्रवाई का आह्वान

इलरू। छोटे द्वीपीय विकासशील देशों की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए समन्वित वैश्विक प्रयासों का आह्वान करते हुए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सौर ऊर्जा को परिवर्तन और सामाजिक क्रांति का एक उपकरण बताया। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) एसआईडीएस के उच्च-स्तरीय मंत्रिस्तरीय नेतृत्व सत्र में बोलते हुए यादव ने आईएसए के जरिये द्वीपीय देशों को भारत के समर्थन की पुष्टि की और स्वच्छ ऊर्जा में देश के तेज विस्तार के संकेत दिए। संयुक्त राष्ट्र कॉप-30 के दौरान उच्च-स्तरीय मंत्रिस्तरीय नेतृत्व सत्र में छोटे द्वीपीय विकासशील राज्य (एसआईडीएस) और आईएसए के सदस्य देशों के मंत्री तथा वरिष्ठ प्रतिनिधि एक साथ दिखे। यादव ने कहा, एसआईडीएस आयातित जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता, जलवायु संबंधी बाधाओं और नाजुक बुनियादी ढांचे के कारण अद्वितीय कमजोरियों का सामना करते हैं। उन्होंने सस्ती, स्वच्छ और लचीली ऊर्जा प्रणालियों को बढ़ाने के लिए सामूहिक कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया। भारत के मुताबिक, साझा क्रेडिटिंग तंत्र (जेसीएम) वैश्विक स्तर पर न्यायसंगत एवं व्यापक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने का अहम साधन बनकर उभरा है।

जॉनसन की लापरवाही से कोविड में 23 हजार मौतें ज्यादा हुई

लंदन। ब्रिटेन की कोविड जांच रिपोर्ट में सामने आया है कि पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जानसन की देर से लिए गए फैसलों की वजह से देश में 23000 अतिरिक्त मौतें हुईं। रिपोर्ट के मुताबिक जानसन शुरू में वायरस की गंभीरता को समझ ही नहीं पाए और लाकडाउन लगाने में देरी करते रहे। रिपोर्ट की चेयरपर्सन, पूर्व जज हीथर हैलेट ने कहा कि महामारी के दौरान सरकार में टाक्सिक और अराजक माहौल था। जानसन लगातार फैसले बदलते थे और कई अहम सुझाव नजरअंदाज किए गए। जांच में यह भी पाया गया कि अगर ब्रिटेन ने एक हफ्ता पहले यानी 16 मार्च 2020 को लाकडाउन लगाया होता, तो पहली लहर में मौतों की संख्या 48 प्रतिशत कम हो सकती थी। कोविड काल में जानसन सरकार पर कई आरोप लगे, जिनमें डाउनिंग स्ट्रीट में पार्टियां करने और लाकडाउन नियम तोड़ने के मामले भी शामिल थे। इसी दौरान स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकाक और मुख्य सलाहकार डामिनिक कमींग्स के आचरण पर भी गंभीर सवाल उठे। रिपोर्ट में भविष्य की महामारी से निपटने के लिए 19 सिफारिशें भी दी गई हैं।

मोदी जी-20 में शामिल होने साउथ अफ्रीका पहुंचे

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प शामिल नहीं होंगे, राजदूत भेजेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी शुक्रवार को 3 दिन के दौरे पर साउथ अफ्रीका पहुंचे। वे जोहान्सबर्ग में होने वाले जी-20 देशों के 20वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस बार की जी-20 मीटिंग साउथ अफ्रीका की मेजबानी में हो रही है। पीएम मोदी 21 से 23 नवम्बर तक साउथ अफ्रीका में रहेंगे।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री तीन मुख्य सेशंस में बोलेंगे। समिट के दौरान पीएम मोदी कई देशों के नेताओं से अलग-अलग मुलाकात भी करेंगे। इसके अलावा वे इंडिया-ब्राजील-साउथ अफ्रीका (आईबीएसए) देशों की बैठक में भी शामिल होंगे। यह मोदी की दक्षिण अफ्रीका की चौथी आधिकारिक यात्रा है। इससे

■ पहले बायकाट का ऐलान किया था

पहले 2016 में द्विपक्षीय यात्रा और उसके बाद 2018 और 2023 में दो ब्रिक्स शिखर सम्मेलनों के लिए मोदी गए थे। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जी-20 समिट में भाग नहीं ले रहे हैं। एक दिन पहले ट्रम्प ने अपने रुख में बदलाव करते हुए साउथ अफ्रीका में अपने कार्यवाहक राजदूत मार्क डी. डिलार्ड को भेजने का ऐलान किया है। रवाना होने से पहले मोदी ने स्टेटमेंट जारी कर कहा-मैं दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में जोहान्सबर्ग में हो रहे 20वें जी-20 समिट में भाग लेने के लिए 21-23 नवम्बर तक की यात्रा पर जा रहा हूं। यह यात्रा दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के निमंत्रण पर हो रही है। मोदी ने आगे बताया कि, यह समिट खास होगा क्योंकि यह अफ्रीका में आयोजित होने वाला पहला जी-20 शिखर सम्मेलन होगा। 2023 में भारत की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान, अफ्रीकी यूनियन जी-20 का सदस्य बन चुका था। मोदी ने कहा-यह शिखर सम्मेलन प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर चर्चा का एक अवसर होगा।

27वें संशोधन के खिलाफ हाईकोर्ट के चार जज

पाकः आसिम मुनीर को ज्यादा शक्तियां देने वाले कानून को चुनौती देने की इजाजत नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को ज्यादा शक्तियां प्रदान करने वाले संविधान के 27वें संशोधन पर सुप्रीम कोर्ट के बाद देश की हाईकोर्ट के जजों ने भी आपत्ति जताई है। बताया गया है कि इस्लामाबाद हाईकोर्ट के चार जज शहबाज शरीफ सरकार की तरफ से लाए गए 27वें संविधान संशोधन को चुनौती देना चाहते थे, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ही इन जजों को इजाजत नहीं दी और इन सभी को हाल ही में बनाए गए संघीय संविधान अदालत (एफसीसी) जाने के निर्देश दिए।

पाकिस्तान में एक हफ्ते पहले ही संविधान के 27वें संशोधन को अंजाम दिया गया। संसद के दोनों सदनों में इसे मंजूरी मिलने के बाद अब देश में 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' के नए पद के सृजन हुआ है। इसके अलावा फील्ड मार्शल को आजीवन पद पर बने रहने देने की शक्तियां मिल गई हैं। दूसरी तरफ सांविधानिक अदालत की स्थापना का भी प्रावधान किया गया है। इस

कानून के अस्तित्व में आने के बाद से फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की शक्तियों में इजाफा हो गया है व अब आजीवन फील्ड मार्शल बने रहेंगे। यहां तक कि सेवानिवृत्ति के बाद भी वे रक्षा मामलों में सरकार के सलाहकार के तौर पर भूमिका निभाते रहेंगे और उन्हें किसी भी मामले में संरक्षण (इम्युनिटी) दी गई है। पाकिस्तान के अखबार द डॉन की खबर के मुताबिक, इस्लामाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस मोहसिन अख्तर कयानी, जस्टिस बाबर सत्तार, जस्टिस सरदार एजाज इशाक खान और जस्टिस समन रिफत इम्तियाज ने संविधान के अनुच्छेद 184(3) के तहत अपनी आपत्तियां सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री को भेजी थीं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को स्वीकार नहीं किया, क्योंकि जिस अनुच्छेद 184(3) के तहत सर्वोच्च न्यायालय पहले मौलिक अधिकारों को लागू कराने की जिम्मेदारी लेता था, उससे अब वह शक्तियां ही छीन ली गई हैं। द डॉन के सूत्रों के मुताबिक, यह सभी जज सुप्रीम कोर्ट के सामने निजी तौर पर याचिका के साथ पेश नहीं हुए थे। न ही इनमें से किसी ने भी अपना बायोमेट्रिक सत्यापन कराया था। हालांकि, वे संविधान के 27वें संशोधन को लेकर लंबे समय से चिंता जताते आ रहे थे और इसे पहले से तय न्यायिक स्वतंत्रता की प्रणाली को तोड़ने की बढ़ी हुई कोशिशें करार दे रहे थे। इन जजों का आरोप था कि संविधान के 26वें संशोधन से ही न्यापालिका की स्वतंत्रता को छीनने की कोशिश की जा रही थी।

यूक्रेन जंग रोकने ट्रम्प का 28 पॉइंट का प्रपोजल आया

जेलेंस्की को अपनी जमीन छोड़नी होगी, सेना भी घटानी होगी, बदले में मिलेगी सुरक्षा गारंटी

कीव/मास्को। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस-यूक्रेन जंग को खत्म करने के लिए 28-सूत्रीय शांति फ्रेमवर्क तैयार किया है। यह फ्रेमवर्क अमेरिकी सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल के यूक्रेन यात्रा के दौरान सामने आया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार , इसमें यूक्रेनी सुरक्षा गारंटियों का जिक्र है, लेकिन साथ ही यूक्रेन से जमीन छोड़ने, सेना की संख्या कम करने और नाटो को यूक्रेन में सैनिक भेजने से रोकने की भी मांग की गई है।

अमेरिका ने अभी तक इसकी आधिका. रिक घोषणा नहीं की है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी ऐसी किसी शांति योजना के बारे में जानक. ारी होने से इनकार किया है। वहीं, जेलेंस्की ने इस प्रस्ताव को लेकर शुरुआती सहमति जताई है। हालांकि, कई अमेरिकी समाचार आउटलेट्स ने सूत्र के हवाले से इसकी पुष्टि की है। अमेरिकी डिजिटल समाचार आउटलेट एक्सियोस और ब्रिटेन के फाइनेंशियल टाइम्स

■ रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी ऐसी किसी शांति योजना के बारे में जानकारी होने से इन्कार किया

ने बुधवार को सबसे पहले इस योजना के बारे में बताया। ट्रम्प और जेलेंस्की ने 17 अक्टूबर को व्हाइट हाउस में बंद कमरे में मुलाकात की थी। ट्रम्प प्रशासन ने साफ किया है कि, दोनों पक्षों को समझौते करने होंगे। 'पीबीएस न्यूज आवर' मीडिया को मिले 28-सूत्रीय योजना के मुता. बिक इस फ्रेमवर्क में न केवल यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी शामिल है, बल्कि रूस की लंबे समय से चली आ रही मांगे भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि, यूक्रेन को अपनी सेना का आकार सीमित करना होगा। नाटो को यूक्रेन में कोई भी सैनिक भेजने की अनुमति नहीं होगी। यूक्रेन को डोनेट्स्क क्षेत्र का वह हिस्सा छोड़ना होगा जिस पर उसका अभी भी नियंत्रण है और जिस पर रूस 11 साल के ब के बावजूद कब्जा नहीं कर पाया है। उस क्षेत्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता दी जाएगी। इससे रूस को पूरे डोनबास इलाके पर नियंत्रण मिल जाएगा। इसके बाद अमेरिका डोनबास, क्रीमिया और जापोरिज्जिया और खेरसॉन के कब्जे वाले हिस्सों को वास्तविक रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता देगा। इसके अलावा, नाटो भविष्य में यूक्रेन को शामिल नहीं करेगा। अमेरिका रूस पर लगे प्रतिबंधों को चरणबद्ध तरीके से और हर मामले के आधार पर हटाएगा। प्लान के मुताबिक दोनों पक्षों को उनका हरकतों के लिए माफी दी जाएगी।

ईरान के खिलाफ नए अमेरिकी प्रतिबंधों का ऐलान

वाशिंगटन। अमेरिका ने गुरुवार को ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य ईरान के अवैध पेट्रोलियम, शिपिंग और विमानन नेटवर्क को ध्वस्त करना है, जो देश की सेना और क्षेत्रीय छद्म ताकतों को धन मुहैया कराते हैं। विदेश एवं वित्त विभागों ने एक समन्वित कार्रवाई में, भारत, पनामा, संयुक्त अरब अमीरात, सेशेल्स और जर्मनी सहित कई देशों की दर्जनों कंपनियों, व्यक्तियों, जहाजों और विमानों पर प्रतिबंध लगाया, जिन पर कथित रूप से तेहरान को प्रतिबंधित तेल और पेट्रोलियम उत्पादों को ले जाने और बेचने में मदद करने का आरोप है। विदेश विभाग ने कहा कि उसने 17 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाया है जबकि वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने 41 अतिरिक्त लक्ष्यों पर प्रतिबंध लगाया है, जिससे ईरानी राजस्व स्रोतों को रोकने वाले अमेरिका के अभियान में तेजी आई है। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने कहा कि इन उपायों का उद्देश्य ईरानी शासन के परमाणु हथियारों के विकास और आतंकवादी संगठनों को समर्थन के लिए वित्त पोषण को रोकना है।